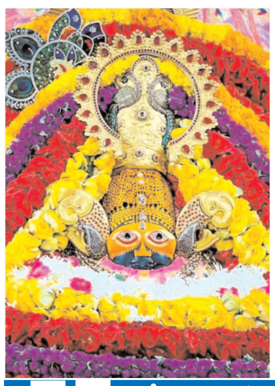

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

वर्ष :16 । अंक: 29। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 25 सितंबर 2026 (शुक्रवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें

सरबजीत माकन

+91-9638877700

mahanagarmetro7@gmail.com

चुनाव आयोग और एसआईआर विवाद पर कॉकरोच जनता पार्टी का बड़ा हमला

संस्थापक अभिजीत दीपके ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बताया देश का 'सबसे बड़ा गद्दार'

48 घंटे में इस्तीफे की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर मचे घमासान के बीच सियासत गरमा गई है। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने गुरुवार को नई दिल्ली में एक आक्रामक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर बेहद तीखा हमला बोला है। दीपके ने मुख्य चुनाव आयुक्त को सीधे तौर पर देश का 'सबसे बड़ा गद्दार' और लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा करार दिया है। दीपके ने सवाल उठाया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच मतों का अंतर मात्र 2 प्रतिशत था, ऐसे में इतने बड़े पैमाने पर नाम काटा जाना क्या किसी सुनियोजित रणनीति का हिस्सा है? उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त निष्पक्ष चुनाव कराने के बजाय चुनावों की पटकथा लिख रहे हैं। सीजेपी संस्थापक ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की आड़ में राजनीतिक विरोधियों को ठिकाने लगाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने उदाहरण देते हुए दावा किया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और केरल के

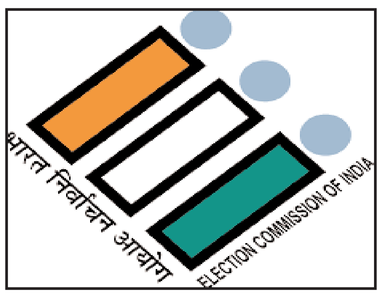

नेताओं के निर्वाचन क्षेत्रों में सुनियोजित तरीके से हजारों वोट काटे गए हैं, जिससे चुनावी नतीजों को प्रभावित किया जा सके। 48 घंटे का अल्टीमेटम और राष्ट्रव्यापी आंदोलन की चेतावनीसीने पर हाथ रखकर कड़े शब्दों में

एसआईआर और मतदाता सूची से नाम हटाने पर उठे गंभीर सवाल

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग के कामकाज के कारण देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की धज्जियां उड़ गई हैं। उन्होंने दावा किया कि एसआईआर प्रक्रिया के तहत देश भर में 13 करोड़ से अधिक वोटर्स के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, जो कुल मतदाताओं का लगभग 13 से 14 प्रतिशत हिस्सा है

चेतावनी देते हुए अभिजीत दीपके ने कहा कि अगर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने अगले 48 घंटों के भीतर अपने पद से इस्तीफा नहीं दिया, तो कॉकरोच जनता पार्टी देश भर में एक उग्र और राष्ट्रव्यापी आंदोलन छेड़ देगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक सीईसी इस्तीफा नहीं देते, तब तक उनका संघर्ष थमेगा नहीं। चुनाव आयोग के भीतर आंतरिक कलह और दो चुनाव आयुक्तों द्वारा आपत्तियां दर्ज कराने की मीडिया रिपोर्ट्स के सामने आने के बाद CJP के इस आक्रामक तेवर ने राष्ट्रीय राजनीति में हलचल मचा दी है।

एशियन गेम्स में भारत ने जीते 5 मेडल, मिक्स्ड रिले में सिल्वर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। 24 सितंबर 2026। एशियन गेम्स के पांचवें दिन भारत ने कुल 5 मेडल अपने नाम किए। इनमें 2 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज शामिल हैं। इसके साथ भारत के कुल मेडल की संख्या 17 हो गई है, जिसमें 1 गोल्ड, 7 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज हैं। चीन 127 मेडल के साथ शीर्ष पर है। एथलेटिक्स की 4म400 मीटर मिक्स्ड रिले में मनु टीएस, पूवम्मा एमआर, विशाल टीके और वित्या रामराज की भारतीय टीम ने 3:14.46 सेकेंड में रेस पूरी कर सिल्वर मेडल जीता। इससे पहले सीमा कुमारी ने महिला 10 हजार मीटर में 32:50.05 सेकेंड के समय के साथ ब्रॉन्ज हासिल किया।

दतिया में फिर सियासी हलचल, घनश्याम सिंह के निर्वाचन को हाईकोर्ट में चुनौती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दतिया। मध्य प्रदेश की दतिया विधानसभा सीट उपचुनाव के बाद एक बार फिर राजनीतिक और कानूनी चर्चा में है। कांग्रेस विधायक घनश्याम सिंह के निर्वाचन को जबलपुर हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। भाजपा नेता और अधिवक्ता दीपक बेलपत्री ने 17 सितंबर को याचिका दायर कर आरोप लगाया कि चुनावी शपथपत्र में 1991 में दर्ज एक आपराधिक मामले की जानकारी नहीं दी गई। हालांकि, याचिका दायर होने मात्र से घनश्याम सिंह की सदस्यता समाप्त नहीं हुई है। अदालत की सुनवाई और आगे की कानूनी प्रक्रिया के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। मामला उस समय का बताया गया है जब 1991 में राजीव गांधी की हत्या के बाद दतिया में विरोध प्रदर्शन और चक्काजाम हुए थे। याचिका के मुताबिक अलग-अलग स्थानों पर दर्ज प्राथमिकी में करीब 22 लोगों के साथ घनश्याम सिंह का नाम भी था। घनश्याम सिंह ने अपने शपथपत्र में दो आपराधिक मामलों की जानकारी दी थी, लेकिन इस प्राथमिकी का उल्लेख नहीं किया। उनका कहना है कि उन्हें इस मामले में प्राथमिकी दर्ज होने की जानकारी नहीं थी और यह प्रकरण कभी चालान या अदालत की सुनवाई तक नहीं पहुंचा। दतिया में मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम की शुरुआत कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती की सदस्यता खत्म होने के बाद हुई। इसके बाद उपचुनाव में भाजपा ने लंबे समय से विधायक रहे नरोत्तम मिश्रा को टिकट नहीं दिया और आशुतोष तिवारी को मैदान में उतारा। कांग्रेस ने घनश्याम सिंह को प्रत्याशी बनाया। 30 जुलाई को हुए उपचुनाव में घनश्याम सिंह ने आशुतोष तिवारी को 6,016 वोटों से हराया।

ट्रम्प-जिनपिंग की मुलाकात में एआई सबसे बड़ा मुद्दा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वॉशिंगटन। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग गुरुवार को अमेरिका पहुंचे, जहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने प्रोटोकॉल से अलग खुद जॉइंट बेस एंड्रयूज एयरपोर्ट पहुंचकर उनका स्वागत किया। इस दौरान ट्रम्प के साथ फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रम्प भी मौजूद रहीं। जिनपिंग के साथ उनकी पत्नी पेंग लियुआन भी अमेरिका पहुंची हैं। औपचारिक स्वागत के बाद दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय बातचीत शुरू हुई।ट्रम्प ने कहा कि बातचीत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई सबसे बड़ा मुद्दा रहेगा। अमेरिका को आशंका है कि उसकी उन्नत एआई तकनीक और चिप चीन तक पहुंच सकती है। इसी वजह से अमेरिका ने एआई चिप और संबंधित तकनीक के निर्यात पर कई प्रतिबंध लगाए हैं। चीन इन प्रतिबंधों का विरोध करता रहा है। जिनपिंग ने कहा कि यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि एआई हमेशा इंसानों के नियंत्रण में रहे। ट्रम्प ने कहा कि एआई का सही इस्तेमाल आने वाले दशकों तक शांति को बढ़ावा दे सकता है। जिनपिंग ने अमेरिका और चीन से टकराव और संघर्ष से बचने की अपील करते हुए 'थ्यूसीडाइड्स ट्रैप' से बचने की बात कही। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के रिश्तों में स्थिरता बनाए रखना जरूरी है और दोनों देशों के हित एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हैं। शुक्रवार को ट्रम्प और जिनपिंग नेशनल आर्काइव्स भी जाएंगे। रात में जिनपिंग के सम्मान में स्टेट डिनर आयोजित किया जाएगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए उन्हें 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। पार्टी ने चेतावनी दी कि निर्धारित समय में इस्तीफा नहीं देने पर देशभर में आंदोलन शुरू किया जाएगा और इसके बाद दिल्ली में प्रदर्शन किया जाएगा। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने गुरुवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली और विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर गंभीर आरोप लगाए। दीपके ने दावा किया कि विशेष गहन पुनरीक्षण के माध्यम से देश में 13 करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं.

SIR पर आपत्तियों के बीच चर्चा में आए दो चुनाव आयुक्त जानिए सुखबीर संधू और विवेक जोशी का प्रोफाइल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर से जुड़े कुछ फैसलों और प्रक्रिया को लेकर चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी की आपत्तियों के बाद दोनों अधिकारियों की भूमिका और उनके प्रशासनिक करियर की चर्चा हो रही है। दोनों अधिकारी भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी रहे हैं और केंद्र व राज्य सरकार में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं। सुखबीर सिंह संधू 1988 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने एमबीबीएस की डिग्री भी हासिल की है।

सुखबीर सिंह संधू

अक्टूबर 2019 में उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण यानी एनएचएआई के अध्यक्ष का पद संभाला था। उनके कार्यकाल से देशभर में फास्टैग को अनिवार्य बनाने की प्रक्रिया जुड़ी रही। इससे राजमार्गों पर टोल भुगतान की व्यवस्था को डिजिटल बनाने की दिशा में बड़ा बदलाव हुआ। प्रशासनिक जिम्मेदारियों के अलावा संधू की खेल और पर्वतारोहण में भी रुचि रही है। वे हॉकी खिलाड़ी रह चुके हैं। उन्होंने उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में स्थित ब्लैक पीक, जिसकी ऊंचाई करीब 22 हजार फीट बताई जाती है, पर चढ़ाई भी की है। उन्हें हार्वर्ड बिजनेस स्कूल, बोस्टन में भारतीय शहरों में तनाव कम करने के विषय पर भाषण देने के लिए आमंत्रित किया गया था। मार्च 2024 में उन्हें चुनाव आयुक्त नियुक्त किया गया। डॉ. विवेक जोशी 1989 बैच के हरियाणा कैडर के आईएएस अधिकारी हैं।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर चलती स्लीपर बस बनी आग का गोला, 9 की मौत; शवों की पहचान में मुश्किल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नोएडा। यमुना एक्सप्रेस-वे पर बुधवार रात एक दर्दनाक हादसे में चलती स्लीपर एसी बस आग की चपेट में आ गई। हादसे में 9 यात्रियों की मौत हो गई। मृतकों में 8 पुरुष और एक महिला शामिल है। बस में कुल 35 यात्री सवार थे। 20 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया, जबकि कुछ लोगों ने खिड़कियों के शीशे तोड़कर जान बचाई। आग इतनी तेजी से फैली कि बस में फंसे कई लोग बुरी तरह झुलस गए। शवों की स्थिति ऐसी है कि उनकी पहचान करने में भी परेशानी हो रही है। बस दिल्ली के कश्मीरी गेट से रात करीब 9:30 बजे महोबा के लिए रवाना हुई थी। करीब 11:30 बजे जेवर एयरपोर्ट से लगभग 500 मीटर आगे बस में अचानक आग लग गई। यात्री सुनील कुमार ने पुलिस को बताया कि बस में ड्राइवर और कंडक्टर सिगरेट पी रहे थे। यात्रियों ने इसका विरोध किया तो दोनों हंसने लगे। कुछ देर बाद बस में जलने की गंध आने लगी और फिर आग भड़क उठी। आरोप है कि आग लगने के बाद ड्राइवर ने तुरंत बस नहीं रोकी। यात्रियों के शीशे तोड़ने के बाद बस रुकी और लोग बाहर निकल सके। पुलिस के मुताबिक बस मध्य प्रदेश की राज कल्पना ट्रैवल्स की है। बस के खिलाफ 19 चालान हो चुके हैं और 1.75 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया था। पुलिस ने दो ड्राइवर

पवन और विनोद तथा कंडक्टर योगेश को गिरफ्तार किया है। दमकल विभाग की पांच गाड़ियों ने करीब 45 मिनट में आग पर काबू पाया। दमकलकर्मियों को बस का पिछला हिस्सा काटकर अंदर प्रवेश करना पड़ा।

पति ने दर्ज कराई एफआईआर

दूसरी शादी के बाद खुद को विधवा बताकर सरकारी नौकरी लेने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। जयपुर में एक सरकारी शिक्षिका पर दूसरी शादी के बावजूद खुद को विधवा बताकर फर्जी दस्तावेजों के जरिए सरकारी नौकरी हासिल करने का आरोप लगा है। यह आरोप महिला के दूसरे पति ने लगाया है। पति का दावा है कि महिला ने दूसरी शादी और इस शादी से हुई तीसरी संतान की जानकारी छिपाई तथा कथित रूप से झूठे शपथपत्र के आधार पर विधवा कोटे का लाभ लिया। पति ने महिला पर अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में भी दस्तावेजों के कथित दुरुपयोग का आरोप लगाया है। 22 सितंबर को पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार जयपुर निवासी 45 वर्षीय व्यक्ति ने शिकायत दी है। उसके मुताबिक मई 2021 में दोनों ने प्रेम विवाह किया था। यह दोनों की दूसरी शादी थी। महिला के पहले पति की मौत हो चुकी थी और उससे दो बेटियां थीं, जिन्हें शादी के बाद पति के परिवार ने स्वीकार कर लिया। मार्च 2022 में महिला ने दूसरी शादी से एक बेटी को जन्म दिया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि वर्ष 2022 में महिला का चयन ग्रेड थर्ड शिक्षक के पद पर हुआ और जयपुर में नियुक्ति मिली। इसके बाद उसके व्यवहार में बदलाव आया। पति का कहना है कि वह स्कूल से देर से लौटती और घर पर भी लंबे समय तक मोबाइल और सामाजिक माध्यमों पर व्यस्त रहती थी।ठ 2023 में स्कूल पहुंचने पर पति को कथित तौर पर पता चला कि महिला प्रधानाचार्य के साथ बाहर गई है। लौटने के बाद प्रधानाचार्य ने कथित रूप से उसे बताया कि महिला ने खुद को विधवा और एकल मां बताया था। इसके बाद पति ने महिला की कथित नजदीकियों पर आपत्ति जताई। पति का आरोप है कि बाद में उसे धमकियां दी जाने लगीं। शिकायत में पति ने आरोप लगाया कि एक दिन उसने महिला को फोन पर बातचीत करते सुना, जिसमें कथित तौर पर उसके बारे में कहा जा रहा था कि उसे रास्ते से हटाना पड़ेगा। पति का कहना है कि इसके बाद उसे कुछ दस्तावेज मिले, जिनसे उसे महिला द्वारा खुद को विधवा बताकर नौकरी हासिल करने की जानकारी मिली। शिकायत के अनुसार जून 2022 में शिक्षा विभाग को दिए शपथपत्र में महिला ने घोषणा

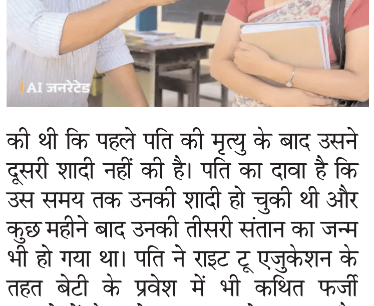

की थी कि पहले पति की मृत्यु के बाद उसने दूसरी शादी नहीं की है। पति का दावा है कि उस समय तक उनकी शादी हो चुकी थी और कुछ महीने बाद उनकी तीसरी संतान का जन्म भी हो गया था। पति ने राइट टू एजुकेशन के तहत बेटी के प्रवेश में भी कथित फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल का आरोप लगाया है। इसके अलावा विवाह पंजीकरण और नगर निगम के दस्तावेजों में भी कथित गड़बड़ी का आरोप लगाया गया है। शिक्षा विभाग ने शिकायत मिलने के बाद महिला के खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार एफआईआर अदालत के आदेश पर दर्ज हुई है। महिला पर लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है और संबंधित लोगों के बयान दर्ज किए जाएंगे।

वेलकम के 'बल्लू' नहीं रहे मुश्ताक खान, 56 की उम्र में निधन 250 से ज्यादा फिल्मों में किया काम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। हिंदी सिनेमा के चरित्र अभिनेता मुश्ताक खान का 56 साल की उम्र में निधन हो गया। 'वेलकम' और 'आशिकी' जैसी फिल्मों में यादगार किरदार निभाने वाले मुश्ताक खान ने 24 सितंबर को मुंबई के नानावती अस्पताल में अंतिम सांस ली। वे पिछले करीब 15 दिनों से अस्पताल में भर्ती थे। उनके बिजनेस पार्टनर शिवम ने उनके निधन की पुष्टि की है। उनका अंतिम संस्कार 25 सितंबर को मुंबई में किया जाएगा। मुश्ताक खान पिछले करीब पांच वर्षों से कैंसर से जूझ रहे थे। इलाज के बाद वे ठीक हो गए थे, लेकिन हाल ही में बीमारी दोबारा लौट आई। इसके बाद उनकी तबीयत लगातार बिगड़ने लगी और गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान गुरुवार को उनका निधन हो गया। उनके निधन की खबर से परिवार, फिल्म जगत और प्रशंसकों में शोक का माहौल है। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के बैहर कस्बे में जन्मे मुश्ताक खान ने अभिनय की शुरुआत थिएटर से की थी। वर्ष 1980 में 'थोड़ी सी बेवफाई' और 'अल्बर्ट पिंटो को गुस्सा क्यों आता है' से उन्होंने हिंदी सिनेमा में कदम रखा। चार दशक से ज्यादा लंबे करियर में उन्होंने 250 से अधिक फिल्मों में काम किया। फिल्मों के अलावा वे कई लोकप्रिय टेलीविजन धारावाहिकों का भी हिस्सा रहे। 2007 में आई 'वेलकम' में मजनू भाई के साथी 'बल्लू' के किरदार ने उन्हें खास पहचान दिलाई।

राजस्थान में पहली बार अलग यूथ बजट की तैयारी, युवाओं के सुझावों से तय होगा एजेंडा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान सरकार अब युवाओं पर केंद्रित अलग यूथ प्लान तैयार करने जा रही है। इसके तहत आगामी बजट में युवाओं से जुड़े प्रावधानों को शामिल करते हुए प्रदेश का पहला अलग यूथ बजट पेश करने की तैयारी है। वित्त विभाग ने इसके लिए सर्कुलर जारी कर ऑनलाइन सुझाव मांगे हैं। सरकार का कहना है कि यूथ प्लान का एजेंडा युवाओं की जरूरतों और उनके सुझावों के आधार पर तैयार किया जाएगा प्रस्तावित यूथ प्लान में रोजगार, कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा, अप्रेंटिसशिप, निजी क्षेत्र में रोजगार, स्वरोजगार और उद्यमिता को प्रमुखता देने की योजना है। सरकारी भर्तियों में देरी और अनियमितताओं को कम करने के लिए आरपीएससी और राज्य कर्मचारी चयन बोर्ड के डिजिटल ट्रैकर को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने का प्रस्ताव है। इसमें हर भर्ती की पूरी समयरेखा यानी रिक्ति, विज्ञापन, परीक्षा, परिणाम और नियुक्ति की जानकारी दर्ज की जाएगी। सरकार हर साल सरकारी विभागों की वास्तविक रिक्तियों का एकीकृत भर्ती कैलेंडर जारी करने की दिशा में भी काम कर रही है। इसके अलावा 18 से 30 वर्ष के युवाओं की डिजिटल प्रोफाइल तैयार करने की योजना है।

सोने-चांदी के दाम में लगातार तीसरे दिन गिरावट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच देश में कुछ निजी पेट्रोलियम कंपनियों ने डीजल की बिक्री पर अस्थायी सीमा तय की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जियो-बीपी के कई पंपों पर एक वाहन को एक बार में अधिकतम 50 लीटर डीजल दिया जा रहा है, जबकि नायरा एनर्जी के कुछ पंपों पर 70 से 200 लीटर तक की सीमा रखी गई है। कुछ जियो-बीपी पंपों पर पूरे दिन में 6 हजार लीटर से अधिक डीजल नहीं बेचने का नियम भी बताया गया है। हालांकि, देश के 90 प्रतिशत से अधिक पेट्रोल पंप संचालित करने वाली सरकारी तेल कंपनियों इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के पंपों पर फिलहाल ऐसी कोई सीमा लागू नहीं होने की बात सामने आई है। इससे आम ग्राहकों को सरकारी पंपों पर सामान्य रूप से डीजल मिलने की उम्मीद है।दरअसल, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी ने तेल कंपनियों पर दबाव बढ़ाया है। ब्रेंट क्रूड की कीमत 21 सितंबर को 117.4 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी, जबकि इस साल इसकी औसत कीमत करीब 66 डॉलर प्रति बैरल रही है।

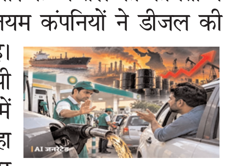

अहमदाबाद ग्रामीण के बोपल पुलिस स्टेशन क्षेत्र में टोरेंट/टोइंग वैन के नाम पर बेखौफ लूट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। ग्रामीण के बोपल पुलिस स्टेशन क्षेत्र से कानून और व्यवस्था को लेकर एक बेहद चौंकाने वाला और रोष फैलाने वाला मामला सामने आया है। ट्रैफिक नियमों के नाम पर चल रही मनमानी अब सारी हदें पार कर चुकी है, जहां ऐसा लग रहा है कि आम जनता पर कोड़े बरसाए जा रहे हैं। घटना यह है कि बोपल पुलिस स्टेशन क्षेत्र में बिना किसी जिम्मेदार पुलिसकर्मी के केवल एक टोइंग वैन खुलेआम घूम रही है। इस वैन के साथ कोई भी पुलिस अधिकारी या कर्मचारी मौजूद नहीं है, लेकिन कुछ प्राइवेट लोग सरेआम सड़क पर दौड़ती और चलती आम जनता की कारों के फोटोग्राफ्स क्लिक कर रहे हैं। जब जागरूक नागरिकों द्वारा इस अवैध गतिविधि के खिलाफ सवाल उठाया गया और पूछताछ की गई, तो इन प्राइवेट लोगों ने रौब जमाते हुए चौंकाने वाला जवाब दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि बोपल पुलिस स्टेशन के दिग्वीजयसिंह नामक हेड कांस्टेबल ने उन्हें फोटो खींचने और जुर्माना वसूलने की शक्ति दी है! सवाल यह उठता है कि क्या पुलिस विभाग अब अपनी शक्तियां प्राइवेट एजेंटों या व्यक्तियों को बांट रहा है? क्या इस तरह कानून हाथ में लेने की छूट दी जा सकती है? खास बात तो यह है कि बोपल पुलिस स्टेशन के ठीक बाहर ही काली फिल्म (काले कांच) वाली और अवैध गाड़ियां बेखौफ खड़ी रहती हैं, लेकिन इन प्राइवेट लोगों या टोइंग वैन वालों की इतनी हिम्मत नहीं होती कि वे पुलिस स्टेशन के बाहर खड़ी ऐसी गाड़ियों के फोटो खींच सकें। कानून के रखवालों की नजरों के सामने ही नियमों की धज्जियां उड़ती हैं, लेकिन उनकी तरफ आंखें मूंद ली जाती हैं। जब आम जनता की बारी आती है, तब यही लोग अकड़ और रौब के साथ सड़कों पर उतर आते हैं। यहां सबसे बड़ा और जायज सवाल यह खड़ा होता है कि आम जनता पर कानून का डर दिखाने वाले ये लोग या उनके कारिंदे क्या खुद कानून से ऊपर हैं? जो प्राइवेट लोग गाड़ियों में घूमकर जनता के फोटो खींचते हैं.

पानी की टंकी से मिला मानव कंकाल, AMC कर्मचारी की सतर्कता से पुलिस को दी गई सूचना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर से एक बेहद चौंकाने वाली और डरावनी घटना सामने आई है, जिसके कारण पूरे इलाके में भारी चर्चा और सनसनी फैल गई है। शहर के मध्य में स्थित असरवा इलाके में बनी पानी की टंकी से अचानक एक मानव कंकाल मिलने से हड़कंप मच गया है। जिस पानी का इस्तेमाल लोग पीने के लिए करते हैं या जिस टंकी के साथ नागरिकों की स्वास्थ्य सुरक्षा जुड़ी हुई है, ऐसी पानी की टंकी से मानव कंकाल निकलना प्रशासन की बड़ी लापरवाही और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। घटना की जानकारी के मुताबिक, म्युनिसिपल कॉरपोरेशन के एक कर्मचारी द्वारा टंकी की सफाई या निरीक्षण के दौरान यह भयानक दृश्य देखा गया था। AMC के इस कर्मचारी ने तुरंत अपनी कर्तव्यनिष्ठा और सतर्कता दिखाते हुए स्थानीय पुलिस को इस बारे में फौरन सूचना दी। कर्मचारी की सूझबूझ के कारण ही यह मामला सामने आ पाया, वरना न जाने कितने दिनों तक यह रहस्य दबा रहता। सूचना मिलते ही शाहीबाग पुलिस स्टेशन का काफिला तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गया। पुलिस ने असरवा पानी की टंकी से मिले इस मानव कंकाल को अपने कब्जे में लेकर आगे की वैज्ञानिक जांच के लिए FSL (फॉरेन्सिक साइंस लेबोरेटरी) भेज दिया है। फिलहाल पुलिस ने प्राथमिक चरण में आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज करके गहन जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। सवाल यह उठता है कि आखिर यह मानव कंकाल पानी की टंकी तक कैसे पहुंचा? क्या किसी की हत्या करके लाश को यहां छुपाया गया था या फिर यह कोई गंभीर रहस्यमयी साजिश है? यह टंकी सुरक्षित होने के बावजूद इसमें कोई अनजान व्यक्ति कैसे प्रवेश कर गया या मृतदेह अंदर कैसे पहुंचा, यह एक बहुत बड़ा भेद है। शाहीबाग पुलिस और FSL की टीम इस मामले की गहराई से जांच कर रही है।

अहमदाबाद के विकासपथ पर एक और मील का पत्थरः सीएम भूपेंद्र पटेल के कर-कमलों से वाडज ओवरब्रिज का लोकार्पण

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात की आर्थिक राजधानी और महानगर अहमदाबाद में इंफ्रास्ट्रक्चर और ट्रैफिक प्रबंधन को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। अहमदाबाद शहर के भीड़भाड़ और व्यस्त माने जाने वाले वाडज इलाके के नवनिर्मित ओवरब्रिज का लोकार्पण राज्य के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल जी के कर-कमलों द्वारा बेहद उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

लंबे समय से प्रतीक्षित इस ओवरब्रिज के शुरू होने से स्थानीय रहवासियों और रोजाना आवाजाही करने वाले हजारों वाहन चालकों के चेहरों पर खुशी की लहर छा गई है। वाडज और उसके आसपास का इलाका हमेशा भारी वाहनों की आवाजाही और पीक आवर्स में लगने वाले ट्रैफिक जाम के लिए जाना जाता था। जिसके कारण नौकरीपेशा लोगों, छात्रों और व्यापारियों का कीमती समय बर्बाद होता था और ईंधन का भी भारी अपव्यय होता था। इस समस्या का स्थायी समाधान लाने के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित इस ओवरब्रिज का निर्माण किया गया है। इस ब्रिज के शुरू होने से वाहन चालक अब सिग्नल-फ्री यात्रा का आनंद ले सकेंगे और ट्रैफिक के झंझट से मुक्त होकर तय समय पर अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगे। वाडज ओवरब्रिज के लोकार्पण के अवसर पर गुजरात सरकार और संगठन के कई दिग्गज नेता व पदाधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। दर्शनाबेन, अहमदाबाद महानगर अध्यक्ष श्री प्रेरकभाई शाह, मेयर श्री हितेश बारोट, स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन श्री कमलेश पटेल सहित क्षेत्र के विधायकगण और कॉरपोरेटरों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

केमिकल वाले जहरीले पानी से त्राहिमाम पुकारती जनता के बीच पिंटू कोली हुए आक्रामक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। जिले के धोलका क्षेत्र से एक बेहद चिंताजनक और रोषपूर्ण रिपोर्ट सामने आई है, जहां अन्नदाता किसान अपनी जान बचाने के लिए सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करने को मजबूर हो गए हैं। धोलका के गांवों में कुछ गैर-जिम्मेदार उद्योगों द्वारा खुलेआम केमिकल वाला जहरीला पानी छोड़ा जा रहा है। जिसके कारण उपजाऊ कृषि भूमि बर्बाद हो रही है, पीने का पानी प्रदूषित हो चुका है और स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा मंडराने लगा है। इस भयानक स्थिति के खिलाफ पिछले 34 दिनों से किसान लगातार आंदोलन कर रहे हैं, इसके बावजूद सरकार द्वारा कोई भी ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। किसान पिछले 34 दिनों से अपने अधिकारों और जीवन की रक्षा के लिए लड़ रहे हैं, लेकिन सरकारी तंत्र द्वारा इस मामले में कोई सुध नहीं ली गई है। इस बड़ी लापरवाही को देखकर स्थानीय नेताओं और किसानों में भारी गुस्सा है। इस आंदोलन को समर्थन देते हुए पिंटू कोली बेहद आक्रामक मूड में नजर आए। उन्होंने सरकार को घेरते हुए कड़ा सवाल किया कि, क्या यह सरकार सिर्फ उद्योगपतियों की ही है? यदि आम किसानों के जीवन की कोई कीमत नहीं है, तो चुनाव के समय नेता क्यों किसानों से वोट मांगने के लिए आते हैं? क्या वोट लेते वक्त ही किसान याद आते हैं और मुश्किल समय में उन्हें भगवान भरोसे छोड़ दिया जाता है? धोलका के गांवों में छोड़े जा रहे इस जहरीले पानी के कारण लोगों के जीवन के साथ सीधा खिलवाड़ किया जा रहा है। यदि जल्द से जल्द यह जहरीला पानी बंद नहीं हुआ और किसानों को न्याय नहीं मिला, तो यह आंदोलन और अधिक उग्र रूप ले लेगा। जनता के स्वास्थ्य और अन्नदाताओं के हितों की बलि देकर चलने वाली यह लापरवाही आखिर कब रुकेगी?

सूरत के पल्साना CETP का महा-पाप

सीईटीपी की निगरानी कठघरे में...

नियमों की धज्जियां उड़ाकर बिना ट्रीटमेंट का जहरीला केमिकल सीधे मिंडोला नदी में घोला जा रहा है

सूरत की जीवनदायिनी को सुनियोजित तरीके से 'मौत का नाला' बना रहे हैं भ्रष्ट कारखानेदार

औद्योगिक इलाके में पर्यावरण संकट

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

सूरत। सूरत के औद्योगिक गलियारे से एक ऐसा सनसनीखेज और पर्यावरण को हिलाकर रख देने वाला सनसनीखेज मामला सामने आया है, जो इंसानियत और प्रकृति के मुंह पर एक करारा तमाचा है। सूरत के पॉश और इंडस्ट्रियल हब कहे जाने वाले पल्साना इलाके में स्थित कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट के नाम पर जनता की आंखों में धूल झों?ने का घिनौना खेल बेखौफ चल रहा है। यहां नियमों, कानूनों और पर्यावरण सुरक्षा के मानकों को ताक पर रखकर, बिना किसी पर्याप्त या नाममात्र के ट्रीटमेंट के, कारखानों का जहरीला और अत्यंत प्रदूषित केमिकल युक्त पानी धड़ल्ले से खुले नालों में उड़ेला जा रहा है। सबसे खतरनाक और खौफनाक सच्चाई यह है कि यह जहरीला नाला आगे जाकर सीधे तौर पर 'मिंडोला नदी' में समाहित होता है, जिससे यह साफ साबित होता है कि नदी को जहर के मुहाने पर धकेलने का यह गंदा खेल इसी CETP से शुरू होता है।

जहरीले केमिकल का प्रलयः भूजल स्तर बर्बाद, जलीय जीव और मवेशी मौत के मुंह में फैक्ट्रियों और डाइंग यूनिट्स से निकलने वाले खतरनाक रंगों, एसिड और केमिकल से भरे अपशिष्ट को बिना किसी मानक प्रक्रिया के यूं खुलेआम जलस्रोतों में बहा देना प्रकृति के खिलाफ एक अक्षम्य अपराध है। इस जहरीले पानी के कारण मिंडोला नदी का पानी अपना प्राकृतिक रूप खो चुका है और अब वह बदबूदार काले जहर के समंदर में बदल गया है।

भूजल की तबाहीः इस गंदे पानी के रिसने से आसपास के गांवों का बोरवेल और जमीन के नीचे का पानी पूरी तरह दूषित हो चुका है, जिसे पीने से लोग गंभीर बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं।

कृषि और पर्यावरण का नाशः नदी के पानी से सिंचाई होने के कारण उपजाऊ जमीनें बंजर होती जा रही हैं, और खेतों में उगने वाली फसलें भी जहरीली बनती जा रही हैं।

बेजुबानों की मौतः पानी में घुलने वाले इस भयानक केमिकल के कारण मिंडोला नदी के जलीय जीव (मछलियां और अन्य जीव) तड़प-तड़प कर दम तोड़ रहे हैं, और पानी पीने वाले बेजुबान मवेशी मौत के आगोश में जा रहे हैं। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और CETP संचालकों की मिलीभगत से चल रहा है यह गोरख सवाल यह उठता है कि क्या गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और स्थानीय प्रशासन को इस

खुलेआम चल रहे पर्यावरणीय आतंकवाद की भनक नहीं है? क्या करोड़ों रुपए की लागत से बने इन CETP प्लांटों का काम केवल कागजों पर खानापूर्ति करना और नियमों की आड़ में उद्योगों को खुली छूट देना रह गया है? अधिकारियों और मिल मालिकों की मिलीभगत के बिना इतना बड़ा जहरीला खेल चलना असंभव है।

औद्योगिक इलाके में पर्यावरण संकट

प्रकृति के साथ खिलवाड़ करने वाले इन सौदागरों और पल्साना CETP के जिम्मेदार भ्रष्ट संचालकों के खिलाफ यदि तुरंत कड़ी आपराधिक धाराओं के तहत कार्रवाई नहीं की गई, तो आने पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी। महानगर मेट्रो न्यूज़ पेपर मांग करता है कि इस पूरे महा-घोटाले की उच्चस्तरीय जांच हो और दोषियों को सलाखों के पीछे धकेला जाए ताकि हमारी जीवनदायिनी नदियों बचाया जा सके!

डीजीपी मलिक ने 'वी सैल्यूट अवर मेंटर्स' कार्यक्रम में की पूर्व अधिकारियों की वंदना

खाकी की गरिमा बढ़ाने वाले 30 से अधिक एक्स-आईपीएस अधिकारियों का भव्य सम्मान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात पुलिस ने अपनी श्रेष्ठ परंपराओं को कायम रखते हुए गांधीनगर स्थित पुलिस भवन में एक बेहद प्रेरणादायक और भव्य 'वी सैल्यूट अवर मेंटर्स' कार्यक्रम का आयोजन किया। राज्य के पुलिस प्रमुख ज्ञानेन्द्र सिंह मलिक ने इस अवसर पर महत्वपूर्ण बात करते हुए कहा कि वरिष्ठ मार्गदर्शकों को नमन और उनके योगदान के प्रति आभार व्यक्त करने के उद्देश्य से इस अनोखी पहल की शुरुआत पूर्व डीजीपी विकास सहाय द्वारा की गई थी। किसी भी पुलिस अधिकारी के पूरे करियर में प्रोबेशन और ट्रेनिंग का दौर आधारशिला साबित होता है, और उस दौरान मेंटर्स से मिली सीख तथा संस्कार ही अधिकारी की आगे की सभी सफलताओं का मुख्य चालक बल बनते हैं। इस विशेष समारोह में खाकी वर्दी की गरिमा को उज्ज्वल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सेवानिवृत्त डीजीपी और एडीजीपी रैंक के 30 से अधिक अधिकारियों का आदरपूर्वक सम्मान किया गया। गांधीनगर पुलिस भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में राज्य के वर्तमान डीजीपी सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने उपस्थित रहकर सभी सेवानिवृत्त अधिकारियों को पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर डीजीपी जी. एस. मलिक ने अपने अतीत को याद करते हुए साबरकांठा के हिम्मतनगर स्थित अपने प्रोबेशन काल का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों राजन प्रियदर्शी और पी. बी. गोंदिया के मार्गदर्शन और योगदान की सराहना की। उन्होंने बताया कि फील्ड ट्रेनिंग के दौरान नियमित रूप से अंग्रेजी में वीकली डायरी लिखने का आग्रह, नाइट पेट्रोलिंग की पद्धति, अनुपस्थित कर्मचारियों के बयान खुद लेना तथा जन शिकायतों का संवेदनशीलता से निवारण करने जैसे गुण उन्हें इन मेंटर्स से सीखने को मिले थे। इसके अलावा, जूनागढ़ में ट्यूनिक यूनिफॉर्म और

तत्कालीन आईजी गुरदयाल सिंह की इंस्पेक्शन परेड से अनुशासन और लाइन जांच का वास्तविक महत्व समझ में आया था। प्रांतिज में एएसपी के रूप में पुलिस स्टेशन के संचालन और पंचायत चुनाव के दौरान उत्कृष्ट चुनावी प्रबंधन का प्रशिक्षण मिलने की बात भी उन्होंने साझा की। बाद में पोरबंदर में राजन प्रियदर्शी के इंस्पेक्शन के समय त्रुटिहीन परेड देकर उनकी विशेष प्रशंसा प्राप्त करने की यादों को भी उन्होंने ताजा किया।

शक्तिपीठ अंबाजी में चल रहे भद्रवी महाकुंभ के स्वास्थ्य विभाग ने यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष व्यवस्था की है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंबाजी। मंदिर के चाचर चौक में भी एक विशेष स्वास्थ्य केंद्र शुरू किया गया है, जहां हर दिन 1500 से अधिक भक्त इलाज और स्वास्थ्य जांच का लाभ उठा रहे हैं।

इसके अलावा, हर दिन लगभग 50 आपातकालीन रोगियों को प्राथमिक उपचार प्रदान करने के बाद आगे के इलाज के लिए रेफर किया जा रहा है। दूर-दूर से पैदल आने वाले भक्तों को यदि कोई स्वास्थ्य समस्या होती है, तो स्वास्थ्य विभाग द्वारा तत्काल उपचार प्रदान किया जाता है। विभिन्न डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की टीमें लगातार 24म7 काम कर रही हैं। अब तक मेले के दौरान 27 स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से 2 लाख से अधिक भक्तों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया है। अगर किसी भक्त को मंदिर परिसर में कोई दिक्कत होती है, तो सबसे पहले मंदिर के हेल्थ सेंटर में उनकी जांच की जाती है और अगर ज़रूरी हुआ, तो उन्हें 108 एम्बुलेंस से अंबाजी कॉटेज हॉस्पिटल में शिफ्ट किया जाता है। भक्तों को सबसे अच्छी हेल्थ सुविधाएं मिलें, इसके लिए जिला प्रशासन और जिला हेल्थ डिपार्टमेंट ने सभी ज़रूरी इंतज़ाम किए हैं। इसके अलावा, अंबाजी, हदाद और दांता सरकारी अस्पतालों में भी स्पेशल डॉक्टरों की टीमें तैनात की गई हैं।

छोटे भाई की गला दबाकर हत्या कर शव तालाब में फेंका; पुलिस ने भेद सुलझाकर बड़े भाई को दबोचा

भाई-भाई के पवित्र रिश्तों को शर्मसार करने वाला डभोई के साठोद गांव का सनसनीखेज मामला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। गुजरात में इंसानियत को झकझोर देने वाला और खून के रिश्तों को कलंकित करने वाला एक बेहद चौंकाने वाला मामला डभोई तालुका के साठोद गांव से सामने आया है। सामान्य सी बात पर शुरू हुए विवाद ने ऐसा खौफनाक रूप ले लिया कि जिस भाई को छोटे भाई की रक्षा करनी चाहिए थी, उसी सगे बड़े भाई ने बेरहमी से उसकी हत्या कर दी और शव को तालाब में फेंक दिया! 'पाक्का गुजरात' अखबार के लिए इस घटना की विस्तृत क्राइम रिपोर्ट प्रस्तुत है। घटना/खुलासे की तारीखः 23 सितंबर। क्या है पूरा मामला? भोई तालुका के साठोद गांव के तालाब से बीते 23 सितंबर के दिन एक अज्ञात लावारिस शव मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया था। जब ग्रामीणों ने तालाब में हाथ-पैर बंधी हुई हालत में शव देखा, तो तुरंत डभोई पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए शव को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में जो खुलासा हुआ, उसने पुलिस के भी होश उड़ा दिए। रिपोर्ट से साफ हो गया कि मृतक की मौत सामान्य रूप से पानी में डूबने से नहीं, बल्कि गले पर फंदा कसकर (गला घोंटकर) की गई हत्या से हुई है।

पुलिस की मास्टर जांच और आरोपी की गिरफ्तारी

हत्या की गंभीरता को देखते हुए डभोई पुलिस ने LCB, SOG और स्थानीय पुलिस की कुशल टीमों को मिलाकर कुल 8 विशेष टीमें मैदान में उतार दी थीं। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और ह्यूमन इंटेलिजेंस (गुप्त स्रोतों) की मदद से मृतक की पहचान गुरुशरण उर्फ ??भीमो तडवी के रूप में की।

पुलिस ने अपनी जांच का दायरा मृतक के परिवार की ओर मोड़ा और उसके भाई-भाभी से सघन पूछताछ शुरू की। इस दौरान मृतक के बड़े भाई महेश तडवी से जब सख्ती से पूछताछ की गई, तो उसने पुलिस के सामने जुर्म से जुड़े सारे काले राज उगल दिए। आरोपी महेश ने पुलिस के सामने कबूल किया कि मृतक गुरुशरण अविवाहित था और अपने परिवार के साथ ही रहकर गुजारा कर रहा था। वह आए दिन खाने-पीने की बात को लेकर अपने भाई और भाभी के साथ छोटी-छोटी बातों पर झगड़ा करता रहता था। 23 सितंबर के दिन भी घर में खाने को लेकर गुरुशरण ने जोरदार हंगामा और विवाद किया था। इस आए दिन की कलह और गुस्से से बौखलाए बड़े भाई महेश का पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया और उसने आवेश में आकर अपने ही सगे छोटे भाई का गला घोंटकर उसे मौत के घाट उतार दिया भाई की हत्या करने के बाद भी आरोपी का पाप कम नहीं हुआ। आसपास के लोगों को भनक तक न लगे, इसके लिए वह रात के अंधेरे का इंतजार करता रहा।

फिलहाल डभोई पुलिस ने साठोद गांव की नवीनगरी में रहने वाले आरोपी महेश तडवी को गिरफ्तार कर लिया है और हत्या के जुर्म में उसे सलाखों के पीछे भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि कोर्ट से आरोपी के रिमांड लिए जाएंगे और घटनास्थल पर ले जाकर री-कंस्ट्रक्शन (घटना का पुनर्निर्माण) कराया जाएगा। साथ ही, 100 मीटर दूर शव को ले जाने में इस अमानवीय कृत्य में किसी अन्य ने मदद की थी या नहीं, इस दिशा में भी गहराई से जांच की जा रही है।

नेशनल हाईवे 56 पर रात में घूमते हैं अजगर गाड़ी चलाने वाले और लोकल लोग परेशान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटाउदेपुर। जिले से गुजरने वाले नेशनल हाईवे नंबर 56 पर पिछले कुछ दिनों से रात में सड़क पर बड़े-बड़े अजगर आने की घटनाएं चिंताजनक रूप से बढ़ गई हैं। रात के घने अंधेरे में मेन रोड पर अजगरों के घूमने से लोकल लोगों, पैदल चलने वालों और गाड़ी चलाने वालों में काफी डर और घबराहट है। जंगल वाला इलाका और नमी वाला मौसम होने की वजह से सड़क पर रेंगने वाले जानवर, छोटाउदेपुर जिला घने जंगलों और पहाड़ी इलाकों से घिरा हुआ है।

मानसून के मौसम में और रात में, अजगर डामर की सड़कों पर बची गर्मी पाने या खाने की तलाश में जंगल वाले इलाके से निकलकर सीधे नेशनल हाईवे पर पहुंच जाते हैं। 8 से 12 फीट लंबे ये बड़े-बड़े अजगर अक्सर सड़क के बीच में बैठे रहते हैं, जिससे रात में वहां से गुजरने वाले गाड़ी चलाने वालों की सांस फूल जाती है। रात के समय हाईवे पर भारी गाड़ियां, चार पहिया वाहन और बाइक वाले तेज स्पीड से गुजरते हैं। अंधेरे में जब अचानक सड़क पर अजगर दिखाई देता है, तो गाड़ी वाले अचानक ब्रेक लगा देते हैं, जिससे बड़े हादसे होने की संभावना बहुत ज्यादा रहती है।

सेवा संकल्प अभियान छोटाउदेपुर में लोगों के बीच यातायात जागरूकता पैदा करने के लिए पुलिस और आरटीओ विभाग द्वारा एक विशाल मोटरसाइकिल रैली का आयोजन किया गया

अहमदाबाद के श्रेयस ब्रिज के नीचे ट्रैफिक जाम से जनता त्राहिमाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद. यातायात नियमों और वाहन प्रथाओं के बारे में जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के महान उद्देश्य के साथ 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत छोटाउदेपुर में एक भव्य मोटरसाइकिल रैली का आयोजन किया गया। जागरूकता रैली की शुरुआत जिला पुलिस अधीक्षक (एस.पी.) कार्यालय से की गई. जिसमें बड़ी संख्या में पुलिस विभाग, आरटीओ विभाग, टीआरबी (यातायात ब्रिगेड) और जीआरडी (ग्राम रक्षक दल) के अधिकारी और जवान अपने वाहनों के साथ उत्साहपूर्वक शामिल हुए. एस.पी. इसी माह कार्यालय से चले गये। रैली छोटाउदेपुर शहर के विभिन्न मुख्य मार्गों और चौराहों से होकर गुजरी. रैली के दौरान नागरिकों को हेलमेट पहनने, ओवरस्पीडिंग न करने, सीट बेल्ट लगाने और यातायात संकेतों का पालन करने जैसे महत्वपूर्ण नियमों के बारे में जागरूक किया गया।

SOG और दिल्ली पुलिस का मेगा और घातक संयुक्त ऑपरेशन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात और देश भर में हाहाकार मचाने वाले कुख्यात गैंग्स के खिलाफ अब सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस ने शिकंजा और अधिक कस दिया है। अहमदाबाद शहर के पॉश माने जाने वाले वेजलपुर इलाके से क्राइम ब्रांच, स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप और दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम द्वारा एक बेहद खतरनाक, सुनियोजित और सनसनीखेज संयुक्त ऑपरेशन को अंजाम दिया गया है। इस रेड के दौरान कुख्यात अंतरराष्ट्रीय गैंगस्टर गोल्डी बराड़ गैंग के मोस्ट वांटेड और खतरनाक ऑपरेटिव ऐसे 'आारिफ उर्फ पिस्तौल' को पुलिस ने पकड़ने में बड़ी सफलता हासिल की है। इस गिरफ्तारी से आपराधिक जगत में बड़ा भूचाल आ गया है। पकड़ा गया कुख्यात आरोपी आारिफ उर्फ पिस्तौल कोई आम अपराधी नहीं है, बल्कि वह अपराध की दुनिया का एक बड़ा और खतरनाक मोहरा है। उसकी के खिलाफ हत्या का प्रयास खुलेआम फायरिंग करना, बड़े पैमाने पर रंगदारी वसूलना और गन कल्चर को बढ़ावा देने जैसे अनगिनत गंभीर अपराध राज्य और देश के अलग-अलग पुलिस स्टेशनों में दर्ज हैं। कुल मिलाकर 11 जितने गंभीर मामलों में वह लंबे समय से वांटेड था और पुलिस रिकॉर्ड में फरार चल रहा था। उसकी आपराधिक गतिविधियां इस हद तक बढ़ चुकी थीं कि सुरक्षा एजेंसियों की छोटी-बड़ी तमाम टीमें उसके पीछे पड़ी हुई थीं। गोल्डी बराड़ सिंडिकेट के लिए ऑपरेशनल काम और दुबई से चलने वाले रंगदारी रैकेट का पर्दाफाश प्राथमिक जांच में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं कि आारिफ सिर्फ एक शूटर नहीं था, बल्कि वह गोल्डी बराड़ और लॉरेन्स बिश्नोई जैसे कुख्यात सिंडिकेट के लिए मुख्य ऑपरेशनल हैंडलर के रूप में काम करता था। वह देश-विदेश में बैठे गैंगस्टरों के इशारे पर भारत में बड़े उद्योगपतियों, व्यापारियों और रईसों को निशाना बनाकर दुबई और अन्य विदेशी नंबरों से धमकी भरे फोन कॉल करवाने और आतंक फैलाने में मदद करता था। यही नहीं, बंदूक के जोर पर बड़े पैमाने पर रंगदारी वसूलकर गैंग को वित्तीय फंड मुहैया कराने के नेटवर्क में भी उसकी सक्रिय भूमिका होने की बात सामने आई है।

अहमदाबाद में अब ट्रैफिक नियम तोडना पड़ेगा भारी, पुलिस कमिश्नर मैदान में उतरे

रॉन्ग साइड वाहन चलाने वालों पर दर्ज होंगे सीधे मुकदमे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में ट्रैफिक की अनियमितता और बेलगाम वाहन चालकों के खिलाफ अहमदाबाद शहर पुलिस ने अब आर-पार की लड़ाई का मूड बना लिया है। सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के कुरुष्टिपूर्ण पालन को लेकर पुलिस ने एक बड़ा और प्रभावशाली जागरूकता अभियान शुरू किया है, जिसकी शुरुआत नवरंगपुरा स्टेडियम से एक भव्य बाइक रैली निकालकर की गई। इस घातक और जोरदार अभियान की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि केवल सामान्य कर्मचारी ही नहीं, बल्कि खुद पुलिस कमिश्नर अनुपमसिंह गहलोत भी बाइक पर सवार होकर रैली में शामिल हुए और शहर में सुरक्षित यातायात का स्पष्ट संदेश दिया। नवरंगपुरा स्टेडियम से शुरू हुई यह लगभग चार किलोमीटर लंबी बाइक रैली में भारी संख्या में पुलिस अधिकारी और जवान जुड़े। रैली के मार्ग पर विभिन्न आकर्षक और जन-जागरूकता फैलाने वाले पोस्टर प्रदर्शित किए गए, जिसके जरिए नागरिकों से ट्रैफिक नियमों को जीवन का मंत्र बनाने की अपील की गई। रैली के शुभारंभ से पहले सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने यातायात नियमों का आजीवन पालन करने के साथ-साथ सड़क दुर्घटना के समय बिना किसी हिचकिचाहट के घायलों को तुरंत मदद पहुंचाने की सामूहिक शपथ ली। खाकी वर्दी वालों ने पहले खुद नियमों का पालन करने का संकल्प लेकर जनता के सामने एक बेहतरीन मिसाल पेश की है। दूसरी ओर, पुलिस ने अब सख्त रुख अपनाने की पूरी तैयारी कर ली है। शहर पुलिस ने अलग-अलग इलाकों में सर्वे करके ऐसे सभी चौराहों और मार्गों की सूची तैयार की है जहाँ सबसे अधिक ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन होता है। खासकर जो वाहन चालक जान जोखिम में डालकर रॉन्ग साइड वाहन चलाते हैं, उन्हें अब बख्शा नहीं जाएगा। नागरिकों को पहले ट्रैफिक नियमों को समझने और अपनी आदतें सुधारने के लिए पर्याप्त समय दिया गया था, लेकिन अब धीरज का बांध टूट चुका है। आने वाले समय में जो भी वाहन चालक अपनी या अन्य राहगीरों की जिंदगी खतरे में डालेगा, उसके खिलाफ ट्रैफिक पुलिस की

ओर से केवल सामान्य जुर्माना नहीं, बल्कि सीधे आपराधिक मुकदमे दर्ज करने सहित बेहद कड़े कानूनी कदम उठाए जाएंगे। अहमदाबाद में अब ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करने वालों की खैर नहीं है।

सैज ब्रिज के पास हिट-एंड-रन में गिफ्ट सिटी के इंजीनियर की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गिफ्ट सिटी में मैकेनिकल इंजीनियर का काम करने वाले 24 साल के एक युवक की अहमदाबाद-मेहसाणा हाईवे पर सैज ब्रिज पर चढ़ते समय हुए सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। काम खत्म करके बाइक से घर लौट रहे युवक को पीछे से एक अनजान गाड़ी ने टक्कर मार दी और एक्सीडेंट करके भाग गया। गिफ्ट सिटी से घर लौटते समय एक गाड़ी ने पीछे से टक्कर मारी कड़ी में डेट्रोज रोड पर मंगलम सोसाइटी के पास रहने वाले और फैब्रिकेशन का बिजनेस करने वाले मुकेशभाई पांचाल का बड़ा बेटा भाविक पिछले डेढ़ साल से गिफ्ट सिटी में काम कर रहा था। 23 सितंबर को शाम को भाविक अपनी बाइक से काम से कड़ी घर लौट रहा था। इसी दौरान हाईवे पर सैज ब्रिज पर चढ़ते समय एक अनजान ड्राइवर ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए भाविक की बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। परिवार में दुख की लहर, कलोल पुलिस ने जांच शुरू कर दी है टक्कर लगते ही भाविक सड़क पर गिर गया, उसके सिर में गंभीर चोटें आईं और छाती में कट लग गया, और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही कलोल तालुका पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और बॉडी को कलोल सिविल हॉस्पिटल भेजा। खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है।

29 पुराने कानूनों को मिलाकर 4 नए लेबर कोडः छोटे अपराधों में क्रिमिनल प्रोविज़न हटाए जाएंगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। नए लेबर कानूनों को लेकर लेबर और एम्प्लॉयमेंट डिपार्टमेंट की तरफ से गांधीनगर में एक अवेयरनेस प्रोग्राम ऑर्गनाइज़ किया गया। प्रोग्राम की अध्यक्षता लेबर और एम्प्लॉयमेंट मिनिस्टर कुंवरजी बावलिया ने की और इसमें राज्य मंत्री कांतिलाल अमृतिया के साथ लेबर डिपार्टमेंट के अधिकारी और अलग-अलग इंडस्ट्री एसोसिएशन के रिप्रेजेंटेटिव शामिल हुए। प्रोग्राम में नए चार लेबर कोड के प्रोविज़न, वर्कर्स की सेफ्टी, सोशल सिक्योरिटी और इंडस्ट्रीज़ के लिए आसान प्रोसीजर पर चर्चा हुई। लेबर, स्किल डेवलपमेंट और एम्प्लॉयमेंट सेक्रेटरी लोचन सहेरा ने कहा कि लगभग 29 पुराने लेबर कानूनों को मिलाकर चार नए लेबर कोड तैयार किए गए हैं। नए कानूनों में कम्प्लायंस को आसान बनाने के अलावा, छोटे अपराधों में क्रिमिनल प्रोविज़न हटाने और सुलह का प्रोसेस अपनाने पर ज़ोर दिया गया है। सेक्रेटरी ने कहा कि आने वाले समय में लेबर डिपार्टमेंट और इंडस्ट्री के बीच कोऑर्डिनेशन बढ़ाने के लिए पोर्टल पर अलग-अलग सर्विसेज़ और प्रोसेस को पूरी तरह ऑनलाइन करने का काम किया जा रहा है। ऑनलाइन प्रोसेस से कामकाज में ट्रांसपेरेंसी बढ़ेगी और इंडस्ट्रीज़ के लिए प्रोसेस आसान और तेज़ होगा। लोचन साहेरा ने इंडस्ट्रीज़ में काम करने वाले वर्कर्स की सेफ्टी को गंभीर मामला बताया। उन्होंने कहा कि राज्य में जानलेवा इंडस्ट्रियल एक्सीडेंट्स की संख्या कम करने के लिए इंडस्ट्रीज़ का प्रोएक्टिव होना और सेफ्टी नियमों का सख्ती से पालन करना ज़रूरी है। मिनिस्टर कुंवरजी

बावलिया ने कहा कि सालों पुराने मुश्किल कानूनों को मिलाकर तैयार किए गए चार नए लेबर कानून इंडस्ट्रियलिस्ट और वर्कर्स दोनों के लिए फायदेमंद होंगे। नए कानूनों में वर्कर्स की सेफ्टी, काम की जगह पर सही माहौल, पीने का साफ पानी, सैलरी और सोशल सिक्योरिटी जैसे मामलों को प्राथमिकता दी गई है।

बनासकांठा के दियोदर में हिरवाणी आंजणा केलवणी ममंडल की वार्षिक सभा बनी जंग का मैदान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बनासकांठा। जिले के दियोदर क्षेत्र से एक बेहद शर्मनाक, दुखद और झकझोर कर रख देने वाली घटना सामने आ रही है, जिसे लेकर सामाजिक गलियारों में भारी खलबली मच गई है। दियोदर स्थित नामी संस्था 'हिरवाणी आंजणा केलवणी ममंडल' की वार्षिक आम सभा के दौरान अचानक ऐसा हाई-वोल्टेज ड्रामा और हंगामा मचा कि पूरी सभा रणक्षेत्र में तब्दील हो गई। सवाल यह खड़ा होता है कि जहां समाज के उत्थान और शिक्षा पर चर्चा होनी चाहिए थी, वहां माइक और पंखे जैसी बेहद मामूली बातों पर इतना उग्र हंगामा और मारपीट जैसी स्थिति क्यों पैदा हो गई? प्राप्त जानकारी के मुताबिक, वार्षिक सभा की कार्यवाही चल रही थी, उसी दौरान किसी छोटी सी बात पर शुरू हुई चर्चा उग्र बहसों में बदल गई। बात सिर्फ माइक चालू रखने या पंखे की हवा जैसी बेहद तुच्छ बातों पर नहीं रुकी, बल्कि मामला इतना बिगड़ गया कि सभा में मौजूद कुछ युवाओं और असंतुलित तत्वों ने मर्यादा की सभी हदें पार कर दीं। सभा के पवित्र मंच पर बैठे बुजुर्गों और पदाधिकारियों के साथ अभद्र व्यवहार किया गया, जिसे देखकर वहां मौजूद शांतिप्रिय लोग भी सन्न रह गए। यह विवाद इतना बढ़ गया कि मामला नियंत्रण से बाहर होने पर पुलिस को तुरंत मौके पर बुलाना पड़ा। चर्चाएं यह भी जोरों पर हैं कि क्या यह पुलिस अचानक आई थी या पहले से ही किसी बड़े विवाद की आशंका के चलते प्रोटेक्शन देने के लिए वहां तैनात थी? अगर पुलिस पहले से ही वहां मौजूद थी, तो आखिर किसके बचाव में और किस दबाव के तहत यह बंदोबस्त किया गया था? इस सवाल ने पूरी घटना को और अधिक रहस्यमय और विवादास्पद बना दिया है। समाज और देश के भविष्य रूपी युवाओं को याद रखना चाहिए: बुजुर्गों का सम्मान करना संस्कार है, अपमान नहीं! इस घटना का सबसे खतरनाक और चिंताजनक पहलू यह है कि जिन युवाओं को समाज और देश का भविष्य माना जाता है, उन्हीं ने अपने ही समाज के बुजुर्गों और आदरणीय नेताओं के सामने इस तरह का अपमानजनक व्यवहार किया है। आंजणा चौधरी समाज हमेशा से अपनी परंपरा, मान-सम्मान, बुजुर्गों के आदर और सामाजिक अनुशासन के लिए जाना जाता रहा है। लेकिन, सत्ता की लालसा या अहंकार में अंधे बने कुछ तत्वों ने अपने ही बुजुर्गों की उपस्थिति की लाज नहीं रखी।

28 से 30 सितंबर के बीच बैंकिंग सेवाएं ठप होने की पूरी आशंका UFB द्वारा राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल का ऐलान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। देश भर के बैंक ग्राहकों के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण और चिंताजनक खबर सामने आई है। आने वाले दिनों में अपने बैंक से जुड़े अटके हुए काम या लेन-देन समय पर पूरे कर लीजिएगा, क्योंकि आगामी 28 से 30 सितंबर के दौरान देश भर में बैंकिंग सेवाएं बड़े पैमाने पर प्रभावित हो सकती हैं। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस द्वारा बैंक कर्मचारियों की विभिन्न लंबित मांगों को लेकर राष्ट्रव्यापी हड़ताल का ऐलान किया गया है, जिसकी वजह से आम जनता और व्यापारी वर्ग इन 3 दिनों तक भारी परेशानी में फंस सकते हैं। चेक क्लियरिंग से लेकर सभी वित्तीय कामकाज अटकेंगे प्राप्त जानकारी के अनुसार, UFBU के बैनर तले देश की विभिन्न बैंक यूनियनों ने हड़ताल का शंखनाद किया है। इस हड़ताल के चलते बैंकों के काउंटर पर होने वाले नकदी लेनदेन, लोन मंजूरी, पासबुक अपडेट और सबसे महत्वपूर्ण यानी चेक क्लियरिंग की प्रक्रिया पूरी तरह ठप हो जाएगी। त्योहारी सीजन नजदीक आ रहा है, ऐसे में लगातार तीन दिनों तक बैंक बंद रहने से बाजार में वित्तीय लेन-देन पर सीधा बुरा असर पड़ने की पूरी आशंका है।

SLBC की गंभीर अपील: '25 सितंबर तक अपने सभी जरूरी काम निपटा लें'

आगामी बैंक हड़ताल की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए स्टेट लेवल बैंकर्स कमेटी द्वारा गुजरात की जनता और व्यापारी वर्ग के लिए जरूरी एडवाइजरी जारी की गई है। SLBC ने स्पष्ट रूप से कहा है कि किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने के बैंक खातों के जरूरी काम और एटीएम से जुड़े कामकाज को पूरा कर लेना चाहिए, ताकि हड़ताल के दिनों में आर्थिक संकट का सामना न करना पड़े।

महानगर मेट्रो न्यूज़ पेपर का सीधा सवाल

जब भी बैंक कर्मचारियों की हड़ताल होती है, तब हमेशा आम जनता, छोटे व्यापारी और पेंशनर्स ही सबसे ज्यादा पिसते हैं। बैंकों और यूनियनों के आपसी विवादों या मांगों का शिकार जनता को क्यों बनना पड़े? आगामी तीन दिनों तक एटीएम में नकदी की किल्लत पैदा होने की भी पूरी संभावना है। यदि आपके भी बैंक में कोई जरूरी काम बाकी हैं, तो बिना इंतजार किए आज ही उन्हें पूरा कर लें!

नल कनेक्शन और जलकर भुगतान के दावे पर ग्राम पंचायत दनिया का पलटवार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छुईखदान। ग्राम पंचायत दनिया की जलापूर्ति व्यवस्था से नल कनेक्शन लिए जाने और जलकर भुगतान को लेकर सामने आए विवाद में ग्राम पंचायत ने संबंधित व्यक्ति के दावों पर सवाल उठाते हुए अपना पक्ष स्पष्ट किया है। पंचायत ने प्रकाशित समाचार में प्रस्तुत तथ्यों का खंडन करते हुए कहा है कि पंचायत के उपलब्ध अभिलेखों में संबंधित नल कनेक्शन के लिए जारी अनुमति/स्वीकृति तथा निर्धारित जलकर अथवा जल प्रभार के भुगतान का अभिलेख प्रथमदृष्टया उपलब्ध नहीं है। इसी मामले में ग्राम पंचायत दनिया, जनपद पंचायत छुईखदान की ओर से अश्वनी कुमार निर्मलकर, निवासी रायपुर, छत्तीसगढ़ को 24 सितंबर 2026 को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। नोटिस क्रमांक 01-09/ग्रा.पं./2026 के माध्यम से पंचायत ने उन्हें अपने दावों के समर्थन में अभिलेख प्रस्तुत करने के लिए सात दिवस का समय दिया है। पंचायत के अनुसार, यह जानकारी उसके संज्ञान में आई है कि अश्वनी कुमार निर्मलकर अथवा उनके पिता धीराजी राम, निवासी दनिया, के द्वारा ग्राम पंचायत की जलापूर्ति व्यवस्था से नल कनेक्शन प्राप्त अथवा उपयोग किया जा रहा है। संबंधित व्यक्ति द्वारा नल कनेक्शन के लिए अनुमति प्राप्त होने तथा जलकर/कर भुगतान किए जाने का दावा किए जाने की जानकारी भी पंचायत को मिली है। इन दावों की पुष्टि के लिए पंचायत ने आवेदन की प्रति, नल कनेक्शन की अनुमति/स्वीकृति, जलकर अथवा जल प्रभार एवं कनेक्शन शुल्क की मूल रसीद या प्रमाणित प्रति तथा किसी अन्य विभाग से प्राप्त अनुमति सहित संबंधित दस्तावेज मांगे हैं। ग्राम पंचायत ने जारी नोटिस में संबंधित मामले को लेकर प्रकाशित समाचार का भी उल्लेख किया है। पंचायत का कहना है कि समाचार में अनुमति एवं कर भुगतान संबंधी दावों का उल्लेख किया गया है, इसलिए उन दावों के समर्थन में उपलब्ध दस्तावेज भी प्रस्तुत किए जाएं।पंचायत ने स्पष्ट किया है कि केवल दावा किए जाने के आधार पर अनुमति अथवा भुगतान को पंचायत के अभिलेखों में दर्ज तथ्य नहीं माना जा सकता। संबंधित व्यक्ति को अपने दावे के समर्थन में दस्तावेज प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया है।

छत्तीसगढ़ सर्व समाज संगठन के जिला अध्यक्ष तामेश्वर देवांगन ने स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न मुद्दों को लेकर स्वास्थ्य मंत्री से मुलाकात की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रायपुर। छत्तीसगढ़ सर्व समाज संगठन के राजनांदगांव जिला अध्यक्ष तामेश्वर देवांगन ने प्रदेश अध्यक्ष मेघनाथ यादव के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य मंत्री से सौजन्य मुलाकात की और ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। श्री देवांगन ने मंत्री के समक्ष गांव-गांव में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की जमीनी हकीकत रखी। उन्होंने बताया कि अधिकांश PHC में जन औषधि केंद्र नहीं होने से ग्रामीणों को महंगी दवाइयां बाहर से लेनी पड़ती हैं। साथ ही गर्भवती महिलाओं के लिए सोनोग्राफी, एक्स-रे जैसी प्राथमिक जांच की सुविधा न होने से उन्हें बरसात के दिनों में 30-40 किलोमीटर शहर जाना पड़ता है। उन्होंने विशेष रूप से बरसात के मौसम में सांप-बिच्छू और कुत्तों के काटने की बढ़ती घटनाओं का मुद्दा उठाया और कहा कि ग्रामीण PHC में एंटी स्नेक वेनम, एंटी रेबीज वैक्सीन का स्टॉक अक्सर खत्म रहता है, जिसे भरपूर मात्रा में उपलब्ध कराया जाए। स्वास्थ्य मंत्री ने संगठन की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस अवसर पर संगठन के जिला पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। श्री देवांगन ने कहा कि सर्व समाज संगठन गांव से लेकर शहर तक स्वास्थ्य, शिक्षा, बेरोजगारी और नशा रोकथाम जैसे मुद्दों पर लगातार सरकार को अवगत कराता रहेगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की उग्र मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वायनाड। भारतीय लोकतंत्र और चुनावी प्रणाली को हिलाकर रख देने वाला एक बेहद बड़ा और विस्फोटक विवाद सामने आया है, जिसके कारण देश भर की राजनीति में भूचाल आ गया है। केरल की वायनाड सीट से कांग्रेस की लोकसभा सांसद प्रियंका गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ बेहद आक्रामक तेवर अपनाते हुए कड़ा प्रहार किया है। प्रियंका गांधी ने स्पष्ट शब्दों में मांग की है कि यदि चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर छेड़छाड़ की गई है और मनमाने ढंग से करोड़ों नागरिकों के नाम काटे गए हैं, तो मुख्य चुनाव आयुक्त पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज करके आपराधिक कार्रवाई की जानी चाहिए। चुनाव आयोग द्वारा चलाई गई विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया और मतदाता सूचियों की जांच को लेकर विपक्ष लगातार गंभीर सवाल उठा रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, ड्राफ्ट मतदाता सूचियों से 13 करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम हटाए जाने की बात सामने आने के बाद राजनीतिक पारा चढ़ गया है। इस गंभीर मुद्दे पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि चुनावी और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के साथ खिलवाड़ करना सीधे तौर पर देश के खिलाफ अपराध और देशद्रोह के समान है। जिस पद पर बैठकर संवैधानिक मर्यादाओं का पालन करना होता है, यदि वहां बैठा व्यक्ति खुद चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित होने दे या unfair चुनाव होने दे, तो उसे किसी भी तरह का कानूनी संरक्षण नहीं मिलना चाहिए। यह विवाद तब और गहरा गया जब हाल ही में यह खुलासा हुआ कि चुनाव आयोग के अन्य आयुक्तों द्वारा पिछले कुछ महीनों में आयोग के फैसलों और एस.आई.आर. प्रक्रिया को लेकर कई बार आधिकारिक आपत्तियां दर्ज कराई गई थीं। इन रिपोर्टों की ओर इशारा करते हुए प्रियंका गांधी ने सवाल किया कि जब ये तमाम बातें मुख्य चुनाव आयुक्त के संज्ञान में थीं, इसके बावजूद उन्हें नजरअंदाज कर एकतरफा फैसले लिए गए, तो यह साफ दर्शाता है कि यह सब पूर्व-योजित था। उन्होंने मांग की है कि किसी भी आम अपराधी की तरह मुख्य चुनाव आयुक्त पर भी आपराधिक मुकदमा दर्ज कर कड़ी जांच होनी चाहिए। देश की बुनियादी संस्थाओं से जनता का भरोसा डिगाने वाले इन प्रयासों के खिलाफ अब विपक्षी दल पूरी तरह आक्रामक मूड में आ चुके हैं।

26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। राजनांदगांव 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के शुभारंभ समारोह का आयोजन दिग्विजय स्टेडियम राजनांदगांव के इण्डोर हॉल में किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण वैष्णव ने प्रतियोगिता में शामिल सभी खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि खेल मनोरंजन के साथ-साथ जीवन में आगे बढ़ने के अवसर भी प्रदान करती हैं। खेलों के माध्यम से खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर क्षेत्र एवं जिले का नाम रोशन करते हैं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। साथ ही कोच एवं आयोजकों को अपने दायित्वों का निर्वहन निष्पक्षपूर्वक करने कहा। अध्यक्ष जिला क्रिकेट संघ सुशील कोठारी ने समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सभी खिलाड़ी अपने खेल क्षेत्र से उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए छत्तीसगढ़ का नाम देश-विदेश में रोशन करें। उन्होंने प्रतिभागियों को खेल एवं स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान की। जिला शिक्षा अधिकारी एवं संगठन सचिव 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता प्रवास कुमार सिंह बघेल ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रदेश के सभी 5 संभाग बस्तर, बिलासपुर, सरगुजा, रायपुर एवं मेजबान दुर्ग से 220 बालक एवं 300 बालिका कुल 520 प्रतिभागी एवं 100 ऑफिसियल्स सम्मिलित हुए हैं। प्रतियोगिता में हॉकी (बालक-बालिका 17 वर्ष), योगा (बालक-बालिका 14, 17, 19 वर्ष), बैडमिंटन (बालक-बालिका 14 वर्ष), क्रिकेट (बालक 19 वर्ष) खेलों का आयोजन होगा। बैडमिंटन, योगा एवं क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन दिग्विजय स्टेडियम एवं हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन श्री गुरूनानक स्कूल में आयोजित किया जाएगा। समारोह में रॉयल किड्स कान्वेंट स्कूल राजनांदगांव के विद्यार्थियों द्वारा स्वागत गीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर उपाध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती किरण साहू, अध्यक्ष जनपद पंचायत राजनांदगांव श्रीमती प्रतिमा चन्द्राकर, पार्षद श्रीमती प्रियंका कुरंजेकर, फील्ड मार्शल शैलेन्द्र तिवारी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी, प्रतिभागी खिलाड़ी, कोच एवं खेल प्रेमी उपस्थित थे।

नेशनल हाईवे 56 पर रात में घूमते हैं अजगर; गाड़ी चलाने वाले और लोकल लोग परेशान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटाउदेपुर। जिले से गुजरने वाले नेशनल हाईवे नंबर 56 पर पिछले कुछ दिनों से रात में सड़क पर बड़े-बड़े अजगर आने की घटनाएं चिंताजनक रूप से बढ़ गई हैं। रात के घने अंधेरे में मेन रोड पर अजगरों के घूमने से लोकल लोगों, पैदल चलने वालों और गाड़ी चलाने वालों में काफी डर और घबराहट है। जंगल वाला इलाका और नमी वाला मौसम होने की वजह से सड़क पर रेंगने वाले जानवर, छोटाउदेपुर जिला घने जंगलों और पहाड़ी इलाकों से घिरा हुआ है। मानसून के मौसम में और रात में, अजगर डामर की सड़कों पर बची गर्मी पाने या खाने की तलाश में जंगल वाले इलाके से निकलकर सीधे नेशनल हाईवे पर पहुंच जाते हैं। 8 से 12 फीट लंबे ये बड़े-बड़े अजगर अक्सर सड़क के बीच में बैठे रहते हैं, जिससे रात में वहां से गुजरने वाले गाड़ी चलाने वालों की सांस फूल जाती है। रात के समय हाईवे पर भारी गाड़ियां, चार पहिया वाहन और बाइक वाले तेज स्पीड से गुजरते हैं। अंधेरे में जब अचानक सड़क पर अजगर दिखाई देता है, तो गाड़ी वाले अचानक ब्रेक लगा देते हैं, जिससे बड़े हादसे होने की संभावना बहुत ज्यादा रहती है। इसके अलावा, कभी-कभी अजगरों के गाड़ियों के नीचे कुचलने और जंगली जानवरों की मौत के मामले भी सामने आए हैं। स्थानीय गांववालों के मुताबिक, 'रात में हाईवे से गुजरना अब खतरनाक हो गया है। अक्सर अजगर के सड़क पार करने पर गाड़ियों को रोकना पड़ता है। अगर अंधेरे में कोई बाइक वाला ध्यान न दे और गाड़ी अजगर के ऊपर से गुजर जाए, तो बड़ा हादसा हो सकता है।' स्थानीय लोगों और पैदल चलने वालों ने मांग की है कि फॉरेस्ट डिपार्टमेंट नेशनल हाईवे 56 के सेंसिटिव इलाकों में पेट्रोलिंग बढ़ाए। फॉरेस्ट डिपार्टमेंट और वाइल्डलाइफ रेस्क्यू टीमों के लिए खास इंतजाम किए जाएं ताकि रात के समय अजगरों को तुरंत सुरक्षित रेस्क्यू किया जा सके। गाड़ी चलाने वालों को अलर्ट करने के लिए हाईवे पर 'वाइल्डलाइफ क्रॉसिंग' की चेतावनी वाले साइन लगाए जाने चाहिए। अभी, नेशनल हाईवे 56 से गुज़रने वाले गाड़ी चलाने वालों से लोगों ने अपील की है कि वे रात में बहुत सावधानी से और धीमी स्पीड से गाड़ी चलाएं।

मध्य प्रदेश में भाजपा नेताओं के विवादित बयानों से गरमाई राजनीति नवरात्रि और बेटियों को लेकर दिए गए बयानों पर उठे गंभीर सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सौजन्य राजकोट। राजकोट रूरल लोकल क्राइम ब्रांच ने धोराजी तालुका पुलिस स्टेशन एरिया में राजकोट-पोरबंदर नेशनल हाईवे पर वचराज होटल के बगल में भूतवाड़ गांव में पाटिया के पास 'भक्ति फ्यूल पेट्रोल पंप' पर हुई चोरी के मामले को सुलझाने में बड़ी सफलता हासिल की है। राजकोट रेंज द्रुत निर्लिप्त राय और डिस्ट्रिक्ट पुलिस चीफ विजय सिंह

गुर्जर के गाइडेंस में, जिले में अनदेखे प्रॉपर्टी से जुड़े क्राइम को खोजने के निर्देश दिए गए थे। इस निर्देश के अनुसार, राजकोट रूरल लोकल क्राइम ब्रांच के पुलिस इंस्पेक्टर जे.पी. राव के गाइडेंस में, ब्रांच के लोग पेट्रोलिंग पर थे, इस दौरान ह्यूमन और टेक्निकल सोर्स के आधार पर चोरी को सॉल्व किया गया और चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इस घटना का विवरण इस प्रकार है कि 18 जून 2026 को सुबह 3 से 4 बजे के बीच जब शिकायतकर्ता भक्ति फ्यूल पेट्रोल पंप पर अपने काम पर था, तब किसी अज्ञात व्यक्ति ने टेबल के डिब्बे में रखे 28,060 रुपये नकद और तकिये के पास रखा 10,000 रुपये का मोबाइल फोन, कुल 38,060 रुपये चुरा लिए और भाग गया। इस संबंध में धोराजी तालुका पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया थापुलिस ने गहन जांच के बाद इस अपराध में शामिल चार आरोपियों (1) प्रतीकभाई उर्फ पतियो परसोतमभाई सकारिया (2) रजकभाई उर्फ कलियो पुत्र इस्माभाई मुसानी (3) भावेशभाई उर्फ दोशियो पुत्र भूपतभाई मकवाणा और (4) दीपकभाई पुत्र दलाभाई सोलंकी (सभी राजकोट कोठारिया के रहने वाले) को गिरफ्तार किया है और कानूनी कार्रवाई शुरू की है।

सैज ब्रिज के पास हिट-एंड-रन में गिफ्ट सिटी के इंजीनियर की मौत
काम से घर लौटते समय एक अनजान गाड़ी ने पीछे से टक्कर मारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गिफ्ट सिटी में मैकेनिकल इंजीनियर का काम करने वाले 24 साल के एक युवक की अहमदाबाद-मेहसाणा हाईवे पर सैज ब्रिज पर चढ़ते समय हुए सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। काम खत्म करके बाइक से घर लौट रहे युवक को पीछे से एक अनजान गाड़ी ने टक्कर मार दी और एक्सीडेंट करके भाग गया। कड़ी में डेट्रोज रोड पर मंगलम सोसाइटी के पास रहने वाले और फैब्रिकेशन का

बिजनेस करने वाले मुकेशभाई पांचाल का बड़ा बेटा भाविक पिछले डेढ़ साल से गिफ्ट सिटी में काम कर रहा था। 23 सितंबर को शाम को भाविक अपनी बाइक से काम से कड़ी घर लौट रहा था। इसी दौरान हाईवे पर सैज ब्रिज पर चढ़ते समय एक अनजान ड्राइवर ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए भाविक की बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। परिवार में दुख की लहर, कलोल पुलिस ने जांच शुरू कर दी है टक्कर लगते ही भाविक सड़क पर गिर गया, उसके सिर में गंभीर चोटें आईं और छाती में कट लग गया, और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही कलोल तालुका पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और बॉडी को कलोल सिविल हॉस्पिटल भेजा। हॉस्पिटल पहुंचा परिवार अपने बेटे की खून से लथपथ बॉडी देखकर हैरान रह गया। कलोल तालुका पुलिस ने अनजान ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है।

जालोर में सरपंच-वार्ड पंच पदों के आरक्षण की लॉटरी आज, 14 पंचायत समितियों में 433 सरपंच और 4,187 वार्ड पंच पदों पर होगा फैसला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। पंचायत चुनाव की तैयारियों के बीच जालोर जिले में आज सरपंच और वार्ड पंच पदों के आरक्षण की लॉटरी निकाली जा रही है। इससे पहले जिला परिषद के 43 सदस्यों और जिले की 14 पंचायत समितियों के प्रधान पदों के आरक्षण की लॉटरी प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। अब ग्राम पंचायत स्तर पर सरपंच और वार्ड पंच पदों के लिए वर्गवार आरक्षण तय करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिले के संबंधित उपखंड अधिकारी कार्यालयों में आरक्षण की लॉटरी को लेकर प्रक्रिया जारी है। प्रशासन की ओर से इसके लिए आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। निर्धारित प्रक्रिया के तहत लॉटरी के माध्यम से यह तय किया जाएगा कि जिले की ग्राम पंचायतों में सरपंच और वार्ड पंच के कौन-कौन से पद विभिन्न वर्गों के लिए आरक्षित होंगे। जालोर पंचायत समिति क्षेत्र में भी आज आरक्षण की लॉटरी निकाली जा रही है। यहां कुल 40 ग्राम पंचायतों के सरपंच पद और 390 वार्ड पंच पदों के लिए आरक्षण निर्धारित किया जाएगा। लॉटरी प्रक्रिया पूरी होने के बाद संबंधित ग्राम पंचायतों में चुनावी समीकरण और संभावित उम्मीदवारों की तैयारियों पर इसका असर दिखाई देगा। जिले की 14 पंचायत समितियों में कुल 433 सरपंच पद और 4,187 वार्ड पंच पद हैं। इन सभी पदों का वर्गवार आरक्षण लॉटरी के माध्यम से तय किया जाएगा। आरक्षण प्रक्रिया पूरी होने के बाद संबंधित पदों के लिए चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे दावेदारों को अपने क्षेत्र में आरक्षण की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। पंचायत चुनाव से पहले आरक्षण की यह प्रक्रिया महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि सरपंच और वार्ड पंच पदों का आरक्षण तय होने के बाद संबंधित ग्राम पंचायतों में चुनावी गतिविधियां तेज होने की संभावना है। प्रशासन की ओर से लॉटरी प्रक्रिया को निर्धारित नियमों और प्रक्रिया के अनुसार पूरा कराया जा रहा है।

जालोर में बाजार के बीच दुकान के बाहर खड़ी बाइक में लगी आग, खरीदारी करने गया था मालिक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में गुरुवार दोपहर मुख्य बाजार स्थित घांचियों की पिलानी में एक दुकान के बाहर खड़ी बाइक में अचानक आग लग गई। बाइक से अचानक लपटें उठती देख आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने तत्काल पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग तेजी से बढ़ने के कारण उस पर काबू नहीं पाया जा सका। इसके बाद दमकल कार्यालय को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही सिविल डिफेंस और दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची। दमकलकर्मियों ने पानी की बौछार कर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। करीब 20 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। हालांकि, तब तक बाइक पूरी तरह जल चुकी थी। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। दमकलकर्मी मदन मीणा ने बताया कि पहाड़पुरा गांव निवासी भैरूसिंह पुत्र बलवंत सिंह कपड़ों की खरीदारी के लिए जालोर शहर आए थे। उन्होंने अपनी बजाज बाइक मुख्य बाजार में एक दुकान के बाहर खड़ी की और खरीदारी के लिए दुकान के अंदर चले गए। इसी दौरान कुछ देर बाद बाइक में अचानक आग लग गई। दुकान के बाहर मौजूद लोगों ने बाइक से लपटें उठती देखीं तो उन्होंने शोर मचाकर आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी। इसके बाद लोगों ने अपने स्तर पर पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग बढ़ती चली गई। स्थिति को देखते हुए जालोर दमकल कार्यालय में सूचना दी गई। दमकल की टीम के मौके पर पहुंचने तक बाइक में आग काफी फैल चुकी थी। दमकलकर्मियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पानी डालकर आग पर काबू पाया। आग बुझने के बाद बाइक पूरी तरह जलकर राख हो चुकी थी। गनीमत रही कि घटना के दौरान कोई जनहानि नहीं हुई। फिलहाल बाइक में आग लगने के वास्तविक कारणों की जानकारी सामने नहीं आई है। जालोर में पंचायत चुनाव के बीच आरक्षण की लॉटरी आज, 433 सरपंच और 4,187 वार्ड पंच पदों का तय होगा वर्गवार आरक्षण जालोर। पंचायत चुनाव को लेकर जिला परिषद के 43 सदस्यों और जिले की 14 पंचायत समितियों के प्रधान पदों के आरक्षण की लॉटरी प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब सरपंच और वार्ड पंच पदों के आरक्षण की लॉटरी निकाली जा रही है।

सिरोही में 70वीं जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का समापन

नेटबॉल में सेंट पॉल स्कूल शिवगंज का दबदबा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। जिले के लोटीवाड़ा बड़ा स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल में आयोजित तीन दिवसीय 70वीं जिला स्तरीय 14 वर्षीय छात्र-छात्रा नेटबॉल एवं साइकिलिंग खेलकूद प्रतियोगिता का समापन हो गया। प्रतियोगिता के दौरान विभिन्न मुकाबलों में खिलाड़ियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। समापन समारोह में विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी, मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर समारोह को भी आकर्षक बनाया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत नारादरा के प्रशासक वेलाराम मेघवाल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नारादरा के पदेन पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी दूदाराम मेघवाल ने की। पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सवली के प्रधानाचार्य प्रभुलाल और शिवगंज पंचायत समिति सदस्य लीलाराम बामनिया विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। प्रतियोगिता पर्यवेक्षक एवं प्रधानाचार्य माडानी मांगीलाल, पूर्व सरपंच मदनसिंह देवड़ा और लाखसिंह भी मंच पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर की। इसके बाद स्थानीय स्कूल की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। उन्होंने अतिथियों और खेल प्रेमियों का स्वागत किया। तीन दिनों तक चले नेटबॉल के रोमांचक मुकाबलों के बाद 14 वर्षीय छात्र और छात्रा दोनों वर्गों में सेंट पॉल स्कूल, शिवगंज की टीमों ने प्रथम स्थान हासिल किया। द लाईमा लर्निंग स्कूल ऑफ कैलाशनगर की दोनों वर्गों की टीमें उपविजेता रहीं। वहीं गुरुदेव बाल पब्लिक स्कूल झाड़ोली वीर की टीमों ने दोनों वर्गों में तीसरा स्थान प्राप्त किया। साइकिलिंग के छात्रा वर्ग में विकास विद्या मंदिर करोटी की दीक्षा कुमारी ने प्रथम स्थान हासिल किया। पूर्णिमा और अभिलाषा ने भी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया। छात्र वर्ग में यशवर्धनसिंह देवड़ा, शंकर विद्यापीठ आबूराज, धीरज कलबी, कोजरा, कार्तिक प्रजापत और लक्ष्मण घाची, एचआरएम स्कूल जावाल ने अपनी-अपनी श्रेणियों में जीत दर्ज की। समापन अवसर पर अतिथियों ने विभिन्न वर्गों के विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी, मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान किए। खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया गया।

माउंट आबू के नए पालिकाध्यक्ष सुनील आचार्य पदभार संभालते ही एक्शन में

नक्की झील की गंदगी देख अधिकारियों को दिए सफाई के निर्देश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। नवनियुक्त पालिकाध्यक्ष सुनील आचार्य ने पदभार संभालने के बाद गुरुवार सुबह शहर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान वे नक्की झील पहुंचे, जहां महादेव घाट के आसपास काफी गंदगी दिखाई दी। गंदगी देखकर उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों और सफाई कर्मचारियों को बुलाया और तत्काल सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि झील परिसर में फैली गंदगी को आज ही साफ किया जाए। पालिकाध्यक्ष ने नक्की झील की स्वच्छता को शहर की व्यवस्थाओं से जोड़ते हुए कहा कि यह माउंट आबू का मुख्य हृदय स्थल है। यहां बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। ऐसे में झील के आसपास गंदगी दिखाई देने से पर्यटकों के बीच शहर की नकारात्मक छवि बन सकती है। उन्होंने अधिकारियों से झील क्षेत्र की नियमित साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने को कहा। आचार्य ने कहा कि नक्की झील के किनारे और झील के अंदर जलीय जीव भी रहते हैं। झील में गंदगी और प्रदूषण बढ़ने से इन जलीय जीवों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए झील को स्वच्छ रखना जरूरी है, ताकि यहां आने वाले पर्यटकों के साथ-साथ जलीय जीवों को भी स्वच्छ वातावरण मिल सके। निरीक्षण के दौरान पालिकाध्यक्ष ने नक्की झील क्षेत्र में अव्यवस्थित तरीके से पड़े साइन बोर्ड और पोल भी देखे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को ऐसे साइन बोर्ड और पोल हटाने के निर्देश दिए, ताकि झील क्षेत्र व्यवस्थित दिखाई दे और पर्यटकों को भी परेशानी न हो। नक्की झील का निरीक्षण करने के बाद सुनील आचार्य अंबेडकर चौराहे पहुंचे। यहां भी उन्हें आसपास गंदगी और मिट्टी जमा दिखाई दी। उन्होंने मौके पर ही संबंधित कर्मचारियों को निर्देश दिए और ट्रैक्टर बुलवाकर मिट्टी तथा कचरा हटवाया। पालिकाध्यक्ष के इस निरीक्षण के दौरान शहर की सफाई व्यवस्था और सार्वजनिक स्थलों को व्यवस्थित रखने पर जोर दिया गया। पदभार संभालने के तुरंत बाद पालिकाध्यक्ष के इस तरह शहर के प्रमुख पर्यटन स्थल का निरीक्षण करने और मौके पर ही सफाई के निर्देश देने से नगर पालिका की व्यवस्थाओं को लेकर सक्रियता दिखाई दी। उन्होंने अधिकारियों को शहर की साफ-सफाई पर लगातार ध्यान देने के निर्देश भी दिए।

पाली में हजरत गोसे आजम की याद में निकला जुलूस, तकरीर और फातिहा ख्वानी के बाद अमन-चैन की दुआ की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। हजरत गोसे आजम की याद में गुरुवार को शहर में धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। नाड़ी मोहल्ला मिलाद चौक स्थित गुलशने गोशुलवरा कमेटी के नेतृत्व में तकरीर का आयोजन हुआ। तकरीर के बाद फातिहा ख्वानी की गई और कमेटी की ओर से मोमिनों को शिरणी वितरित की गई। इस अवसर पर पाली जिला मुस्लिम समाज के सदर मोहम्मद हकीम के नेतृत्व में अंजुमन फैजाने गोशुलवरा कमेटी की ओर से जुलूस भी निकाला गया। जुलूस में मुस्लिम समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में पैदल भाग लिया। लोग इस्लामी लिबास और टोपी पहनकर जुलूस में शामिल हुए। हाथों में इस्लामी नारों तथा देश में अमन-चैन और खुशहाली की दुआ से संबंधित तख्तियां लेकर लोगों ने जुलूस में हिस्सा लिया। जुलूस नाड़ी मोहल्ला मिलाद चौक से रवाना होकर केरिया दरवाजा, बादशाह का झंडा, जंगीवाड़ा, पुराना बस स्टैंड, नवलखा रोड, प्यारा चौक और मोमिनों का बास होते हुए कादरिया चौक पहुंचा। विभिन्न मार्गों से गुजरने के दौरान जुलूस में शामिल लोगों का स्थानीय स्तर पर स्वागत किया गया। जंगीवाड़ा, प्यारा चौक, मोमिनों का बास और कादरिया चौक में लोगों ने फूल-मालाओं और इत्र की खुशबू के साथ जुलूस का स्वागत किया। कादरिया चौक पहुंचने पर अंजुमन फैजाने गोशुलवरा कमेटी के सदर हाजी अशफाक मेवाफरोश, सेक्रेटरी मोहम्मद यासीन कादरी, शकील अहमद नागौरी, फिरोज हबीबी, नगर निगम पार्षद रईस अली रंगरेज, पार्षद अब्दुल रहमान कुरैशी, हाजी फरीद मोहम्मद और यूसुफ अशरफी का माला और साफा पहनाकर स्वागत किया गया। जुलूस के समापन स्थल कादरिया चौक पर मुस्लिम समाज सदर मोहम्मद हकीम, नगर निगम उप महापौर हाजी मेहबूब टी, पूर्व नगर परिषद सभापति प्रदीप हिंगड़, मुस्लिम समाज सेक्रेटरी हाजी रफीक गौरी और फारूक रंगीला ने एपीजे अब्दुल कलाम फेडरेशन की ओर से जुलूस का स्वागत किया।

सिरोही में सरपंच और वार्ड पंच पदों के आरक्षण की लॉटरी, दोनों पंचायत समितियों के 41 सरपंच और 381 वार्ड पंच पदों पर तय हुआ आरक्षण

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। पंचायत समिति चुनाव की तैयारियों के बीच सिरोही जिले में सरपंच और वार्ड पंच पदों के आरक्षण की लॉटरी निकाली गई। इस प्रक्रिया में सिरोही और कालंद्री दोनों पंचायत समितियों के सरपंच और वार्ड पंच पदों के लिए आरक्षण निर्धारित किया गया। आरक्षण की लॉटरी निकलने के साथ ही संबंधित ग्राम पंचायतों में चुनाव को लेकर तस्वीर भी स्पष्ट होने लगी है। आरक्षण प्रक्रिया के तहत सबसे पहले सिरोही पंचायत समिति के 21 सरपंच पदों और कालंद्री पंचायत समिति के 20 सरपंच पदों के लिए लॉटरी निकाली गई। इस तरह दोनों पंचायत समितियों के कुल 41 सरपंच पदों का आरक्षण लॉटरी के माध्यम से तय किया गया। प्रक्रिया पूरी होने के बाद संबंधित ग्राम पंचायतों में सरपंच पद के लिए आरक्षण की स्थिति स्पष्ट हो गई। इसके बाद दोपहर में दोनों पंचायत समितियों के वार्ड पंच पदों के आरक्षण की लॉटरी निकाली गई। सिरोही पंचायत समिति के 193 वार्ड पंच पदों तथा कालंद्री पंचायत समिति के 188 वार्ड पंच पदों के लिए आरक्षण निर्धारित किया गया। दोनों पंचायत समितियों में कुल 381 वार्ड पंच पदों की लॉटरी निकाली गई। पंचायत चुनाव से पहले सरपंच और वार्ड पंच पदों के आरक्षण की लॉटरी को महत्वपूर्ण प्रक्रिया माना जा रहा है। आरक्षण तय होने के बाद चुनाव की तैयारी कर रहे संभावित उम्मीदवारों के लिए संबंधित ग्राम पंचायत और वार्ड की स्थिति स्पष्ट हो गई है। अब आरक्षण के अनुसार विभिन्न पदों के लिए दावेदार अपनी तैयारियां आगे बढ़ा सकेंगे।

ईको सेंसिटिव जोन में अवैध निर्माण सामग्री के परिवहन पर कार्रवाई

टोल नाके पर जांच के दौरान 10 से 12 सीमेंट शीट जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। ईको सेंसिटिव जोन में अवैध निर्माण गतिविधियों और निर्माण सामग्री के परिवहन पर प्रशासन की निगरानी के बीच टोल नाके पर कार्रवाई की गई। वाहनों की जांच के दौरान करीब 10 से 12 सीमेंट शीट मिलने पर टीम ने उन्हें जब्त कर लिया। प्रशासन की ओर से क्षेत्र में निर्माण सामग्री के परिवहन पर नजर रखने के लिए जांच व्यवस्था को सख्त किया गया है। यह कार्रवाई उपखंड अधिकारी राहुल श्रीवास्तव के निर्देशन और नगर पालिका आयुक्त त्रिकमदान चारण के नेतृत्व में टोल प्रभारी गजेंद्र सिंह तथा उनकी टीम ने की। अधिकारियों के निर्देश पर टोल नाके से गुजरने वाले वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान एक वाहन में सीमेंट शीट मिलने पर टीम ने आवश्यक जांच प्रक्रिया पूरी की और सामग्री को जब्त कर लिया। उपखंड अधिकारी राहुल श्रीवास्तव ने 22 सितंबर को आदेश जारी कर ईको सेंसिटिव जोन में भवन निर्माण और मरम्मत कार्यों के लिए सामग्री ले जाने वाले क्लोज बॉडी वाहनों की टोल नाके पर जांच करने के निर्देश दिए थे। आदेश के अनुसार प्रत्येक वाहन की जांच की जानी है। इसके साथ ही वाहन में ले जाई जा रही निर्माण सामग्री की फोटो लेने और उसकी जानकारी रजिस्टर में दर्ज करने के निर्देश भी दिए गए हैं। प्रशासन की ओर से जारी निर्देशों के बाद टोल नाके पर वाहनों की जांच की जा रही है। इसी क्रम में जांच के दौरान सीमेंट शीट मिलने पर टीम ने सामग्री के परिवहन से संबंधित जानकारी की जांच की। अवैध परिवहन की पुष्टि होने के बाद मौके पर कार्रवाई करते हुए करीब 10 से 12 सीमेंट शीट जब्त कर ली गईं। प्रशासन और नगर पालिका की ओर से ईको सेंसिटिव जोन में निर्माण गतिविधियों तथा निर्माण सामग्री के परिवहन पर निगरानी रखी जा रही है। अधिकारियों का उद्देश्य क्षेत्र में नियमों के विपरीत होने वाली निर्माण गतिविधियों पर नियंत्रण रखना और सामग्री के परिवहन की जांच व्यवस्था को प्रभावी बनाना है। टोल नाके पर की गई इस कार्रवाई के बाद निर्माण सामग्री लेकर आने-जाने वाले वाहनों की जांच व्यवस्था को लेकर प्रशासन की सक्रियता सामने आई है। अधिकारियों के निर्देशों के अनुसार आगे भी वाहनों की जांच, सामग्री की फोटो और रजिस्टर में विवरण दर्ज करने की प्रक्रिया जारी रहेगी।

पाली में झगड़ा देखने रुका 15 वर्षीय नाबालिग चाकूबाजी का शिकार, पेट्रोल भरवाकर लौटते समय कंधे पर किया वार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। शहर के ट्रांसपोर्ट नगर थाना क्षेत्र में बुधवार रात एक 15 वर्षीय नाबालिग के कंधे पर चाकू से वार करने का मामला सामने आया है। नया गांव रोड पर पेट्रोल भरवाने के बाद घर लौट रहा नाबालिग सड़क पर दो पक्षों के बीच हो रहे झगड़े को देखने के लिए रुक गया था। इसी दौरान एक युवक ने उसके कंधे पर चाकू मार दिया और मौके से फरार हो गया। घटना के बाद आसपास के लोगों ने घायल नाबालिग को उपचार के लिए पाली के बांगड़ अस्पताल पहुंचाया। ट्रांसपोर्ट नगर थानाप्रभारी हनुवंतसिंह सिसोदिया ने बताया कि नाबालिग बाइक में पेट्रोल भरवाने के लिए गया था। पेट्रोल भरवाने के बाद वह बाइक लेकर वहां से जा रहा था। इसी दौरान नया गांव रोड पर दो पक्षों के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। झगड़ा होता देखकर नाबालिग ने अपनी बाइक सड़क किनारे खड़ी कर दी और वहां रुककर विवाद देखने लगा। पुलिस के अनुसार इसी दौरान झगड़े में शामिल एक लड़के ने नाबालिग के कंधे पर चाकू से वार कर दिया। अचानक हुए हमले से नाबालिग घायल हो गया। वार करने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने घायल नाबालिग की मदद की और उसे तत्काल उपचार के लिए पाली के बांगड़ अस्पताल भेजा। अस्पताल में चिकित्सकों ने घायल का उपचार किया। घटना की जानकारी मिलने पर ट्रांसपोर्ट नगर थानाप्रभारी हनुवंतसिंह सिसोदिया भी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायल और उसके परिजनों से घटना के संबंध में जानकारी ली। पुलिस ने मामले की जानकारी जुटाने के साथ ही जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद पुलिस की ओर से झगड़े में शामिल लोगों और नाबालिग पर चाकू से हमला करने वाले आरोपी के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस मामले से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है। फिलहाल चाकू मारने के पीछे की वजह और आरोपी की पहचान को लेकर जांच जारी है। वहीं, घटना में घायल नाबालिग का अस्पताल में उपचार किया गया।

नादिया के जंगल में पेड़ से फंदे पर लटका मिला युवक का शव, पहचान नहीं हुई

बैग के आधार पर परिजनों की तलाश में जुटी पुलिस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। जिले के पिंडवाड़ा थाना क्षेत्र में बुधवार देर शाम नादिया गांव के घास बीड जंगल में एक युवक का शव पेड़ से फंदे पर लटका मिला। जंगल में शव मिलने की सूचना के बाद आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही पिंडवाड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। फिलहाल शव की पहचान नहीं हो सकी है। जानकारी के अनुसार, नादिया गांव के घास बीड जंगल में बुधवार देर शाम लोगों ने एक युवक का शव पेड़ से फंदे पर लटका हुआ देखा। शव दिखाई देने के बाद आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पिंडवाड़ा थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस ने आसपास मौजूद लोगों से भी मामले को लेकर जानकारी जुटाई, लेकिन युवक की पहचान नहीं हो पाई। पुलिस ने घटनास्थल पर अलग-अलग एंगल से फोटो और वीडियोग्राफी भी करवाई, ताकि जांच के दौरान इनका उपयोग युवक की पहचान करने में किया जा सके। मौके की आवश्यक कार्रवाई पूरी करने के बाद पुलिस ने शव को पिंडवाड़ा अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है। पुलिस को शव के पास ही एक बैग रखा हुआ मिला है। इसी बैग के आधार पर पुलिस युवक की पहचान और उसके परिजनों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। पुलिस बैग में मौजूद सामान और अन्य संभावित जानकारियों के आधार पर युवक के संबंध में जानकारी जुटा रही है।, पुलिस फिलहाल यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि युवक जंगल में किन परिस्थितियों में पहुंचा था और उसकी मौत किन हालात में हुई। घटनास्थल से मिले सामान और अन्य तथ्यों को जांच में शामिल किया जा रहा है। युवक के परिजनों की पहचान होने और उनके मौके पर पहुंचने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि परिजनों की रिपोर्ट और जांच के बाद ही घटना से जुड़े अन्य तथ्यों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल शव की पहचान कराने और उसके परिजनों की तलाश करने पर पुलिस का ध्यान है। मामले में जांच जारी है।

शादी डॉट कॉम के जरिए संपर्क में आई महिला ने धमकी देकर 1.35 लाख ठगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अजमेर। शहर में गुरुवार को अपराध से जुड़े दो अलग-अलग मामले सामने आए। साइबर थाने में शादी डॉट कॉम के जरिए संपर्क में आई महिला द्वारा धमकी देकर 1.35 लाख रुपए की ऑनलाइन ठगी करने का मामला दर्ज हुआ है। वहीं सिविल लाइंस थाने में खुला बंदी शिविर से आजीवन कारावास की सजा काट रहे एक बंदी के फरार होने को लेकर प्राथमिकी दर्ज की गई है। दोनों मामलों में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, मदनगंज निवासी राघव बिंदल से शादी डॉट कॉम के जरिए एक महिला का संपर्क हुआ था। दोनों के बीच बातचीत और दोस्ती होने के बाद महिला ने कथित तौर पर उसे ऑनलाइन धमकी देना शुरू कर दिया। आरोप है कि धमकी देकर महिला ने राघव बिंदल से 1.35 लाख रुपए की राशि ऑनलाइन ले ली। इसके बाद मामले को लेकर शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस के अनुसार, इस मामले में राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत के आधार पर अजमेर साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई है। पुलिस ऑनलाइन लेनदेन से जुड़े विवरण और संपर्क में इस्तेमाल माध्यमों की जानकारी जुटा रही है। मामले में ठगी की पूरी प्रक्रिया और रकम किस माध्यम से ली गई, इसकी भी जांच की जा रही है।

चुनाव आयोग के भीतर ही फूट पड़ने से दिल्ली से लेकर गुजरात तक राजनीतिक भूचाल

भारतीय राजनीति और लोकतंत्र के बुनियादी स्तंभों की मानी जाने वाली संस्थाओं से अब तक के सबसे बड़े और चौंकाने वाले खुलासे सामने आ रहे हैं, जिसके कारण सत्ता के गलियारों में हड़कंप मच गया है। सवाल यह खड़ा होता है कि अब तक जो लोग सरकार के इशारे पर आंख बंद करके सत्ता के ताबेदार बनकर फैसले लेते थे, वही लोग अब अचानक मैदान में क्यों आ गए हैं? मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के सामने खड़े हुए विवादों और चुनाव आयोग के भीतर से ही बाहर आ रहे असंतोष के स्वर इस बात की स्पष्ट गवाही दे रहे हैं कि दाल में कुछ तो बहुत बड़ा काला है।

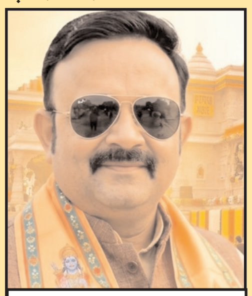

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

टॉप टू बॉटम भरे हुए प्यादे और अब जागने का नाटक!

विचार करने योग्य और देश की जनता द्वारा गंभीरता से समझने वाली बात यह है कि केंद्र सरकार द्वारा 'टॉप टू बॉटम' यानी ऊपर से लेकर नीचे तक के सभी महत्वपूर्ण पदों पर केवल अपने वफादारों को भर दिया गया है। ये सभी ऐसे ही चेहरे हैं जिन्हें मोदी और संघ द्वारा विशेष रूप से चुनकर बैठाया गया था। जब यही ज्ञानेश कुमार मनमानी कर रहा था, देश की मतदाता सूचियों और चुनाव प्रक्रिया के साथ खिलवाड़ हो रहा था और कानून-नियमों को ताक पर रखकर मनमाने फैसले लिए जा रहे थे, तब बाकी के ये कमिश्नर या अधिकारी गहरी नींद में क्यों सो रहे थे? तब किसी ने खुलकर सामने आकर विरोध क्यों नहीं किया? क्या यह सब कोई पूर्व-योजित खेल का हिस्सा है या अब स्वार्थ के बंटवारे में दरार आने के कारण अंदर ही अंदर भांडा फूट रहा है?

संघ और सरकार के बीच का अंदरूनी छिपा हुआ खेल?

राजनीतिक गलियारों में चर्चा जोरों पर है कि अब संघ और मोदी-शाम गुट के बीच कोई बड़ा आंतरिक संघर्ष या पर्दे के पीछे का खेल चल रहा है। ऊपर बैठी ताकतें अब अपने ही नियुक्त किए गए आदमियों के माध्यम से पकड़ ढीली करने या समय के अनुसार पांसे फेंकने की रणनीति पर काम कर रही हैं। जिन कमिश्नरों या प्रशासनिक अधिकारियों को सरकार अपने बचाव के लिए सुरक्षा कवच के रूप में इस्तेमाल करती थी, अब उसी सुरक्षा कवच में सेंध लगने लगी है। संक्षेप में कहें तो, संघ अब अपने ही पुराने और वफादार प्यादों के माध्यम से मोदी और शाह के खिलाफ नया पैंतरा चल रहा है, ताकि भविष्य में संकट आने पर सारा ठीकरा दूसरों के सिर फोड़ा जा सके।

देश की जनता के साथ हो रहा है खतरनाक मजाक और लोकतंत्र की हत्या देश की सबसे बड़ी संस्थाओं और संवैधानिक स्तंभों को अपनी जेब में रखकर चलाने वालों का असली चेहरा अब जनता के सामने बेनकाब हो रहा है। सत्ता की भूख में देश की पवित्र चुनावी प्रक्रिया को दांव पर लगाने वाले ये लोग आज खुद अपने ही मुखिया द्वारा बिछाए गए प्यादों के कारण कटघरे में आ खड़े हुए हैं। देश की भोलभाली जनता को अब यह समझने की जरूरत है कि दिल्ली के दरबार में जनता के हितों के नहीं, बल्कि केवल कुर्सी, सत्ता और अंदरूनी वर्चस्व की लड़ाई के खेल खेले जा रहे हैं। महानगर मेट्रो न्यूज़ पेपर देश की जनता को जागरूक करने के लिए ऐसे सभी भ्रष्ट, छिपे हुए और जन-विरोधी राजनीतिक खेलों का पर्दाफाश करता रहेगा। क्या यह अंदरूनी लड़ाई देश के लोकतंत्र को पूरी तरह तबाह कर देगी? जनता को अब मूकदर्शक बनकर बैठे रहने के बजाय सवाल पूछने का समय आ गया है!

कागजों में सफाई, सड़क पर गंदगी!

(शुक्रवार) 25 सितंबर 2026

मेष – धन संबंधी मामलों में स्थिति बेहतर होगी, पुराने विवाद बातचीत से सुलझ सकते हैं और परिवार में किसी शुभ समाचार से खुशी का माहौल बनेगा

वृषभ – मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलने के योग हैं, आर्थिक मामलों में लाभ हो सकता है, लेकिन निवेश से पहले पूरी जानकारी जरूर लें

मिथुन – परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा, रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी और किसी पुराने प्रयास का सकारात्मक परिणाम सामने आ सकता है

कर्क – मान-सम्मान में वृद्धि हो सकती है, नई योजना पर काम शुरू करने का अवसर मिलेगा और कार्यक्षेत्र में आपकी बात को महत्व दिया जाएगा

सिंह – नौकरी और व्यापार में आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे, मेहनत का अच्छा परिणाम प्राप्त होगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं।

कन्या – नौकरी और व्यवसाय में प्रगति के अवसर बनेंगे, कोई भी महत्वपूर्ण फैसला जल्दबाजी के बजाय सोच-समझकर लेना लाभकारी रहेगा

तुला – नए कार्य और यात्रा के अवसर बन सकते हैं, दिन उत्साह से भरा रहेगा और आपकी सकारात्मक सोच कई कामों को आसान बना सकती है

वृश्चिक – लंबे समय से अटके काम पूरे होने की संभावना है, परिवार का सहयोग मिलेगा और किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात लाभदायक रह सकती है

धनु – कार्यक्षेत्र में विरोधियों से सावधान रहें, धैर्य बनाए रखकर आगे बढ़ेंगे तो परिस्थितियों को अपने पक्ष में करने में सफल रहेंगे

मकर – आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं, धन लाभ का अवसर मिल सकता है, लेकिन अनावश्यक खर्चों से बचना आपके लिए बेहतर रहेगा

कुंभ – नए लोगों से संपर्क बढ़ेगा और कामकाज में इसका फायदा मिल सकता है, करियर को लेकर कोई अच्छी खबर मिलने की संभावना है

मीन – कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, मेहनत और आत्मविश्वास से काम करेंगे तो सफलता आपके पक्ष में रहेगी

ग्रेटर नोएडा: बस में आग नहीं, व्यवस्था की लापरवाही ने ली नौ जानें...

यमुना एक्सप्रेस-वे पर बुधवार रात स्लीपर वातानुकूलित बस में लगी आग ने नौ परिवारों की जिंदगी हमेशा के लिए बदल दी। 35 यात्री एक सुरक्षित यात्रा की उम्मीद लेकर दिल्ली से महोबा के लिए रवाना हुए थे, लेकिन कुछ ही घंटों बाद यह सफर चीख-पुकार, धुएं, आग और मौत के मंजर में बदल गया। नौ यात्रियों की मौत हो गई। कई लोगों ने खिड़कियां तोड़कर अपनी जान बचाई और कई यात्री ऐसे भी रहे जो आग की लपटों के बीच बस के भीतर ही फंस गए। बचाव दल को बस का पिछला हिस्सा काटकर अंदर पहुंचना पड़ा और एक-एक करके शव बाहर निकालने पड़े।

यह केवल एक बस दुर्घटना नहीं है। यह सवाल है कि आखिर यात्री सुरक्षा के नाम पर हमारी व्यवस्था कितनी तैयार है? सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि बस के भीतर जलने जैसी गंध आ रही थी, यात्रियों ने इसकी शिकायत की थी और फिर भी बस चलती रही, तो चालक ने तत्काल बस क्यों नहीं रोकी? पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार यात्रियों ने चालक दल को असामान्य गंध के बारे में बताया था। शिकायत में चालक और परिचालक के धूम्रपान करने का भी आरोप लगाया गया है। इन आरोपों की जांच होना अभी बाकी है, लेकिन यदि जांच में ये बातें सही पाई जाती हैं तो यह केवल लापरवाही नहीं बल्कि यात्रियों की सुरक्षा के प्रति गंभीर उदासीनता का मामला होगा।

एक चलती स्लीपर बस में आग लगना सामान्य दुर्घटना नहीं है। बस के भीतर यात्री सो रहे होते हैं। उनके पास बचाव के लिए सीमित समय होता है। रात का समय हो तो खतरा कई गुना बढ़ जाता है। यात्रियों को यह तक समझने में कुछ क्षण लग सकते हैं कि आग लगी है। इस दौरान यदि चालक वाहन रोकने में देरी करता है या आपातकालीन द्वार नहीं खुलता, तो कुछ मिनटों की देरी भी जानलेवा बन सकती है।

इस हादसे में सबसे भयावह तस्वीर यह है कि कई यात्रियों को अपनी जान बचाने के लिए खिड़कियां तोड़नी पड़ीं। सवाल यह है कि जिन खिड़कियों को आपातकालीन स्थिति में तुरंत खुलना चाहिए, वे यात्रियों के लिए इतनी आसानी से उपलब्ध क्यों नहीं थीं? स्लीपर बसों में यात्रियों की संख्या अधिक होती है, सीटों और सोने की व्यवस्था के कारण रास्ते सीमित होते हैं और आपातकाल में भगदड़ की आशंका रहती है। ऐसे में प्रत्येक बस में निकासी व्यवस्था केवल कागजों पर नहीं बल्कि वास्तविक परिस्थितियों में जांची जानी चाहिए। फायर ब्रिगेड की पांच गाड़ियों को आग बुझाने में करीब 45 मिनट लगे और बचाव अभियान लगभग दो घंटे तक चला। दमकलकर्मियों को बस का पिछला हिस्सा काटकर अंदर प्रवेश करना पड़ा। यह दृश्य अपने आप में बताता है कि आग लगने के बाद यात्रियों के पास सुरक्षित बाहर निकलने के कितने सीमित विकल्प रह गए होंगे। अब सवाल बस की तकनीकी स्थिति पर भी उठना स्वाभाविक है। पुलिस के अनुसार संबंधित बस के खिलाफ 19 चालान दर्ज थे और करीब एक लाख 75 हजार रुपये का जुर्माना लगाया जा चुका था। यहां यह सवाल किसी एक बस तक सीमित नहीं होना चाहिए। यदि किसी यात्री वाहन के खिलाफ बार-बार नियम उल्लंघन दर्ज होते हैं, तो क्या केवल चालान काटना पर्याप्त है? क्या संबंधित वाहन की फिटनेस की दोबारा जांच होती है? क्या उसके संचालक के रिकॉर्ड की समीक्षा होती है? क्या गंभीर उल्लंघन के बाद उस वाहन को यात्रियों को लेकर लंबी दूरी तय करने की अनुमति दी जानी चाहिए? चालान व्यवस्था का उद्देश्य सरकारी खजाना भरना नहीं, बल्कि सड़क पर सुरक्षित वाहन सुनिश्चित करना होना चाहिए। यदि वाहन लगातार नियम तोड़ता रहे और हर बार जुर्माना भरकर फिर यात्रियों को लेकर सड़क पर उतर जाए, तो व्यवस्था की निगरानी प्रणाली पर सवाल उठना स्वाभाविक है। प्रारंभिक जांच में वातानुकूलन तंत्र में चिंगारी या विस्फोट के बाद इंजन क्षेत्र में आग लगने की आशंका जताई गई है। अंतिम कारण जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएगा। लेकिन तकनीकी खराबी अपने आप में पूरी जिम्मेदारी से मुक्त करने वाला कारण नहीं हो सकती। वाहन की नियमित जांच, विद्युत तारों की स्थिति, बैटरी, इंजन, वातानुकूलन तंत्र, ईंधन प्रणाली और अग्निशमन उपकरणों की स्थिति की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? बस मालिक की, संचालक की, चालक की या उस व्यवस्था की जो फिटनेस प्रमाणपत्र जारी करती है? जिम्मेदारी तय करने के लिए इन सभी सवालों का जवाब जरूरी है।

इस हादसे ने एक और गंभीर समस्या सामने रखी है–रात में चलने वाली लंबी दूरी की स्लीपर बसों की निगरानी। यात्रियों को आकर्षित करने के लिए सुविधाओं की लंबी सूची दिखाई जाती है। वातानुकूलन, स्लीपर सीट, आरामदायक यात्रा और अन्य सुविधाओं का प्रचार होता है, लेकिन क्या यात्रियों को यह जानकारी भी दी जाती है कि बस में कितने आपातकालीन द्वार हैं? अग्निशमन यंत्र कहां हैं? आपातकालीन स्थिति में खिड़की कैसे खोली जाएगी? चालक दल को आग लगने की स्थिति में क्या करना है? यात्रियों से टिकट का पैसा लिया जाता है। उसके बदले उन्हें केवल सीट नहीं, सुरक्षित यात्रा भी

मिलनी चाहिए। परिवहन विभाग के लिए भी यह हादसा चेतावनी है। अब केवल दुर्घटना के बाद जांच बैठाने से काम नहीं चलेगा। लंबी दूरी की सभी स्लीपर बसों का विशेष सुरक्षा परीक्षण होना चाहिए। केवल कागजों में फिटनेस प्रमाणपत्र देखकर वाहनों को सड़क पर दौड़ने की अनुमति देना यात्रियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ साबित हो सकता है। बस के वास्तविक ढांचे, आपातकालीन द्वार, खिड़कियों, अग्निशमन यंत्रों, विद्युत व्यवस्था और चालक दल की क्षमता की जांच जमीन पर होनी चाहिए। इसके साथ ही यह भी देखा जाना चाहिए कि चालक और परिचालक कितने घंटे लगातार वाहन चला रहे हैं। थका हुआ चालक आपात स्थिति में सही निर्णय लेने में सक्षम होगा या नहीं, यह भी यात्री सुरक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। सरकार हादसे के बाद मुआवजा दे सकती है। दोषियों को गिरफ्तार किया जा सकता है। अधिकारियों की बैठक हो सकती है। जांच समिति बनाई जा सकती है।

डीजल पर लिमिट: आज पंप पर 50 लीटर की सीमा है, कल महंगाई की कितनी सीमा होगी?

भारत की अर्थव्यवस्था का पहिया डीजल से चलता है। खेतों में ट्रैक्टर से लेकर सड़कों पर दौड़ते ट्रकों तक, बसों से लेकर निर्माण मशीनों तक और माल ढुलाई से लेकर रोजमर्रा की आपूर्ति व्यवस्था तक–डीजल केवल एक ईंधन नहीं, बल्कि आर्थिक गतिविधियों की धुरी है। ऐसे में जब देश के कुछ निजी पेट्रोल पंपों पर डीजल की बिक्री सीमित होने की खबर सामने आती है, तो इसे सामान्य कारोबारी फैसला मानकर नजरअंदाज करना खतरनाक होगा। रिपोर्टों के मुताबिक कुछ जियो-बीपी पंपों पर एक ग्राहक को एक बार में अधिकतम 50 लीटर डीजल देने की सीमा लगाई गई है। कुछ केंद्रों पर प्रतिदिन की कुल बिक्री 6,000 लीटर तक सीमित किए जाने की भी जानकारी सामने आई है। नायरा एनर्जी के कुछ पंपों पर प्रति लेनदेन सीमा 70 से 200 लीटर तक बताई गई है। दूसरी ओर इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने अपने पंपों पर ऐसी पाबंदी नहीं होने की बात कही है। यह फिलहाल पूरे देश में डीजल की किल्लत नहीं है। लेकिन यह निश्चित रूप से एक चेतावनी की घंटी है। क्योंकि जब निजी कंपनियां घाटे के दबाव में ईंधन की बिक्री को सीमित करने लगें, तो सवाल सिर्फ यह नहीं रह जाता कि आज पंप पर कितना डीजल मिलेगा। सवाल यह है कि अगर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमत लंबे समय तक ऊंची रही, तो इस संकट का आर्थिक बोझ आखिर कौन उठाएगा? भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है। ऐसे में पश्चिम एशिया का युद्ध, समुद्री मार्गों में व्यवधान और तेल आपूर्ति में किसी भी प्रकार की रुकावट सीधे भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती है। भारत की आयातित कच्चे तेल की टोकरी की कीमत 21 सितंबर को करीब 117.4 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 का औसत करीब 66 डॉलर प्रति बैरल था। यानी भारत के लिए कच्चा तेल अचानक बेहद महंगा हो गया है। यही वह जगह है जहां असली आर्थिक दबाव शुरू होता है। आईसीआरए के अनुमान के मुताबिक मौजूदा परिस्थितियों में तेल विपणन कंपनियों को पेट्रोल पर लगभग 8 रुपये और डीजल पर लगभग 9 रुपये प्रति लीटर का विपणन घाटा हो रहा है। इस आधार पर पेट्रोल और डीजल की कीमतें लंबे समय तक मौजूदा स्तर पर बनाए रखना तेल कंपनियों के लिए भारी पड़ सकता है। लेकिन यहां एक और सवाल है–यदि कंपनियां घाटा उठा रही हैं, तो यह घाटा हमेशा कौन उठाएगा? कंपनियां? सरकार? करदाता? या अंततः वही उपभोक्ता, जिसे आज स्थिर कीमत दिखाई जा रही है लेकिन कल अचानक कीमत बढ़ने का सामना करना पड़ सकता है? यहां सरकार के सामने कठिन संतुलन है। पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ाने का सीधा असर परिवहन और महंगाई पर पड़ता है। कीमतें स्थिर रखने का अर्थ तेल कंपनियों पर आर्थिक दबाव बढ़ना है। और यदि निजी कंपनियां इस दबाव से बचने के लिए बिक्री सीमित करती हैं, तो बाजार में उपलब्धता को लेकर स्थानीय स्तर पर परेशानी पैदा हो सकती है। सबसे ज्यादा जोखिम उन लोगों के लिए है जिनकी रोजी-रोटी डीजल पर निर्भर है। एक लंबी दूरी का ट्रक 50 लीटर डीजल भरवाकर अपना काम नहीं चला सकता। बस संचालक, माल ढुलाई करने वाले वाहन, कृषि क्षेत्र के बड़े वाहन और निर्माण क्षेत्र की मशीनें भी सामान्य निजी कार की तरह ईंधन नहीं भरवातीं। यदि किसी दूरदराज के इलाके में अगले पंप तक लंबी दूरी हो और वहां भारी वाहन को पर्याप्त डीजल न मिले, तो इसका असर केवल उस ट्रक पर नहीं पड़ेगा। उसका असर माल की डिलीवरी पर पड़ेगा। माल की डिलीवरी प्रभावित होगी तो परिवहन लागत बढ़ेगी। परिवहन लागत बढ़ेगी तो थोक कीमत बढ़ेगी। और अंततः वही बढ़ी हुई लागत बाजार में आम उपभोक्ता तक पहुंचेगी। यानी पंप पर दिखाई देने वाली 50 लीटर की सीमा धीरे-धीरे सब्जी, अनाज, दूध, निर्माण सामग्री और दूसरी जरूरी वस्तुओं की कीमतों तक पहुंच सकती है। यही कारण है कि डीजल को केवल पेट्रोल पंप का मुद्दा समझना भूल होगी। यह अर्थव्यवस्था का मुद्दा है। तो तेल का संकट केवल पेट्रोल पंप तक नहीं रहेगा–वह हर भारतीय के घर के बजट तक पहुंच जाएगा।

गांव की चौपाल पर तीसरे खिलाड़ी की दस्तक, अब किसकी जमीन खिसकेगी?

जयपुर। राजस्थान में पंचायती राज चुनाव की आहट के साथ ही सियासत गांव की चौपाल तक पहुंच गई है। निकाय चुनाव के नतीजों ने भाजपा और कांग्रेस के बीच चलती आ रही पारंपरिक दोध्रुवीय राजनीति में आम आदमी पार्टी के रूप में तीसरी आवाज को जगह दे दी है। बारां नगर परिषद में 60 में से 31 सीट जीतकर आप ने कांग्रेस के 15 साल पुराने कब्जे को खत्म किया। कांग्रेस को 18 और भाजपा को 9 सीट मिलीं। अब आप ने 41 जिला परिषदों और 457 पंचायत समितियों के सभी वार्डों में उतरने का ऐलान किया है। यानी गांव-गांव दस्तक देने की तैयारी है। सवाल यह नहीं कि आप कितनी सीट जीतेगी; सवाल यह है कि वह किसके वोट में सेंध लगाएगी और किसकी चुनावी गणित बिगाड़ेगी? कांग्रेस का आप पर भाजपा की 'बी टीम' होने का आरोप इसी बेचैनी की झलक है। लेकिन राजनीति में आरोपों से ज्यादा महत्वपूर्ण जनता का फैसला होता है। पिड़ावा में कांग्रेस आठ, भाजपा छह और आप पांच सीटों पर रही, मगर अध्यक्ष पद भाजपा के खाते में गया। 20 सदस्यीय सदन में भाजपा प्रत्याशी को 12 वोट मिले। यही राजस्थान की स्थानीय राजनीति का असली व्यंग्य है–वोट किसी के, बोर्ड किसी और का! आप के लिए पंचायत चुनाव गांवों में संगठन खड़ा करने की परीक्षा है। कांग्रेस के लिए अपना पारंपरिक ग्रामीण आधार बचाने की चुनौती। भाजपा के लिए सत्ता में रहते हुए पंचायतों तक पहुंच मजबूत करने का अवसर। तीनों दल गांव की चौपाल पर अपना झंडा गाड़ना चाहते हैं, मगर अंतिम फैसला मतदाता करेगा। इस बार 105 नई पंचायत समितियों के जुड़ने से मुकाबला और व्यापक है। ऐसे में राजनीतिक दलों को जाति, आरोप और 'किसकी बी टीम' जैसे सवालों से आगे बढ़कर गांव की सड़क, पानी, रोजगार, शिक्षा और किसानों की समस्याओं पर जवाब देना होगा। क्योंकि लोकतंत्र में चौपाल किसी दल की जागीर नहीं होती। वह जनता की होती है–और इस बार जनता के सामने तीन-तीन दावेदार हैं।

नाम के आगे 'डॉक्टर' लगाकर समझदार बनने का ढोंग करने वाली बीजेपी नेत्रियों का असली चेहरा बेनकाब

देश की राजनीति में जब भी नैतिकता, संस्कार और लोकतंत्र की बड़ी-बड़ी बातें की जाती हैं, तब सबसे पहले शासक दल के नेताओं के चेहरे सामने आ जाते हैं। नाम के आगे 'डॉक्टर' या बड़ी-बड़ी पदवियां लगा लेने से कोई व्यक्ति पढ़ा-लिखा, संस्कारी या समझदार नहीं बन जाता–इस बात का जीता-जागता उदाहरण आज बीजेपी के नेता साबित कर रहे हैं। बिहार बीजेपी के नेतृत्व और पदाधिकारियों का आचरण इस बात पर मुहर लगाता है कि बीजेपी की राजनीति और असभ्य तानाशाही के बीच अब कोई फर्क नहीं रह गया है। धर्म और संस्कृति के नाम पर चलने वाली बीजेपी की गुंडागिरी सिर्फ बिहार ही नहीं, बल्कि गुजरात, मुंबई या दिल्ली–देश के किसी भी कोने में नजर डालिए, बीजेपी समर्थित तत्व और सत्ता के नशे में चूर नेता अक्सर समाज, संस्कृति और धर्म के नाम पर खुलेआम दादागिरी करते नजर आते हैं। धर्म की रक्षा करने के झूठे नाटक करके आम जनता को धमकाना, अपनी विचारधारा के खिलाफ बोलने वालों की आवाज जबरन दबाना और कानून को अपनी जेब में रखकर घूमना बीजेपी नेताओं के लिए आम बात बन गई है। सबसे शर्मनाक पहलू यह है कि ऐसी हरकतें करने वाले असामाजिक या अहंकारी तत्वों को पार्टी के भीतर से खुली राजनीतिक छतरी और प्रोत्साहन मिलता रहता है।

डिग्रियां भले बड़ी हों, पर मानसिकता तो गुंडागिरी की ही है!

यदि कोई व्यक्ति उच्च शिक्षा प्राप्त करके खुद को 'डॉक्टर' या विद्वान के रूप में पेश करती है, तो उससे सभ्यता, संयम और जनता के हित में काम करने की अपेक्षा की जाती है। लेकिन जब यही पदवीधारी नेता सत्ता के नशे में चूर होकर मनमानी पर उतर आते हैं और बीजेपी के एजेंडे के मुताबिक धर्म और जाति के नाम पर समाज में बंटवारा करने या डराने-धमकाने की राजनीति करते हैं, तो समझ लेना चाहिए कि कागज पर डिग्रियां भले बड़ी हों, पर अंदर की मानसिकता तो सिर्फ गुंडागिरी की ही है। इस तरह का नेतृत्व समाज के लिए सबसे बड़ा अभिशाप है।

सड़क पर ऑटो रिक्शा में अचानक प्रसव पीड़ा उठने पर ट्रैफिक महिला पुलिस ने चादर ओढ़ाकर कराई सफल डिलीवरी

माता और नवजात शिशु की बची अनमोल जान!

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर से खाकी वर्दी से जुड़ी एक बेहद प्रेरणादायक, संवेदनशील और गर्वित कर देने वाली घटना सामने आई है, जिसने यह साबित कर दिया है कि पुलिस सिर्फ कानून और व्यवस्था ही नहीं संभालती, बल्कि संकट के समय जरूरतमंदों के लिए फरिस्ता भी बन सकती है। शहर के गोमतीपुर इलाके में सुखराम नगर के पास हुई इस घटना ने हर किसी की आंखें नम कर दी हैं और चारों तरफ ट्रैफिक पुलिस की मानवता की प्रशंसा हो रही है।

रिक्शा में ही अचानक शुरू हो गई गंभीर प्रसव पीड़ा!

घटना के विवरण के अनुसार, गोमतीपुर इलाके में सुखराम नगर के पास एक ऑटो रिक्शा में एक गर्भवती महिला और उसकी मां सफर कर रही थीं। अचानक रास्ते में ही उस महिला को असह्य और गंभीर प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। महिला की हालत इतनी गंभीर हो गई थी कि उसे समय पर अस्पताल पहुंचाना चिकित्सीय रूप से असंभव सा हो गया था। सड़क पर आए इस संकट के पलों में परिवार बुरी तरह घबरा गया था और समझ नहीं पा रहा था कि क्या किया जाए।

ट्रैफिक पुलिस बनी फरिस्ता: WPC कुंजनबेन की त्वरित कार्रवाई

इस गंभीर और नाजुक स्थिति में उसी पॉइंट पर ड्यूटी दे रही ट्रैफिक पुलिस की महिला कर्मचारी डब्ल्यूपीसी कुंजनबेन की नजर इस परिवार पर पड़ी। कुंजनबेन ने अपनी ड्यूटी के साथ-साथ तुरंत मानवता दिखाते हुए सूझबूझ का परिचय दिया और फौरन 108 एम्बुलेंस को फोन करके बुला लिया।

108 की टीम मौके पर पहुंची और डॉक्टर द्वारा तुरंत गर्भवती महिला की जांच की गई। डॉक्टर ने स्पष्ट रूप से बताया कि महिला की हालत इतनी नाजुक है कि अब अस्पताल ले जाने का समय नहीं है, और डिलीवरी तुरंत रिक्शा के अंदर ही करवानी पड़ेगी।

चादर से सुरक्षित कवर बनाकर कराई गई सफल डिलीवरी

इस कठिन समय में ट्रैफिक पुलिस कर्मियों ने एक पल की भी देरी किए बिना अद्भुत साहस और मानवता का बेहतरीन उदाहरण पेश किया। पॉइंट पर मौजूद ट्रैफिक के अन्य कर्मचारियों और महिला पुलिस की मदद से रिक्शा के चारों तरफ चादर से एक सुरक्षित आड़ (कवर) बनाई गई, ताकि महिला की गोपनीयता बनी रहे। इसके बाद मौके पर ही कुशलतापूर्वक प्रसव कराया गया।

प्रसव सफल होने पर वहां मौजूद सभी लोगों ने राहत की सांस ली। इसके बाद तुरंत एम्बुलेंस के जरिए माता और नवजात शिशु दोनों को आगे के इलाज के लिए सुरक्षित अस्पताल पहुंचा दिया गया।

सूझबूझ और सच्चे अर्थों में जनसेवा

यदि ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने इस आपात स्थिति में सूझबूझ नहीं दिखाई होती, तो माता या नवजात शिशु के जीवन पर बड़ा खतरा मंडरा सकता था। WPC कुंजनबेन और ट्रैफिक पुलिस की इस त्वरित, सटीक और मानवता से भरी कार्रवाई के परिणामस्वरूप समय पर उचित मदद मिल गई और दो जानें बच गईं। अहमदाबाद ट्रैफिक पुलिस के इस कार्य ने आज सच्चे अर्थों में 'प्रजा के रक्षक' होने की भावना को और मजबूत कर दिया है। महानगर मेट्रो न्यूज़ पेपर ऐसे कर्तव्यनिष्ठ और संवेदनशील पुलिसकर्मियों को सलाम करता है।

राहुल गांधी ने सीएम मोहन यादव को लिखी चिट्ठी, पूछा- चार साल से क्यों रुकी हैं OBC की नियुक्तियां

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सागर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मध्य प्रदेश में ह्लपत्रिकाष्ट आरक्षण के तहत रुकी नियुक्तियों को लेकर मुख्यमंत्री मोहन यादव से जल्द कार्रवाई करने की अपील की है.मध्य प्रदेश में एक बार फिर ओबीसी आरक्षण का मुद्दा गर्मा गया है. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को चिट्ठी लिखकर राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने और इसके तहत रुकी हुई नियुक्तियों का रास्ता साफ करने की मांग की है.22 सितंबर को

लिखी चिट्ठी राहुल गांधी ने कहा कि शनिवार को इंदौर में हुए 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के दौरान मध्य प्रदेश के कई छात्रों ने शिक्षा, रोजगार और अपने भविष्य से जुड़े गंभीर मुद्दे उनके सामने रखे थे. इनमें OBC आरक्षण से जुड़ी नियुक्तियों के रुके होने का मुद्दा प्रमुख था.राहुल गांधी ने चिट्ठी में कहा कि छात्रों ने बताया कि नियुक्तियों में लंबे समय से हो रही देरी के कारण वे अपने भविष्य को लेकर परेशान हैं. इन युवाओं ने परीक्षाएं पास कर ली हैं और चयन प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है, लेकिन '87:13' फॉर्मूले के कारण OBC आरक्षण से जुड़े 13 प्रतिशत पदों को होल्ड पर रखा गया है. इसके चलते चयनित अभ्यर्थी 2022 से अपनी नियुक्ति का इंतजार कर रहे हैं.राहुल गांधी ने कहा कि सभी राजनीतिक दलों ने 27 प्रतिशत OBC आरक्षण का सर्वसम्मति से समर्थन किया था, इसके बावजूद यह मामला अब तक नहीं सुलझ पाया है. उन्होंने कहा कि नियुक्तियों में हो रही देरी के कारण अभ्यर्थियों को OBC आरक्षण लागू कराने और नियुक्ति पत्र जारी करने की मांग को लेकर बार-बार सड़कों पर उतरना पड़ रहा है.राहुल गांधी ने अपना पत्र सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर भी साझा किया. उन्होंने लिखा कि इंदौर में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के दौरान OBC वर्ग के छात्रों ने बताया कि चयन प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद 27 प्रतिशत OBC आरक्षण के तहत 13 प्रतिशत पदों पर नियुक्तियां वर्षों से रुकी हुई हैं.

पन्ना में विस्थापन और मुआवजे की मांग को लेकर उग्र हुआ किसानों का आंदोलन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। पन्ना जिले में सिंचाई और रेल परियोजनाओं से प्रभावित ग्रामीणों ने अपने आंदोलन को तेज कर नियादी ढांचा परियोजनाओं की मार झेल रहे ग्रामीणों का गुस्सा अब खुलकर सामने आ गया है। उचित विस्थापन और मुआवजे की मांग को लेकर प्रभावित गांवों के लोगों ने

अपने आंदोलन को और तेज कर दिया है। विरोध प्रदर्शन के 12वें दिन ग्रामीणों ने एक अनोखा और सांकेतिक 'सूली सत्याग्रह' शुरू किया है।दिया है। विस्थापन और मुआवजे की मांग को लेकर 12वें दिन किसानों ने सांकेतिक 'सूली सत्याग्रह' शुरू किया है, जिसमें वे सरकार के खिलाफ लगातार नारेबाजी कर रहे हैं।मझगांव, रुंझ और सिंगरौली-ललितपुर रेल लाइन जैसी कई बड़ी परियोजनाओं से प्रभावित ये ग्रामीण लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। इससे पहले वे अपनी आवाज उठाने के लिए 'चिता', 'मिट्टी' और 'जल' सत्याग्रह जैसे अनोखे प्रदर्शन भी कर चुके हैं। बुधवार को प्रदर्शनकारियों ने राज्य और केंद्र सरकारों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।आंदोलन का नेतृत्व कर रहे अमित भटनागर ने आरोप लगाया कि कई परियोजनाएं सालों से अटकी पड़ी हैं, जिससे प्रभावित गांवों के लोग विस्थापन और डूब क्षेत्र के असमंजस में जीने को मजबूर हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सभी प्रभावित परिवारों के लिए अभी तक न तो पुनर्वास की प्रक्रिया पूरी हुई है और न ही उचित मुआवजा तय किया गया है। प्रशासन और अन्य माध्यमों से आंदोलनकारियों पर दबाव बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन विस्थापित परिवार नियमों के तहत अपने हक का मुआवजा और पुनर्वास पाने के अधिकारी हैं। प्रशासन को व्यक्तिगत दावों की स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। अमित भटनागर, आंदोलन का नेतृत्वकर्ता प्रदर्शनकारियों का साफ कहना है कि वे तब तक अपना आंदोलन बंद नहीं करेंगे जब तक सरकार उनकी मांगों विस्थापन की प्रक्रिया, मुआवजे और व्यक्तिगत दावों की स्थिति पर पूरी तरह पारदर्शिता बरते ताकि उनकी अनिश्चितता खत्म हो सके।

करणावत में थाना बनाने की घोषणा की- सीएम मोहन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देवास। सीएम मोहन यादव ने सेवा संकल्प बाइक यात्रा के राइडर्स से वर्चुअली संवाद किया है। यह बाइक यात्रा वड़नगर से वाराणसी तक निकाली जा रही है। दूसरी ओर, सीएम यादव 24 सितंबर को पुंजापुरा में ही आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन के 35.42 लाख हितग्राहियों के खातों में 212.57 करोड़ की राशि सिंगल क्लिक से

ट्रांसफर की। उन्होंने कहा कि करणावत में पुलिस सहायता केंद्र को पुलिस थाना बनाया जाएगा। पुलिस जवानों के लिए आवास बनाए जाएंगे, साथ ही शासकीय गोदाम के राशि दी जाएगी।दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर वडनगर से वाराणसी के लिए सेवा संकल्प बाइक यात्रा निकाली गई। इस दौरान पुंजापुरा में मुख्यमंत्री यादव की उपस्थिति में राइडर दीपेश गोटी ने प्रधानमंत्री मोदी से अब तक की अपनी यात्रा के अनुभव साझा किए। शाजापुर जिले के निवासी गोटी ने बताया कि यात्रा के दौरान अन्य राज्यों के युवाओं से दूसरी भाषाएं सीखने और उनकी संस्कृति से परिचित होने का अवसर मिला है। रास्ते में पीएम आवास के हितग्राहियों से मुलाकात हुई। विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को नमो ऐप से जोड़ा जा रहा है।प्रधानमंत्री मोदी के वड़नगर में स्थानीय लोगों से संपर्क बढ़ाने के सवाल पर गोटी ने बताया कि उन्होंने अपने व्यापार-व्यवसाय की दृष्टि से कुछ स्थानीय लोगों के मोबाइल नंबर लिए हैं। इस पर प्रधानमंत्री मोदी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह अच्छी बात है। अब मध्यप्रदेश का भी मिजाज बदल रहा है। प्रदेश के युवा व्यापार और स्वरोजगार में रुचि दिखा रहे हैं। मध्यप्रदेश के युवा भी गुजराती और मारवाड़ियों की तरह जहां जाएं, वहां व्यापार के अवसर खोज रहे हैं। मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर वड़नगर से वाराणसी तक युवाओं की बाइक यात्रा निकाली जा रही है। आज मध्यप्रदेश के देवास में इस सेवा यात्रा के सदस्यों से मिलकर उनके अनुभव साझा किए। यात्रा के दौरान सेवा, जनसंवाद और राष्ट्रीय एकता से जुड़े संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न गतिविधियां भी आयोजित की जा रही हैं। हमारी संस्कृति में प्राचीन काल से यात्राओं का विशेष महत्व रहा है। एकात्मा के लिए सनातन संस्कृति में यात्राएं निकाली जाती रही हैं।सीएम मोहन यादव ने कहा कि देवास का बागली हमारे तपोनिष्ट नेता कैलाश जोशी का क्षेत्र रहा है। जनसंघ के दौर में कोई भी चुनाव हुआ हो, स्व. जोशी की जीत पक्की रहती थी। जनसंघ और भाजपा के कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम से ही आज हमारी यात्रा यहां तक पहुंची है। प्रधानमंत्री मोदी तीन बार गुजरात के मुख्यमंत्री रहे। अब तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री पद का दायित्व संभाल रहे हैं। उनके नेतृत्व में गुजरात के बाद अब देश बदल रहा है।

वाराणसी में जायका रेस्टोरेंट पर बुलडोजर चला सड़क चौड़ीकरण के बीच VDA का एक्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वाराणस। वाराणसी के कचहरी चौराहे पर जायका रेस्टोरेंट के अवैध निर्माण को लेकर ड्ढ्ढ ने बुलडोजर कार्रवाई शुरू की है. पहले नोटिस के बावजूद निर्माण नहीं हटाए जाने पर पुलिस सुरक्षा के बीच कार्रवाई की जा रही है. यह कार्रवाई सड़क चौड़ीकरण योजना के तहत की जा रही है. दरअसल, कचहरी से संदहा चौराहे तक सड़क चौड़ी की जाएगी.उत्तर प्रदेश के वाराणसी में अवैध निर्माण के खिलाफ ड्ढ्ढ ने बुलडोजर कार्रवाई शुरू की है. कैंट थाना क्षेत्र के कचहरी चौराहे पर स्थित जायका रेस्टोरेंट में यह कार्रवाई की जा रही है. ड्ढ्ढ ने रेस्टोरेंट के निर्माण को अवैध बताते हुए पहले ही नोटिस जारी किया था. जायका रेस्टोरेंट का आरोप है कि नोटिस के बावजूद निर्माण खुद से नहीं हटाया गया. इसके बाद VDA की टीम मौके पर पहुंची और बुलडोजर से कार्रवाई शुरू की. कार्रवाई के दौरान मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है. ड्ढ्ढ की टीम अवैध बताए जा रहे निर्माण को हटाने में जुटी है. पुलिस की मौजूदगी में कार्रवाई की जा रही है. इलाके में सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ा दी गई है.दरअसल, जायका रेस्टोरेंट एक मुस्लिम व्यापारी का बताया जा रहा है. ड्ढ्ढ की ओर से पहले ही निर्माण को लेकर नोटिस दिया गया था. नोटिस में निर्माण हटाने के लिए कहा गया था. निर्माण नहीं हटाए जाने के बाद अब प्राधिकरण ने बुलडोजर चलाया है.

कचहरी से संदहा चौराहे तक होना है चौड़ीकरण

यह कार्रवाई कचहरी चौराहे के आसपास सड़क चौड़ीकरण की योजना से भी जुड़ी है. कचहरी से संदहा चौराहे तक सड़क का चौड़ीकरण होना है. इसी के तहत रास्ते में आने वाले निर्माण को लेकर कार्रवाई की जा रही है. VD की टीम मौके पर मौजूद है. बुलडोजर की मदद से निर्माण हटाया जा रहा है. कार्रवाई के दौरान किसी तरह की स्थिति न बिगड़े, इसके लिए पुलिस बल तैनात किया गया है.फिलहाल मौके पर ड्ढ्ढ की कार्रवाई जारी है. प्राधिकरण की ओर से पहले जारी किए गए नोटिस और उसके बाद की कार्रवाई को लेकर टीम निर्माण से जुड़े दस्तावेज भी देख रही है. प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद इलाके में हलचल बढ़ गई है. यह कार्रवाई कचहरी चौराहे के आसपास सड़क चौड़ीकरण की योजना से भी जुड़ी है. कचहरी से संदहा चौराहे तक सड़क का चौड़ीकरण होना है. इसी के तहत रास्ते में

आने वाले निर्माण को लेकर कार्रवाई की जा रही है. VD की टीम मौके पर मौजूद है. बुलडोजर की मदद से निर्माण हटाया जा रहा है.

सात साल की वैष्णवी जाते-जाते दे गई बड़ी सीख, अब पूरे बलरामपुर में डीजे बैन करने की उठ रही मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बलरामपुर। उत्तरप्रदेश के बलरामपुर जिले के डिवाइन पब्लिक स्कूल की दूसरी कक्षा की छात्रा वैष्णवी तिवारी की गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान डीजे बजने से तबीयत खराब होने के बाद मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने अब बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने डीजे संचालक और ऑपरेटर को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने इसके साथ ही घटना में इस्तेमाल की गई पिकअप गाड़ी, डीजे साउंड सिस्टम और उसे जुड़े उपकरण को बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, स्कूल के प्रबंधक आशीष कुमार उपाध्याय की तहरीर पर कोतवाली नगर थाने में चंद्र प्रकाश वर्मा और रामपाल सैनी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने अब दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

सीसीटीवी फुटेज जांच के लिए सुरक्षित

इस घटना के बाद पुलिस ने स्कूल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल कर विवेचना के लिए सुरक्षित कर लिया है। पुलिस फुटेज के जरिए यह पता लगा रही है कि विसर्जन जुलूस स्कूल के पास किस समय पहुंचा और उस समय डीजे की स्थिति क्या थी। इसके साथ ही पुलिस जुलूस के दौरान इस्तेमाल किए गए साउंड सिस्टम की स्थिति और भूमिका से जुड़े तथ्यों को अपनी विवेचना में शामिल करेगी।

चौकी प्रभारी निलंबित, इंस्पेक्टर को नोटिस

इस मामले में पुलिस की स्थानीय निगरानी में लापरवाही सामने आने पर मेवालाल चौकी प्रभारी शैलेंद्र कुमार यादव को निलंबित कर दिया गया है। वहीं, कोतवाली नगर के प्रभारी निरीक्षक संतोष मिश्रा को शिथिल पर्यवेक्षण के आरोप में कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है।

डीजे पर बैन की तैयारी

इस घटना के बाद जिले में डीजे पर पूरी तरह से बैन लगाने की कवायद शुरू हो गई है। नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष डॉ. धीरेंद्र प्रताप

सिंह समेत दूसरे सामाजिक और धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने बुधवार को बलरामपुर डीएम से मुलाकात की। उनकी डिमांड है कि धार्मिक जुलूसों में डीजे के इस्तेमाल पर पूरी तरह से बैन लगाया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने बलरामपुर को यूपी का पहला डीजे मुक्त जिला बनाने का प्रस्ताव सौंपा।

बच्चों और बुजुर्गों को होती है परेशानी

इन संगठनों का कहना है कि जुलूसों में तेज डीजे के बजने से बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को काफी समस्या होती है। उनका कहना है कि अब सिर्फ ध्वनि की सीमा निर्धारित करने के बजाय डीजे पर पूरी तरह से बैन लगाया जाए।

'पिता मस्कट में, बेटा ओमान में... और आ गई मौत की खबर', 12वीं पास कर विदेश गए सूरज की हवाई हमले में जान गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देवरिया ।देवरिया के करमाजीतपुर गांव के रहने वाले 23 साल के सूरज यादव की ओमान में एक हवाई हमले में मौत हो गई है. यह हमला ओमान के पूर्वी तट पर एक जहाज पर हुआ. सूरज करीब डेढ़ महीने पहले ही परिवार की आर्थिक हालत सुधारने के मकसद से फ्लाइट से ओमान गए थे. इस खबर के आते ही उनके घर और पूरे गांव में मातम छा गया है.सूरज ओम प्रकाश यादव के

चार बेटों में सबसे बड़े थे और अभी उनकी शादी नहीं हुई थी. गौरीबाजार थाना क्षेत्र के करमाजीतपुर गांव में उनका परिवार संयुक्त रूप से रहता है. बारहवीं की पढ़ाई पूरी करने के बाद सूरज ने विदेश जाकर कमाने का फैसला लिया था, ताकि घर के हालात बेहतर हो सकें. करीब एक महीना दस दिन पहले ही वे ओमान पहुंचे थे. लेकिन हवाई हमले में उनकी जान चली गई, जिसकी खबर मिलते ही घर में चीख पुकार मच गई.सूरज की मां पुष्पा देवी, दादी पाना देवी और दादा रमा यादव का बुरा हाल है और वे लगातार रो रहे हैं. उनके पिता ओम प्रकाश यादव खुद मस्कट में नौकरी करते हैं और घटना के समय वहीं मौजूद थे. बेटे की मौत की खबर सुनते ही वे भी घर के लिए रवाना हो गए हैं. घर में दादा, मां और सूरज के तीन छोटे भाइयों के साथ पूरा परिवार रहता है. भाई सनी यादव कक्षा दस में, समीर यादव कक्षा नौ में और सबसे छोटे भाई साहिल भी अभी स्कूल में ही पढ़ाई कर रहे हैं.गांव और आसपास के इलाकों से लोग परिवार को सांत्वना देने के लिए लगातार उनके घर पहुंच रहे हैं. घटना की सूचना मिलते ही गौरीबाजार पुलिस भी परिवार से बातचीत करने के लिए मौके पर पहुंची.सूरज के चाचा अवधेश यादव ने बताया कि सूरज बेहतर जिंदगी और परिवार की माली हालत सुधारने के लिए ही विदेश गए थे. उन्होंने प्रशासन और सरकार से अपील की है कि सूरज के पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द उनके घर भेजा जाए, ताकि परिवार अंतिम संस्कार कर सके. साथ ही परिवार ने सरकार से हर संभव मदद की मांग भी की है, ताकि इस मुश्किल घड़ी में उन्हें सहारा मिल सके.

गणेश विसर्जन के दौरान बेतवा में बहने लगा युवक, गोताखोरों ने नदी में छलांग लगाकर बचाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

निवाड़ी। ओरछा में गणेश विसर्जन के दौरान झांसी से आया युवक बेतवा नदी के तेज बहाव में बहने लगा. पानी में डूबते युवक को देखकर मौके पर अफरा-तफरी मच गई. ओरछा पर्यटक चौकी प्रभारी समेत पुलिसकर्मियों और स्थानीय गोताखोरों ने तुरंत नदी में छलांग लगाई और युवक को पानी से बाहर निकाल लिया. समय रहते रेस्क्यू होने से बड़ा हादसा टल गया. मध्य प्रदेश के निवाड़ी जिले के ओरछा में गणेश विसर्जन के दौरान बुधवार शाम बड़ा हादसा होते-होते टल गया. गणेश प्रतिमा के विसर्जन के लिए बेतवा नदी पहुंचे एक युवक का अचानक पैर पानी में डूबने लगा और देखते ही देखते वह नदी के तेज बहाव में बहने लगा. युवक को पानी में बहता देख मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई.युवक को बचाने के लिए पुलिस और स्थानीय गोताखोरों ने बिना देर किए नदी में छलांग लगा दी. संयुक्त प्रयास के बाद युवक तक पहुंचकर उसे पानी से बाहर निकाल लिया गया. समय रहते हुए इस रेस्क्यू के कारण युवक की जान बच गई. जानकारी के मुताबिक, घटना बुधवार शाम करीब सवा सात बजे ओरछा की बेतवा नदी की है. झांसी निवासी हनी वंशकर गणेश प्रतिमा के विसर्जन के लिए ओरछा पहुंचे थे. इसी दौरान वह नदी के पानी में उतरने के बाद अचानक डूबने लगे. पानी में डूबते ही युवक ने खुद को बाहर निकालने की कोशिश की. वह पानी से बाहर आने के लिए छटपटाता रहा, लेकिन नदी का बहाव तेज होने के कारण उसका प्रयास सफल नहीं हो सका. इसके बाद पानी का बहाव उसे अपने साथ दूर ले जाने लगा. युवक को इस तरह नदी में बहते देखकर आसपास मौजूद लोगों को कुछ समझ नहीं आया. मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया. इसी दौरान वहां मौजूद पुलिसकर्मियों और स्थानीय गोताखोरों ने युवक को बचाने की कोशिश शुरू कर दी.ओरछा पर्यटक चौकी प्रभारी एसआई इंद्रपाल, आरक्षक हृदेश सेन, आरक्षक जितेंद्र माहेली सैनिक और स्थानीय गोताखोर सचिन यादव तथा रविकांत केवट ने बिना समय गंवाए नदी में छलांग लगा दी. पुलिसकर्मियों और गोताखोरों ने मिलकर युवक तक पहुंचने का प्रयास किया. संयुक्त टीम आखिरकार युवक तक पहुंच गई. उसे नदी के पानी से बाहर निकाला गया. इस तरह समय रहते युवक का जीवित रेस्क्यू कर लिया गया. पुलिस और स्थानीय गोताखोरों की तत्परता से एक बड़ा हादसा टल गया.बताया जा रहा है कि हनी वंशकर झांसी से गणेश विसर्जन के लिए ओरछा आए थे. विसर्जन के दौरान ही वह नदी के तेज बहाव की चपेट में आ गए और पानी में बहने लगे. घटना के दौरान सबसे बड़ा खतरा यह था कि युवक लगातार पानी के बहाव के साथ दूर जा रहा था. वह खुद पानी से बाहर निकलने की कोशिश कर रहा था, लेकिन सफल नहीं हो पा रहा था. ऐसे समय में पुलिसकर्मियों और स्थानीय गोताखोरों ने तुरंत

नदी में उतरकर रेस्क्यू शुरू किया.

समय रहते युवक को पानी से बाहर निकाला

मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों और गोताखोरों की तेजी से की गई कार्रवाई के कारण युवक को समय रहते पानी से बाहर निकाल लिया गया. युवक का जीवित रेस्क्यू होने के बाद बड़ा हादसा टल गया. ओरछा में गणेश विसर्जन के दौरान हुई इस घटना में पुलिसकर्मियों और स्थानीय गोताखोरों की तत्परता ने एक युवक की जान बचा ली. नदी के तेज बहाव में बह रहे युवक को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया.

पेड़ से लटका मिला 10 दिन पुराना शव... बिजनौर में मचा हड़कंप, पहचान नहीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बिजनौर। बिजनौर में गांव वालों को पेड़ से लटका एक शव मिला, जिसे पुलिस ने करीब 10 दिन पुराना बताया. मृतक की पहचान अब तक नहीं हुई है और मौत की वजह जानने के लिए शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है.बिजनौर में एक पेड़ से शख्स का शव लटका मिलने से हड़कंप मच गया. ग्रामीणों ने शव को पेड़ पर लटका देखा तो आसपास के लोग मौके पर जुट गए और पुलिस को सूचना दी. पुलिस ने

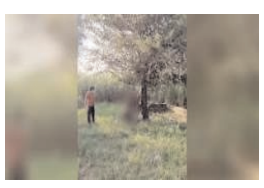

मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतारा और जांच शुरू की.शव की हालत देखकर पुलिस का शुरुआती अनुमान है कि यह करीब 10 दिन पुराना है. काफी समय तक पेड़ पर लटके रहने की वजह से शव सड़ने लगा था. हालांकि, मृतक कौन है और उसकी मौत किन हालात में हुई, इसका अभी पता नहीं चल सका है. पुलिस आसपास के गांवों और दूसरे इलाकों में जानकारी जुटाकर मृतक की पहचान करने की कोशिश कर रही है.पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत की वजह को लेकर स्थिति साफ होने की उम्मीद है. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है.बिजनौर में पिछले हफ्ते भी एक अलग मामले में गन्ने के खेत से एक महिला का शव मिला था. महिला के शरीर पर जलने के निशान थे और उसके गले में दुपट्टा बंधा हुआ था. पुलिस को शक था कि उसकी गला घोंटकर हत्या की गई.बिजनौर में मस्जिद के नीचे कुआं होने का दावा! हनुमान चालीसा पढ़ने का ऐलान, भारी पुलिस बल तैनातपुलिस के मुताबिक महिला की उम्र करीब 25 साल थी. उसके शव के पास दो साल की एक बच्ची रोती हुई मिली थी.

एक पहिए पर बाइक दौड़ाकर बनाई रील, साइबर सेल से कुंडली लेकर घर पहुंच गई पुलिस, शॉक्ड हो गया 19 साल का लड़का

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बड़वानी । सोशल मीडिया पर लाइक्स और फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए सड़क पर खतरनाक मोटरसाइकिल स्टंट करना बड़वानी के 19 वर्षीय युवक को भारी पड़ गया। युवक का एक पहिए पर मोटरसाइकिल चलाते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद बड़वानी पुलिस ने साइबर सेल की मदद से उसकी पहचान कर ली और उसके खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालानी कार्रवाई की। पुलिस के मुताबिक, करीब तीन दिन पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें एक युवक सड़क पर मोटरसाइकिल को एक पहिए पर चलाते हुए खतरनाक स्टंट करता दिखाई दे रहा था। युवक ने न केवल स्टंट कराया, बल्कि उसका वीडियो शूट करवाकर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी अपलोड किया था।वीडियो सामने आने के बाद पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ल ने सोशल मीडिया पर खतरनाक तरीके से वाहन चलाने और स्टंट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। बड़वानी थाना प्रभारी बलजीत सिंह बिसेन ने वायरल वीडियो की जांच शुरू कराई।साइबर सेल ने वीडियो में दिखाई दे रहे युवक की पहचान अश्विन पिता अमरसिंह जाधव (19), निवासी ग्राम ओझर, तहसील निवाली, जिला बड़वानी के रूप में की। पुलिस ने उसके खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत कुल 4,300 रुपये का चालान किया।पुलिस के अनुसार, कार्रवाई में बिना हेलमेट वाहन चलाने, तेज गति, खतरनाक तरीके से वाहन चलाने, बिना लाइसेंस वाहन चलाने और अनधिकृत व्यक्ति को वाहन चलाने देने से संबंधित उल्लंघन

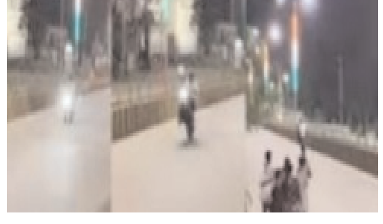

शामिल हैं। पुलिस ने युवाओं से अपील की है कि सोशल मीडिया पर कुछ लाइक्स और फॉलोअर्स हासिल करने के लिए अपनी और दूसरों की जान खतरे में न डालें। पुलिस ने कहा कि सड़कें स्टंट करने के लिए नहीं हैं और भविष्य में सोशल मीडिया पर इस तरह के खतरनाक स्टंट के वीडियो सामने आने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

'मुंह नुचुआ तो सुना था अब चुनाव मुचुआ आ गए हैं', अखिलेश यादव का बड़ा हमला, कहा- अब त्यागपत्र ही चाहिए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग पर हमला किया है। अखिलेश यादव ने सीधे त्यागपत्र देने की मांग की है। अखिलेश ने एक्स पर लिखा कि 'मुँह नुचुआ' तो सुना था अब 'चुनाव मुचुआ' आ गये हैं। अब एक देश का एक मत, भ्रष्ट 'मुचुआ' दें त्यागपत्र। अखिलेश ने आगे कहा कि बाक़ी मतलब समझने के लिए जेन जी और जागरूक हो चुकी जनता बहुत समझदार है।अखिलेश यादव मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार गुप्ता और केंद्रीय चुनाव आयोग की भूमिका

को लेकर पहले ही कई गंभीर सवाल उठा चुके हैं। अखिलेश यादव ने मांग की थी कि यूपी विधानसभा चुनाव 2027 मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार गुप्ता की देखरेख में न करवाया जाए। उनके फैसलों का चुनाव आयोग के अन्य अधिकारी भी आपत्ति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग का व्यवहार लोकतंत्र के लिए घातक है।उन्होंने आरोप लगाया था कि यूपी विधानसभा चुनाव 2022 में भी चुनाव ने पक्षपात किया और जिन जगहों पर सपा के वोटर थे उन्हें चिह्नित कर वोटर लिस्ट से हटा दिया गया। कहा कि जब इस पर एफिडेविड के साथ शिकायत की तब भी किसी अधिकारी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। अखिलेश यादव ने इससे पहले एक खबर का हवाला देते हुए भी निर्वाचन आयोग में चुनाव आयुक्तों के आपत्ति दर्ज कराने पर सवाल खड़े किए थे।

mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो
अहमदाबाद, (शुक्रवार) 25 सितंबर 2026

'न माफी मांगूंगा, न पीछे हटूंगा...' आदित्य ठाकरे ने दिशा सालियान के पिता को दिया जवाब

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ने दिशा सालियान के पिता सतीश सालियन द्वारा भेजे गए ?500 करोड़ के मानहानि नोटिस का जवाब दिया है. ठाकरे ने साफ कहा कि वे न तो माफी मांगेंगे और न ही पोस्ट हटाएंगे. शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ने दिशा सालियान के पिता सतीश सालियन द्वारा भेजे गए ?500 करोड़ के मानहानि के नोटिस का जवाब दिया है. यह नोटिस महाराष्ट्र के पूर्व कैबिनेट मंत्री के बयानों और कोर्ट में पेश किए गए कुछ तर्कों और हलफनामे के आधार पर भेजा गया था. आदित्य ठाकरे ने साफ कह दिया है कि वे कोई माफी नहीं मांगेंगे. आदित्य ठाकरे ने कहा, 'न तो मैं पोस्ट हटाऊंगा और न ही कोई माफ़ी मांगूंगा.' सतीश सालियन ने अपने वकील नीलेश ओझा के ज़रिए आदित्य ठाकरे पर कई आरोप लगाए थे. उन्होंने ठाकरे के 'कुछ पार्टियां सालियान का इस्तेमाल कर रही हैं' वाले बयान को बेबुनियाद और मानहानि करने वाला बताया है. बता दें, सालियान के मानहानि नोटिस में आदित्य ठाकरे के अलावा, महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख का नाम भी शामिल था. आदित्य ठाकरे के वकील ने कहा, 'नीलेश ओझा सालियन को समझाएं कि वे नोटिस और उसमें शामिल सभी आरोपों और मांगों को तुरंत वापस लें, और किसी भी हाल में, इस जवाब को मिलने के सात दिनों के भीतर ऐसा करें. अगर आपके क्लाइंट फिर भी यहां नकारे गए आरोपों के आधार पर कोई कार्रवाई शुरू करते हैं, तो मेरे क्लाइंट उनका मजबूती से मुकाबला करेंगे और कानून के तहत उपलब्ध सभी उपायों का इस्तेमाल करेंगे, जिसमें उचित राहत और खर्च की वसूली शामिल है. ' आदित्य ठाकरे के वकील ने इस बात पर जोर दिया कि ठाकरे अब भी इस बात पर कायम हैं कि वे कभी दिशा सालियान से नहीं मिले और न ही उन्हें जानते हैं. आदित्य ठाकरे के वकील के हवाले से कहा गया कि वे अपने खिलाफ फैलाए गए गंभीर आरोपों को खारिज करते हैं और चाहते हैं कि इस मामले में स्वतंत्र जांच हो. आदित्य ठाकरे के वकील ने कहा है कि वे न ही माफी मांगेंगे और न ही कोई सुधार करेंगे या भुगतान करेंगे.

किसी दुखी पिता के साथ निजी बहस में नहीं पड़ेंगे

उन्होंने कहा, 'मेरे क्लाइंट के शब्दों को तोड़-मरोड़कर पेश करना बंद करें.' सालियान की ?500 करोड़ की मांग का ज़िक्र करते हुए आदित्य ठाकरे के वकील ने इसे बेतुका और मनमाना बताया. आदित्य ठाकरे के वकील ने कहा, 'मेरे क्लाइंट अपनी पोस्ट के हर शब्द पर कायम हैं. कोई मुआवज़ा या हर्जाना देय या भुगतान योग्य नहीं है.' आदित्य ठाकरे के वकील का कहना है कि सतीश सालियन ने अपनी बेटी की मौत के फौरन बाद और बाद के समय में जो सार्वजनिक बयान दिए, उनमें काफ़ी अंतर है. आदित्य ठाकरे ने कहा कि वे किसी दुखी पिता के साथ निजी बहस में नहीं पड़ेंगे. उनका कहना है कि वे इस बात पर कोई अटकलें नहीं लगाएंगे कि सालियन परिवार ने 2020 में कहा था कि उन्हें पुलिस जांच से कोई शिकायत नहीं है, लेकिन बाद में उनका रुख क्यों बदल गया.

वकीलों के विरोध के बाद बड़ा फैसला, नए चालान सिस्टम पर अस्थायी रोक लगाई गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। दिल्ली सरकार ने वकीलों की आपत्तियों के बाद 14 सितंबर की अधिसूचना के तहत नए ट्रैफिक चालान सिस्टम के अमल पर फिलहाल रोक लगा दी है। संशोधित नियमनई दिल्लीः ट्रैफिक चालानों के निपटारे के लिए दिल्ली में लागू किए गए नए सिस्टम पर फिलहाल अस्थायी रोक लग गई है। वकीलों ने सोमवार को इसके खिलाफ दिल्ली की सातों जिला अदालतों में कामकाज का बहिष्कार करते हुए विरोध प्रदर्शन किया था। बुधवार को वकीलों की को-ऑर्डिनेशन कमिटी के प्रतिनिधिमंडल ने इस मुद्दे पर परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह से मुलाकात की। वकीलों का विरोध सेंट्रल मोटर वीइकल रूल्स में किए गए हालिया बदलावों को लेकर है।इसमें चालान पर फैसला लेने का अधिकार न्यायिक मजिस्ट्रेटों के बजाय प्रशासनिक अधिकारियों को दिए जाने से वकीलों को सख्त आपत्ति थी। स्ष्ठरू ट्रांसपोर्ट और फूड एंड सप्लाई विभाग के अधिकारियों को चालान से जुड़ी आपत्तियों पर फैसला करने का अधिकार दे दिया गया था। परिवहन मंत्री ने बताया कि जब तक अधिवक्ताओं की ओर से उठाए गए मुद्दों की परिवहन विभाग जांच नहीं कर लेता, तब तक 14 सितंबर को जारी अधिसूचना के क्रियान्वयन को रोक लगा दी गई है। वहीं, वकीलों ने गुरुवार को प्रस्तावित हड़ताल टाल दी है।वकीलों ने नए सिस्टम में चालान की आपत्ति खारिज होने के बाद अदालत का रुख करने से पहले चालान की 50 प्रतिशत राशि जमा करने की शर्त पर भी आपत्ति जताई है। संशोधित नियम 167 के तहत वाहन मालिक को चालान जारी होने के 45 दिनों के भीतर तय प्राधिकरण के सामने आपत्ति दर्ज कराने का प्रावधान है। अगर आपत्ति खारिज होती है तो अदालत जाने के लिए 50 प्रतिशत राशि जमा करनी होगी। सरकार ने फिलहाल 14 सितंबर की अधिसूचना के अमल पर रोक लगाकर वकीलों की आपत्तियों की जांच का फैसला किया है।दिल्ली सरकार ने वकीलों की आपत्तियों के बाद 14 सितंबर की अधिसूचना के तहत नए ट्रैफिक चालान सिस्टम के अमल पर फिलहाल रोक लगा दी है। संशोधित नियम 167 में चालान पर आपत्ति के निपटारे के लिए प्रशासनिक अधिकारियों की भूमिका और कोर्ट जाने से पहले 50' राशि जमा करने का प्रावधान है।

'गंदी बातें, गाली-गलौज और फिर कार से पीछा!' दिल्ली में कोचिंग छात्र सुरक्षा पर उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। दिल्ली के मुखर्जी नगर में एक छात्रा ने आरोप लगाया कि सफारी गाड़ी में सवार युवकों ने उसके साथ बदतमीजी की और उसे गाड़ी में खींचने की कोशिश की. घटना 23-24 सितंबर की रात हकीकत पार्क के पास हुई. पुलिस ने कार नंबर के आधार पर जांच की तो पता चला कि गाड़ी नमन नाम का युवक चला रहा था, जिसके साथ दो-तीन और लोग भी थे. दिल्ली के मुखर्जी नगर इलाके से एक बड़ी खबर सामने आई है, जहां एक छात्रा ने आरोप लगाया है कि कार सवार एक युवक ने उसके साथ बदतमीजी की, गंदी बातें कहीं और उसे जबरदस्ती गाड़ी में खींचने की कोशिश की. इस पूरे मामले में दिल्ली पुलिस ने तुरंत एक्शन लेते हुए FIR दर्ज कर ली है और आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया है. घटना का एक वीडियो भी छात्रा ने सोशल मीडिया पर जारी किया है, जिसके बाद यह मामला और तेजी से चर्चा में आ गया है.पूरा मामला 23 और 24 सितंबर की दरमियानी रात का है. रात करीब साढ़े नौ बजे मुखर्जी नगर के हकीकत पार्क के पास यह घटना हुई. एक छात्रा ने पुलिस को लिखित शिकायत दी कि सफारी गाड़ी में सवार लड़कों ने पहले उस पर कमेंट पास किए और गाली गलौज की.इसके बाद कार वाले ने छात्रा और उसकी दोस्त का पीछा करना शुरू कर दिया. आरोप है कि आरोपी ने उन्हें जबरदस्ती गाड़ी में खींचने की भी कोशिश की, जिससे दोनों लड़कियां बुरी तरह डर गईं.शिकायत मिलते ही पुलिस हरकत में आई और जांच शुरू कर दी. जांच के दौरान पता चला कि जिस गाड़ी का नंबर DL 11CF4447 था, उसका मालिकाना हक किसी और के नाम पर है, लेकिन घटना के वक्त गाड़ी नमन नाम का युवक चला रहा था, जो अनिल कुमार का बेटा है.उसके साथ गाड़ी में दो-तीन और लड़के भी मौजूद थे. इस जानकारी के आधार पर मुखर्जी नगर थाने में FIR नंबर 390/26 दर्ज की गई है. यह मामला भारतीय न्याय संहिता यानी BNS की धारा 78, 79 और 3(5) के तहत दर्ज हुआ है, जो छेड़छाड़ और महिला की गरिमा से जुड़े मामलों में लगाई जाती हैं.

नौकरी का झांसा, नशीली चीज खिलाकर रेप, फिर महिला को ब्लैकमेल करता रहा शख्स

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। पूर्वी दिल्ली से एक भयानक मामला सामने आया है. मंडावली में एक शख्स ने नौकरी दिलाने का झांसा देकर 41 साल एक महिला के साथ दुष्कर्म किया. इसके बाद उसकी आपत्तिजनक वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल करने लगा. पीड़िता ने अपनी शिकायत में ये भी बताया कि आरोपी दीपक बंसल गणेश नगर का रहने वाला है. करीब दो साल पहले दोनों की जान-पहचान हुई थी और आरोपी ने उसे अच्छी नौकरी लगवाने का वादा किया था. पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, पीड़िता ने बताया कि 4 मार्च को दीपक बंसल उससे नौकरी के सिलसिले में मिलने आया था. उसी दौरान उसने महिला को कोई नशीली चीज खिला दी, जिससे वो बेहोश हो गई. इसके बाद आरोपी ने उसकी बेहोशी का फायदा उठाते हुए उसके साथ दुष्कर्म किया और इसका वीडियो बना लिया. पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया गया है और फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है. जब होश आने पर महिला ने इस हरकत का विरोध किया, तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट की और वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी. पीड़िता ने ये भी आरोप लगाया कि आरोपी ने उसकी सोने की चूड़ियां, अंगूठी और चेन भी जबरन हड़प लीं. आरोपी ने महिला को डराने के लिए कहा कि पुलिस विभाग में उसकी तगड़ी पहुंच है. उसने पीड़िता को धमकी दी कि अगर उसने इस बारे में किसी को भी बताया या पुलिस में शिकायत की, तो वो उस पर तेजाब फेंक देगा और जान से मार डालेगा. आरोपी की धमकियों से सहमी महिला लंबे समय तक चुपचाप रही और डर के मारे किसी को कुछ नहीं बता पाई. लेकिन जब आरोपी की तरफ से लगातार उत्पीड़न और प्रताड़ना बढ़ती गई, तो पीड़िता ने हिम्मत जुटाई और पुलिस के पास जाकर अपनी आपबीती सुनाई. दिल्ली पुलिस ने महिला की शिकायत पर मंडावली थाने में 22 सितंबर को संबंधित गंभीर धाराओं के तहत FIR दर्ज कर ली है. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी घटना के बाद से ही फरार चल रहा है, जिसकी तलाश में पुलिस की कई टीमें संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही हैं. इसके साथ ही, पीड़िता को काउंसलिंग भी दी गई है ताकि वो ट्रॉमा से उबर सके. पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है.

BigBasket आउटलेट का लाइसेंस रद्द! पुणे में FDA की बड़ी रेड, एक्सपायर्ड फूड और गंदगी मिलने पर 8 होटलों-दुकानों पर गिरी गाज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे . महाराष्ट्र पुणे में त्योहारी सीजन से पहले फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने बड़ी कार्रवाई की है. FDA ने पुणे डिवीजन में 41 जगहों पर छापेमारी करके आठ होटल, रेस्टोरेंट और बेकरी जैसे फूड बिजनेस के लाइसेंस सस्पेंड कर दिए हैं. इसके अलावा मिलावट और गलत लेबलिंग के शक में 23.89 लाख रुपये का खाना जब्त किया गया है. वहीं प्रतिबंधित फूड प्रोडक्ट्स को लेकर सात जगहों पर अलग से कार्रवाई की गई, जिसमें 1.18 करोड़ रुपये का स्टॉक जब्त हुआ है. इस पूरी कार्रवाई में चार FIR दर्ज हुई हैं और छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है. जिन कंपनियों पर एक्शन लिया गया है, उनमें बिगबास्केट का पुणे के कर्वे रोड वाला स्टोर भी शामिल है, जिसे इनोवेटिव रिटेल कॉन्सेप्ट्स प्राइवेट लिमिटेड चलाती है. 22 सितंबर से इस स्टोर का रिटेल फूड लाइसेंस सस्पेंड कर दिया है. जांच के दौरान अधिकारियों को यहां एक्सपायर हो चुके और खराब हो चुके प्रोडक्ट्स मिले. इसके अलावा कीड़े-मकोड़ों की मौजूदगी और सामान को सही तरीके से न रखे जाने के सबूत भी मिले. साथ ही, टेंपरेचर कंट्रोल और कोल्ड चेन मेंटेनेंस में भी कमियां पाई गईं. FDA पुणे डिवीजन के ज्वाइंट कमिश्नर डी. वी. भोगावडे ने बताया कि यह सभी खामियां फूड सेफ्टी रूल्स के शेड्यूल-4 के नियमों के खिलाफ पाई गईं. कंपनी को 22 सितंबर को अपनी बात रखने का मौका भी दिया गया था. लेकिन जांच में मिले सबूत और कंपनी के जवाब को देखने के बाद अधिकारियों ने गंभीरता को देखते हुए लाइसेंस सस्पेंड करने का फैसला लिया. इसके अलावा

पाषाण के सुतारवाड़ी इलाके में मौजूद रंगला पंजाब रेस्टोरेंट और ताथवडे के मनीषा डोसा सेंटर पर भी सफाई और फूड सेफ्टी नियमों के उल्लंघन के चलते कार्रवाई हुई है और इनके लाइसेंस भी सस्पेंड किए गए हैं. यह पूरी कार्रवाई पुणे, सांगली, सोलापुर और कोल्हापुर में की गई है. विभाग ने साफ किया है कि जो भी दुकानदार एक्सपायर या मिलावटी खाना बेचते या रखते पाए जाएंगे.

तीन सीट वाले ऑटो में ठूंस दिए 17 स्कूली बच्चे, डिग्गी में भी बैठे मिले बच्चे, वीडियो वायरल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भिवंडी। भिवंडी में स्कूली बच्चों को ऑटो रिक्शा में ठूंसकर ले जाने का वीडियो वायरल हुआ है. रोशन बाग इलाके में तीन सवारियों की क्षमता वाले ऑटो में 17 बच्चे बैठे दिखाई दिए. कुछ बच्चे चालक के पास, 6 से 7 पिछली सीट पर और 2 से 3 बच्चे सामान रखने की जगह पर बैठे थे. ट्रैफिक पुलिस ने चालक के खिलाफ कार्रवाई की है. महाराष्ट्र के भिवंडी शहर से स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर हैरान करने वाला मामला सामने आया है. रोशन बाग इलाके में एक ऑटो रिक्शा में क्षमता से कई गुना ज्यादा स्कूली बच्चों को बैठाकर ले जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. वीडियो में एक ही ऑटो रिक्शा में 17 स्कूली विद्यार्थी सवार दिखाई दे रहे हैं. जिस ऑटो में इतनी बड़ी संख्या में बच्चों को बैठाया गया, उसकी सामान्य क्षमता सिर्फ तीन सवारियों की बताई गई है. वायरल वीडियो में बच्चों को जिस तरह ऑटो में बैठाया गया है, उसे देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि उनके लिए कितनी कम जगह बची थी. कुछ बच्चे चालक की सीट के आसपास बैठे दिखाई दे रहे हैं. वहीं पीछे की सीट पर करीब 6 से 7 बच्चे बैठे हैं. इसके अलावा 2 से 3 बच्चों को पीछे सामान रखने के लिए बनाई गई जगह में बैठाया गया था. इस तरह पूरे ऑटो में बच्चों को इस तरह बैठाया गया था कि उनके लिए पर्याप्त जगह तक नहीं थी. वीडियो में ऑटो के अंदर बच्चों की संख्या इतनी अधिक दिखाई दे रही है कि सामान्य तरीके से बैठने की जगह भी कम पड़ गई थी. चालक के आसपास भी बच्चों को बैठाया गया था. पीछे की सीट पर कई बच्चे एक साथ बैठे थे. वहीं ऑटो के उस हिस्से में भी बच्चे दिखाई दिए, जिसे सामान रखने के लिए इस्तेमाल किया जाता है. एक जागरूक नागरिक ने बच्चों को इस तरह ऑटो में ले जाते हुए देखा तो पूरे घटनाक्रम को अपने मोबाइल कैमरे में रिकॉर्ड कर लिया. इसके बाद यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया. वीडियो सामने आने के बाद स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं. इतनी अधिक संख्या में बच्चों को एक ऑटो में बैठाकर ले जाने से किसी दुर्घटना या आपात स्थिति में उनके लिए बाहर निकलना भी मुश्किल हो सकता था. बच्चों के बैठने के लिए पर्याप्त जगह नहीं होने के कारण किसी भी अचानक स्थिति में परेशानी बढ़ सकती थी. इसी वजह से इस तरह स्कूली बच्चों को ले जाने के तरीके को लेकर अभिभावकों और नागरिकों में चिंता दिखाई दे रही है. मामला सामने आने के बाद संबंधित ऑटो चालक के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस ने कार्रवाई की है. भिवंडी शहर में ट्रैफिक पुलिस की ओर से अलग-अलग वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की जाती है.

ग्रेटर नोएडा के बाद मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर हादसा, धू-धू कर जली बस, VIDEO

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा। बाद मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर पुणे जाने वाली बस में अचानक आग लग गई. इसमें 14 यात्री सवार थे. दमकल विभाग और नगर निगम की फायर ब्रिगेड की टीमों ने समय रहते आग पर काबू पाया. हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ. ग्रेटर नोएडा में बस हादसे के बाद अब महाराष्ट्र के मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर एक बस में आग लग गई. हादसा खालापुर इलाके में हुआ. यहां पुणे जाने वाली लेन में चल रही एक बस अचानक आग की चपेट में आ गई. देखते ही देखते बस धू-धू कर जलने लगी. घटना के समय बस में 14 यात्री सवार थे. गनीमत यह रही कि हादसे में किसी भी व्यक्ति को चोट नहीं आई है. बस में आग लगने की सूचना मिलते ही आसपास अफरा-तफरा मच गई. घटना की जानकारी दमकल विभाग को दी गई. इसके बाद पनवेल नगर निगम और खोपोली नगर परिषद की फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं. दमकल कर्मियों ने आग बुझाने का काम शुरू किया. काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया. आग लगने के दौरान बस से काफी धुआं उठता दिखाई दिया. घटना का वीडियो भी सामने आया है. इसमें बस आग की लपटों से घिरी नजर आ रही है. फिलहाल आग लगने की वजह सामने नहीं आई है. घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है. पुलिस-फायर बिग्रेड से मिली जानकारी के मुताबिक, बस पुणे की ओर जा रही थी. इसी दौरान मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे की पुणे जाने वाली लेन में उसमें आग लग गई. बस में कुल 14 यात्री सवार थे. आग लगने के बाद सभी यात्रियों की

सुरक्षा को लेकर राहत की बात सामने आई है. प्रशासन की ओर से घटना से जुड़ी जानकारी जुटाई जा रही है. यह घटना ऐसे समय हुई है जब ग्रेटर नोएडा में हुए एक दर्दनाक बस हादसे ने लोगों को झकझोर दिया है. यमुना एक्सप्रेसवे पर एक स्लीपर बस में आग लगने से 9 यात्रियों की जान चली गई थी. हादसे के बाद बसों में सुरक्षा इंतजाम और यात्रियों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठे थे.

'ज्ञानेश कुमार को गिरफ्तार किया जाए महाराष्ट्र-तमिलनाडु और बंगाल में दोबारा हों चुनाव', उद्धव ठाकरे की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) पर कड़ा हमला करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की। मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने सीईसी ज्ञानेश कुमार पर केंद्र सरकार के इशारे पर लोकतंत्र को खत्म करने और राजनीतिक दलों में फूट डालने वाले गैंग के सरगना के तौर पर काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने महाराष्ट्र, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों को रद्द करने और नए सिरे से चुनाव कराने की भी मांग की। ठाकरे की यह तीखी प्रतिक्रिया एक मीडिया रिपोर्ट के बाद आई, जिसमें तीन सदस्यीय चुनाव पैनल के भीतर बड़ी अंदरूनी कलह का खुलासा हुआ था। रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन को औपचारिक शिकायत सौंपी। उन्होंने आरोप लगाया कि सीईसी ज्ञानेश कुमार उनसे सलाह किए बिना या उनकी असहमति पर ध्यान दिए बिना मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) के बारे में एकतरफा फैसले ले रहे थे। ठाकरे ने कहा कि चुनाव आयुक्त विवेक जोशी और सुखबीर सिंह संधू द्वारा अंदरूनी तौर पर मामले को उजागर करने से पता चलता है कि यह प्रशासन कितना मनमाना था। उन्होंने हिम्मत दिखाने के लिए चुनाव आयुक्तों की तारीफ की। मीडिया और जनता को डर से बाहर निकलना होगा। जब राजनीतिक डकैतों का एक गिरोह खुलेआम लोकतंत्र की हत्या कर रहा हो तो नागरिकों और प्रेस को संविधान की रक्षा के लिए खड़ा होना चाहिए। इन खुलासों पर प्रतिक्रिया देते हुए महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इस खबर ने उस बात की पुष्टि कर दी है, जिसका आरोप विपक्ष सालों से केंद्रीय एजेंसी के मनमाने कामकाज को लेकर लगा रहा था। ठाकरे ने कहा कि ज्ञानेश कुमार का असली चेहरा देश के सामने आ गया है। वह उस गिरोह के मुख्य मास्टरमाइंड हैं जो राजनीतिक दलों को तोड़ता है, पार्टियों के नाम चुराता है और लोकतंत्र की हत्या करता है। उन्हें तुरंत जेल में डाल दिया जाना चाहिए। तीन में से दो आयुक्तों के उनके मनमाने तरीके के खिलाफ बगावत करने से, अब बहुमत मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ है। हाल की चुनावी प्रक्रियाओं की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए ठाकरे ने राज्य में मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर हेरफेर का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के दौरान मतदाता सूची में मनमाने ढंग से 45 लाख से अधिक नाम जोड़े गए थे, जबकि बाद की एसआईआर प्रक्रिया के दौरान 40 लाख नामों पर सवाल उठाए गए या उन्हें हटाने के लिए चिह्नित किया गया। ठाकरे ने आरोप लगाया कि ईसीआई ने सबसे पहले उनकी पार्टी को निशाना बनाया। एक अहम उपचुनाव के दौरान पार्टी का असली नाम और चुनाव चिह्न फ्रीज कर दिया गया और फिर उन्हें गैर-कानूनी तरीके से बागी गुट को सौंप दिया गया। अगर ईसीआई गृह मंत्रालय के निर्देशों पर काम कर रहा है तो देश को यह जानने का हक है।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर पैदल यात्रियों की राह होगी आसान, बनेंगे 3 नए फुट ओवरब्रिज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली में दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर पैदल यात्रियों के सुरक्षित आवागमन के लिए दो फुट ओवरब्रिज (एफओबी) बनाए जाएंगे। दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष और केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने बुधवार को गीता कॉलोनी/गांधी नगर और रमेश पार्क, लक्ष्मी नगर में बनने वाले दोनों एफओबी का शिलान्यास किया। दोनों एफओबी में लिफ्ट की सुविधा भी मिलेगी। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि एफओबी से लोगों और गांधी नगर आने वाले लोगों को फायदा मिलेगा।

भजनपुरा में भी बनेगा एक एफओबी

पूर्वी दिल्ली में दो एफओबी के अलावा भजनपुरा-गढ़ी मेंडू के पास एक और फुट

ओवरब्रिज को मंजूरी दी गई है। यह एफओबी एनएच-709बी के करीब 10+800 किलोमीटर पर बनाया जाएगा। तीनों एफओबी के निर्माण की कुल अनुमानित लागत 12.8 करोड़ रुपये है। इससे एक्सप्रेसवे के अलग-अलग हिस्सों में पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित क्रॉसिंग की सुविधा बढ़ेगी। हर्ष मल्होत्रा ने मीडिया रिपोर्ट्स में कहा कि एक्सप्रेसवे के एलिवेटेड हिस्से के नीचे पार्किंग सुविधा शुरू की गई है। साथ ही एनएच-709बी के दिल्ली वाले हिस्से के सौंदर्यीकरण की योजना पर भी काम चल रहा है। इसके तहत एलिवेटेड कॉरिडोर के नीचे की जगह का बेहतर इस्तेमाल करते हुए पार्किंग के साथ ईवी चार्जिंग स्टेशन, शौचालय और दूसरी जनसुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना है।

सोलर पैनल भी लगाए जा रहे

दिल्ली वाले हिस्से के एलिवेटेड कॉरिडोर पर सोलर पैनल लगाने का काम भी चल रहा है। इनका इस्तेमाल हाईवे से जुड़ी बिजली की जरूरतों के लिए किया जाएगा। इसके साथ ही पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता कम करने और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में भी इसे एक कदम बताया गया है।

23 साल बाद मॉनसून की सबसे जल्दी विदाई; दिल्ली में 83 दिनों की पारी के बाद अब कैसा रहेगा मौसम का मिजाज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। राजधानी से बुधवार को दक्षिण-पश्चिमी मॉनसून की विदाई हो गई। 23 सितंबर को हुई यह विदाई 2002 के बाद सबसे जल्दी है। इससे पहले 2002 में मॉनसून 20 सितंबर को दिल्ली से विदा हुआ था। इस बार मॉनसून अपनी सामान्य विदाई तारीख 25 सितंबर से दो दिन पहले ही लौट गया। हालांकि पूरे सीजन में राजधानी में सामान्य से अधिक बारिश दर्ज हुई है।मौसम विभाग के अनुसार, 1 जून से 23 सितंबर तक सफदरजंग में 728.6 एमएम बारिश हुई है, जबकि मॉनसून में सामान्य आंकड़ा 640.4 एमएम है। यानी बारिश सामान्य से करीब 14 प्रतिशत अधिक रही। मॉनसून इस साल 2 जुलाई को दिल्ली पहुंचा था। 23 सितंबर तककरीब 83 दिन तक मॉनसून राजधानी में रहा। 2025 में मॉनसून 29 जून को आया था और 24 सितंबर को विदा हुआ था। 1961 के बाद दिल्ली से मॉनसून की सबसे जल्दी विदाई 3 सितंबर 1982 को हुई थी। सबसे देर से विदाई 17 अक्टूबर 2013 को हुई थी। 2025 में 24 सितंबर को और 2024 में 2 अक्टूबर को दिल्ली से विदा हुआ था। मौसम विभाग के मुताबिक, मॉनसून की विदाई के बाद दिल्ली और उत्तर-पश्चिम भारत में मौसम धीरे-धीरे शुष्क होने की उम्मीद है। हालांकि मॉनसून की विदाई का मतलब यह नहीं है कि राजधानी में बारिश पूरी तरह बंद हो जाएगी। स्थानीय मौसम प्रणालियों के कारण कुछ इलाकों में हल्की या छिटपुट बारिश हो सकती है।इस साल देर से आया, जल्दी चला गया इस साल मॉनसून 2 जुलाई को दिल्ली पहुंचा था,

जबकि सामान्य तौर पर इसका आगमन 27 जून के आसपास होता है। इसके बाद 23 सितंबर को विदाई के साथ राजधानी में मॉनसून करीब 83 दिन रहा। यह 2012 के बाद दिल्ली में मॉनसून की सबसे छोटी अवधि है। मौसम विभाग के अनुसार, 2012 में मॉनसून करीब 80 दिन ही रहा था

अदाणी समूह का पश्चिम बंगाल में 1 लाख करोड़ से अधिक का निवेश

कोलकाता ।

अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल में 2035 तक 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की बड़ी घोषणा की। उन्होंने यह ऐलान न्यू टाउन, कोलकाता में 2,000 बिस्तरों वाले अदाणी आरोग्य मंदिर अस्पताल की आधारशिला रखने के बाद एक कार्यक्रम में किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी मौजूद थे। अदाणी ने बताया कि इस अस्पताल परियोजना पर 4,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे, जिससे लगभग 10,000 रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उद्योगपति ने कहा कि समूह का यह विशाल निवेश बंदरगाह, लॉजिस्टिक, बिजली, सड़क और डेटा सेंटर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में केंद्रित होगा, जिससे राज्य के आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी।

पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर

क्रूड के 100-115 प्रति बैरल होने के बावजूद सरकार ने की पुष्टि

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और होर्मुज संकट के कारण वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 100-115 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचने के बावजूद, भारत में आम लोगों को बड़ी राहत मिली है। सरकारी सूत्रों ने पुष्टि की है कि देश में फिलहाल पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बढ़ोतरी नहीं की जाएगी, जिससे आम जनता पर महंगाई का अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा। हाल दाम स्थिर रहने की उम्मीद- सरकारी सूत्रों ने बिजनेस टुडे को बताया कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के ऊंचे दाम बने रहने के बावजूद, फिलहाल घरेलू ईंधन की कीमतों में वृद्धि की कोई उम्मीद नहीं है। सरकार लगातार वैश्विक तेल बाजार पर पैनी नजर बनाए हुए है। यह खबर उन आम लोगों के लिए राहत लेकर आई है, जो पिछले कई महीनों में लगातार हुई मूल्य वृद्धि से प्रभावित हुए थे। हालांकि, यह समझना गलत होगा कि दाम कभी नहीं बढ़ेंगे। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि भविष्य में पेट्रोल-डीजल की कीमतें कच्चे तेल की लागत और ईंधन आपूर्ति की स्थिति पर निर्भर करेंगी। सरकार का मुख्य जोर होर्मुज मार्ग से तेल आपूर्ति को निर्बाध बनाए रखने पर है। इसके लिए, जरूरत पड़ने पर तेल कंपनियों को आर्थिक मदद भी दी जा सकती है ताकि कच्चे तेल की लागत बढ़ने का सीधा बोझ ग्राहकों पर न पड़े और ईंधन की सप्लाई लगातार जारी रहे।

सोने और चांदी के भाव में गिरावट

सोना 1,52,090 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 2,36,080 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजारों में गुरुवार को सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। 24 कैरेट सोना 1,500 रुपये से अधिक सस्ता होकर 1,52,090 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया, जबकि चांदी में भी 3,800 रुपये से ज्यादा की कमी के साथ 2,36,080 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार हुआ। यह गिरावट घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में देखी गई, जिसका मुख्य कारण अमेरिकी डॉलर की मजबूती और फेडरल रिजर्व के सख्त मौद्रिक नीति के संकेत हैं। इंडिया एमसीएक्स पर भी सोने का भाव 1,51,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 2,36,085 रुपये प्रति किलो पर दर्ज किया गया। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी बहुमूल्य धातुओं पर दबाव दिखा, जहां सोना 1.43 फीसदी टूटकर 4,277.29 डॉलर प्रति औंस और चांदी 3.20 फीसदी गिरकर 63.88 डॉलर प्रति औंस पर आ गई। प्रमुख शहरों में 24 कैरेट सोने का भाव दिल्ली में 1,51,550 रुपये और मुंबई में 1,51,810 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। वहीं चांदी दिल्ली में 2,35,240 रुपये और मुंबई में 2,35,650 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिकी। इस गिरावट की मुख्य वजह डॉलर की मजबूती है, जो जुलाई के बाद अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अधिकारियों के सख्त मौद्रिक नीति संबंधी बयानों ने भी ब्याज दरें बढ़ने की उम्मीदों को मजबूत किया है, जिससे सोने जैसी गैर-लाभकारी संपत्तियों का आकर्षण कम हुआ है।

2 अक्टूबर को नो यूपीआई डे का ऐलान

कारोबारी 0.4 फीसदी मर्चेंट डिस्काउंट रेट के विरोध में

नई दिल्ली ।

यूपीआई ट्रांजैक्शन पर लगने वाले नए शुल्क के खिलाफ देशभर के व्यापारियों ने मोर्चा खोल दिया है। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मंडल (एफएआईवीएम) और कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) सहित कई प्रमुख संगठनों ने 2 अक्टूबर को नो यूपीआई डे मनाने की घोषणा की है, जिसके तहत उस दिन यूपीआई से कोई लेनदेन नहीं होगा। आम जनता को कैश या कार्ड से भुगतान करना होगा। कारोबारी 2000 रुपये से अधिक के पीयर-टू-मर्चेंट (पी2एम) यूपीआई लेनदेन पर 15 अक्टूबर से लगने वाले 0.4 फीसदी मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) शुल्क का विरोध कर रहे हैं।

शेयर बाजार में हाहाकार

सेंसेक्स 1247, निफ्टी 383 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इससे एक ही दिनों में निवेशकों के करोड़ों रुपये डूब गये। आज जब सभी क्षेत्रों में हुई भारी बिकवाली के चलते इक्विटी इंडेक्स नीचे आया। दिन भर के कारोबरर के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,247.71 अंक नीचे आकर 73,580.54 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 383.70 अंक खिसककर 23,063.10 पर बंद हुआ।बाजार की इस चौतरफा गिरावट का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि बीएसई पर कुल 4,573 शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से केवल 1,476 शेयरों में ही बढ़त दर्ज की गई, जबकि 2,878 शेयरों में गिरावट आई और 219 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। यह आंकड़ा स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि बिकवाली का दबाव व्यापक था।

निफ्टी पर सबसे अधिक गिरावट वाले शेयरों में बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी लाइफ, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक और इंटरग्लोब एविएशन प्रमुख रहे, जिन्होंने सूचकांक को नीचे खींचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं, इस विपरीत माहौल में सिप्ला और एनटीपीसी जैसे कुछ ही शेयरों में मामूली बढ़त देखने को मिली, जो बाजार के निराशाजनक रुख को और पुख्ता करता है।निफ्टी प्राइवेट बैंक इंडेक्स गिरकर सबसे अधिक प्रभावित हुआ, उसके बाद निफ्टी मेटल , निफ्टी बैंक, निफ्टी इंफ्रा, निफ्टी ऑटो निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी पीएयू बैंक , निफ्टी एनर्जी 1.2त्न और निफ्टी एफएमसीजी नीचे आए। व्यापक बाजार की बात करें तो निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 2 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स 1.5 फीसदी गिरा, जो बताता है कि छोटे और झोले शेयरों में भी भारी बिकवाली हुई।इस तेज गिरावट के पीछे कई वैश्विक और घरेलू कारक जिम्मेदार थे। वैश्विक स्तर पर, अमेरिका में बिजनेस एक्टिविटी का पांच साल से अधिक समय में अपने सबसे मजबूत स्तर पर पहुंचना एक चिंता का कारण बना। नए ऑर्डरों में उछाल के कारण यह डेटा बेंचमार्क 10-साल के अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड को 2007 के बाद के सबसे ऊंचे स्तर पर ले गया, जिससे बाजार में ब्याज दरों में एक और बढ़ोतरी की उम्मीदें बढ़ गईं।

इसके अलावा, अमेरिका-ईरान राजनयिक संबंधों को लेकर फिर से बनी अनिश्चितता के कारण कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने भी बाजार के सेंटीमेंट को प्रभावित किया।

भारत की आर्थिक उड़ान, वैश्विक एजेंसियों ने बढ़ाया वृद्धि अनुमान

नई दिल्ली ।

इंट्रो वैश्विक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने शानदार मजबूती दिखाई है। इसी का परिणाम है कि मूडीज के बाद अब एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स, फिच रेटिंग्स, आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) जैसी वैश्विक एजेंसियों ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.1 फीसदी तक कर दिया है, जो वैश्विक भरोसे को और पुख्ता करता है। एजेंसियों ने पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में उम्मीद से बेहतर 7.8 फीसदी की आर्थिक वृद्धि, मजबूत घरेलू मांग, निवेश, विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के शानदार प्रदर्शन को अनुमान बढ़ाने का प्रमुख कारण बताया है।

यह दर्शाता है कि भारत बाहरी झटकों को झेलने में अब अधिक सक्षम है। बुनियादी ढांचे पर रिकॉर्ड सरकारी खर्च, मजबूत घरेलू खपत और लचीला निर्यात तंत्र भारत को जी-20 में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनाए रखेगा।

घरेलू खपत पर निर्भरता के चलते मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति बरकरार रही है और मांग लगातार बनी हुई है। सरकारी पूंजीगत व्यय के साथ-साथ निजी निवेश में भी तेजी देखने को मिल रही है, जिससे अर्थव्यवस्था को और मजबूती मिल रही है।

यह वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत और स्थिरता का स्पष्ट संकेत है।

एफएसएसएआई का ई-कॉमर्स के दिग्गजों पर शिकंजा

गलत ब्रांडिंग, भ्रामक दावों और प्रतिबंधित खाद्य पदार्थों की बिक्री को लेकर कार्रवाई

नई दिल्ली ।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने गलत ब्रांडिंग, भ्रामक दावों और प्रतिबंधित खाद्य पदार्थों की बिक्री सहित खाद्य सुरक्षा कानूनों के गंभीर उल्लंघन को लेकर कई प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों के खिलाफ दंडात्मक प्रक्रिया शुरू की है। इन मंचों में स्विगी इंस्टामार्ट, बिगबास्केट, जेप्टो, फ्लिपकार्ट इंडिया और अमेजन भी शामिल हैं। एफएसएसएआई ने अपने सोशल मीडिया मंच पर इस 'बड़ी कार्रवाई' की जानकारी देते हुए बताया कि उल्लंघन में गलत ब्रांडिंग, भ्रामक दावे और सेहत को नुकसान पहुंचाने वाले या प्रतिबंधित खाद्य पदार्थों का प्रदर्शन व बिक्री शामिल है। प्राधिकरण ने हैप्पिलो प्रीमियम डेट बाइट्स - जेस्टी ऑरेंज से जुड़े भ्रामक दावों के लिए अमेजन, फ्लिपकार्ट इंडिया, स्विगी इंस्टामार्ट, जेप्टो और बिगबास्केट के खिलाफ कार्रवाई की है। स्विगी इंस्टामार्ट और बिगबास्केट को मिल्की मिस्ट के कुछ डेयरी उत्पादों, जैसे लो फैट क्रीम और ग्रीक योगर्ट, के भ्रामक दावों और अधूरी उत्पाद जानकारी के लिए निशाना बनाया गया है। इसके अलावा अमेजन सेलर सर्विसेज, स्विगी इंस्टामार्ट और बिगबास्केट पर धतूरा के फल/बीज जैसे प्रतिबंधित खाद्य पदार्थ बेचने के आरोप हैं। एफएसएसएआई पिछले छह महीनों से खाद्य कारोबारियों और ई-कॉमर्स कंपनियों पर अपनी कार्रवाई तेज कर रहा है और सोशल मीडिया के माध्यम से उपभोक्ताओं को भी जागरूक कर रहा है।

बीमा ग्राहकों के लिए खुशखबरी:आईआरडीएआई ला रहा सस्ते और पारदर्शी बीमा का दौर

नई दिल्ली ।

भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने बीमा पॉलिसी खरीदने वाले ग्राहकों के लिए नियमों में बदलावों का प्रस्ताव किया है, जो उनके लिए बड़ी खुशखबरी साबित हो सकते हैं। इन नए नियमों का मकसद बीमा की लागत को नियंत्रित करना, बिक्री प्रक्रिया में पारदर्शिता और गलत तरीके से पॉलिसी बेचने की शिकायतों पर लगाम लगाना है। इससे फिजूलखर्ची, मनमानी और एजेंटों के कमीशन पर भी लगाम लगेगी।

आईआरडीएआई ने बीमा कंपनियों के खर्चों को नियंत्रित करने के लिए एक्सपेंस ऑफ मैनेजमेंट (ईओएम) की सीमा कम करने का सुझाव दिया है। प्रस्ताव के अनुसार, लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों को दो साल में अपना ईओएम ग्रोस डायरेक्ट प्रीमियम इनकम (जीडीपीआई) के 15 प्रतिशत और पांच साल में 12.5 प्रतिशत तक लाना होगा। वहीं, जनरल इंश्योरेंस कंपनियों के लिए इसकी सीमा पांच साल में 30 से घटाकर 20 प्रतिशत करने का प्रस्ताव है। इन कदमों से बीमा कंपनियों की फिजूलखर्ची पर लगाम लगेगी, जिसका सीधा फायदा ग्राहकों को कम प्रीमियम के रूप में मिलेगा।

इतना ही नहीं कमीशन के नियमों में भी बड़ा बदलाव होने वाला है। अब सभी पॉलिसी के लिए एक समान कमीशन के बजाय, उत्पाद की प्रकृति, अवधि और बिक्री में लगने वाली मेहनत के आधार पर कमीशन तय होगा। इस प्रक्रिया में मनमानी कमीशन पर रोक लगेगी और एजेंटों को उत्पाद की जरूरत के हिसाब से प्रोत्साहन मिलेगा। उदाहरण के लिए, इंडिविजुअल नॉन-लिंक्ड

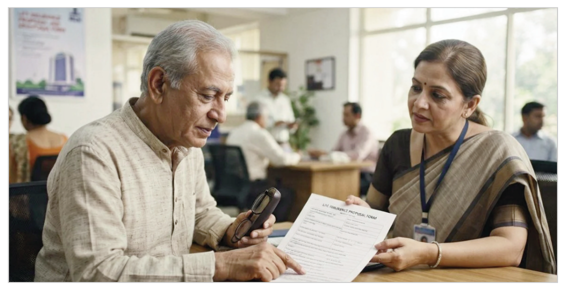

और लिंक्ड पॉलिसी में इंटरमीडियरी का कमीशन 5 से 20 फीसदी, जबकि एजेंटों का 6.25 से 25 फीसदी तक हो सकता है। प्योर टर्म प्लान में पहले साल इंटरमीडियरी को 25 फीसदी और एजेंट को 30 फीसदी तक कमीशन मिल सकता है।हेल्थ और मोटर इंश्योरेंस के लिए भी नए कमीशन दरें प्रस्तावित हैं। इंडिविजुअल हेल्थ इंश्योरेंस की नई बिक्री पर डिस्ट्रीब्यूशन संस्थाओं के लिए करीब 15 फीसदी और एजेंटों के लिए 20 फीसदी कमीशन प्रस्तावित है, जबकि रिन्यूअल पर यह क्रमशः 5 और 10 फीसदी रहेगा। वहीं, मोटर थर्ड-पार्टी इंश्योरेंस में डिस्ट्रीब्यूटर्स के लिए कमीशन शून्य रखने का प्रस्ताव है, जबकि एजेंटों को 2.5 फीसदी तक मिल सकता है।

कुल मिलाकर, आईआरडीएआई के ये प्रस्ताव बीमा क्षेत्र में ग्राहकों के हित को सर्वोपरि रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। इससे बीमा पॉलिसी खरीदना सस्ता, सरल और अधिक विश्वसनीय हो जाएगा।

आरडीएआई का बड़ा दांव: बीमा बेचना और खरीदना होगा ज़्यादा पारदर्शी और ग्राहक हितैषी

प्रस्तावों का लक्ष्य वितरण प्रक्रिया को सरल बनाना और ग्राहकों को बेहतर सुरक्षा प्रदान करना

नई दिल्ली ।

इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया (आईआरडीएआई) ने बीमा वितरण प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, प्रतिस्पर्धी और ग्राहक-केंद्रित बनाने के उद्देश्य से बड़े बदलावों का प्रस्ताव किया है। नियामक ने बुधवार को रीकैलिब्रेटिंग इकोनॉमिक्स ऑफ़ इंश्योरेंस डिस्ट्रीब्यूशन नामक एक पब्लिक कंसल्टेशन पेपर जारी किया, जिसमें बीमा वितरण संरचना, खर्च, कमीशन, बाजार आचरण और डिजिटल बुनियादी ढांचे जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को शामिल किया गया है। इन प्रस्तावित सुधारों का लक्ष्य एक कुशल और निष्पक्ष वितरण इकोसिस्टम तैयार करना है, जिससे ग्राहकों को बेहतर जानकारी और सुरक्षा मिल सके। आईआरडीएआई के इस प्रस्ताव से ग्राहकों को बीमा पॉलिसी बेचने वाले डिस्ट्रीब्यूटर के बारे में स्पष्ट जानकारी मिलेगी, उनके भुगतान के तरीके में पारदर्शिता आएगी, अनावश्यक बंडलिंग कम होगी और गलत बिक्री (मिस-सेलिंग) से बेहतर सुरक्षा मिलेगी। आईआरडीएआई का एक मुख्य प्रस्ताव बीमा वितरण संरचना को सरल बनाना है। इसका उद्देश्य ग्राहकों के लिए यह समझना आसान बनाना है कि उन्हें कौन पॉलिसी बेच रहा है और वितरण श्रृंखला में कौन से बिचौलिये शामिल हैं। इससे नियामक और परिचालन बाधाएं भी कम होंगी, जिससे बीमा वितरण में भागीदारी बढ़ेगी। ग्राहकों के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव बीमा डिस्ट्रीब्यूटर्स को दिए जाने वाले कमीशन के खुलासे से संबंधित है। आईआरडीएआई ने प्रस्ताव दिया है कि बीमा कंपनियाँ और बड़ी वितरण कंपनियां अपनी कमीशन नीति और संरचना को सरल और समझने योग्य तरीके से सार्वजनिक करें। कुछ वाणिज्यिक पॉलिसियों में भी कमीशन की जानकारी दी जाएगी, जिससे ग्राहक वितरण लागत को समझकर सूचित निर्णय ले सकें। कमीशन ढांचे को भी उत्पाद की प्रकृति, व्यवसाय के प्रकार और बिक्री व सर्विसिंग में लगने वाले प्रयास के आधार पर पुनर्गठित करने का प्रस्ताव है। गलत बिक्री (मिस-सेलिंग) पर लगाम लगाने के लिए भी सख्त उपाय सुझाए गए हैं। इनमें ग्राहकों की आवश्यकताओं और उपयुक्तता का रिकॉर्ड रखना, साथ ही कमीशन की परिभाषा में सभी प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष भुगतानों को शामिल करना शामिल है।

रुपया गिरावट पर बंद

नई दिल्ली ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 23 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.96 पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 11 पैसे टूटकर 95.84 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया। कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल से अमेरिकी बॉन्ड पर प्रतिफल और डॉलर दोनों मजबूत हुए, जिसका असर रुपये पर पड़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, विदेशी पूंजी का प्रवाह घरेलू मुद्रा को सहारा देने में विफल रहा क्योंकि घरेलू शेयर बाजार में बिकवाली का दबाव और अमेरिकी मुद्रा में मजबूती बनी हुई है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 95.84 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार में दबाव में रहा। यह पिछले बंद भाव से 11 पैसे की गिरावट है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 11 पैसे टूटकर 95.73 पर बंद हुआ था। इससे एक दिन पहले इसमें 16 पैसे की मजबूती आई थी। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फीसदी बढ़कर 100.87 पर कारोबार कर रहा था।

एफडी में निवेश अब और पारदर्शी, आरबीआई के बदले नियम 1 अक्टूबर से लागू

एक ही बैंक की सभी शाखाओं में समान अवधि के लिए ब्याज दरें होंगी एक समान

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) में निवेश करने वाले ग्राहकों के लिए महत्वपूर्ण नियमों में संशोधन किया है। 1 अक्टूबर से लागू होने वाले इन नए नियमों का मुख्य उद्देश्य एफडी की ब्याज दरों में पारदर्शिता बढ़ाना और निवेशकों तक सही जानकारी की आसान पहुंच सुनिश्चित करना है। नए नियमों के तहत, एक ही बैंक की विभिन्न शाखाओं में समान अवधि वाली एफडी पर ब्याज दरें एक जैसी होंगी, जिससे स्थान-आधारित भिन्नता खत्म होगी। इसके अलावा बैंकों को अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर सभी एफडी योजनाओं और उनकी ब्याज दरों को सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करना अनिवार्य होगा। 3 करोड़ रुपए या उससे अधिक की बल्क डिपॉजिट के लिए भी, ब्याज दरों को बैंक की वेबसाइट पर रोजाना सुबह 10-10 बजे तक अपडेट करना

होगा। मौजूदा एफडी पर इन बदलावों का तत्काल कोई असर नहीं होगा; वे अपनी वर्तमान शर्तों पर ही चलती रहेंगी।

अमेरिका-चीन व्यापार युद्धविराम को दो माह का विस्तार

वैश्विक अर्थव्यवस्था पर अनिश्चितता कम करने की दिशा में कदम

वाशिंगटन ।

अमेरिका और चीन ने वैश्विक व्यापार को प्रभावित करने वाले अपने व्यापार युद्धविराम को दो महीने के लिए बढ़ा दिया है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने बड़े आर्थिक समझौते की दिशा में काम करने के लिए इस अवधि को 10 जनवरी तक विस्तारित करने की घोषणा की। यह कदम चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के वाशिंगटन पहुंचने के ठीक बाद उठाया गया है, जिससे वैश्विक बाजारों को कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। पिछले साल अक्टूबर में हुए बुसान समझौते के तहत एक साल का यह व्यापार युद्धविराम नवंबर में समाप्त होने वाला था। बेसेंट ने स्थानीय न्यूज चैनल को बताया कि अब इसे 10 जनवरी तक बढ़ाया जाएगा, जिससे दोनों देशों को एक संभावित बड़े समझौते पर काम करने का अतिरिक्त समय मिलेगा। हालांकि, चीन के अधिकारियों ने अभी तक इस विस्तार की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। बेसेंट ने जनवरी तक बड़े आर्थिक पैकेज की संभावना जताई है, लेकिन मौजूदा समझौते की अवधि को आगे बढ़ाने का विकल्प भी खुला है। अमेरिका चाहता है कि चीन अपनी पिछली प्रतिबद्धताओं को पूरी तरह से लागू करे। राष्ट्रपति ट्रंप और शी चिनफिंग की वाशिंगटन में महत्वपूर्ण बैठकें होनी हैं, जिनमें व्यापार शुल्क, प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसे प्रमुख आर्थिक मुद्दों पर चर्चा होगी। इस विस्तार से दोनों देशों को इन जटिल वार्ताओं के लिए अतिरिक्त समय मिल गया है।

बाजार में एनएसई का दबदबा, शीर्ष 10 मूल्यवान कंपनियों में बनाई जगह

मामूली बढ़त के साथ सूचीबद्ध हुआ एनएसई दिन के कारोबार में 1,878 रुपए तक पहुंचा

नई दिल्ली ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने गुरुवार को शेयर बाजार में शानदार शुरुआत करते हुए बाजार मूल्यांकन के लिहाज से देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में अपनी जगह बना ली। कारोबार के दौरान एनएसई के शेयर पांच प्रतिशत से अधिक उछले, जो इसके मजबूत प्रदर्शन का संकेत है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के शेयरों ने गुरुवार को कारोबार के दौरान पांच प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की, जिससे इसका बाजार मूल्यांकन 4,54,966.88 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। इस प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ, एनएसई बाजार मूल्यांकन के मामले में भारत की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों की सूची में शामिल हो गया है। बीएसई पर एनएसई के शेयर 1,800 रुपए पर सूचीबद्ध हुए, जो इसके निर्गम मूल्य 1,785 रुपए से 0.84 प्रतिशत अधिक था। कारोबार के दौरान, शेयरों में 5.21 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई और यह 1,878 रुपए के स्तर पर पहुंच गया, जिसने निवेशकों का उत्साह बढ़ाया। एनएसई ने बाजार मूल्यांकन के इस क्रम में दसवां स्थान हासिल किया है, और उसने 4,54,845.62 करोड़ रुपए के बाजार पूंजीकरण वाली हिंदुस्तान यूनिलीवर और 4,46,985.57 करोड़ रुपए के बाजार पूंजीकरण वाली सन फार्मा जैसी स्थापित कंपनियों को पीछे छोड़ दिया। वहीं, इसके प्रतिद्वंद्वी बीएसई का बाजार मूल्यांकन 1,31,946.42 करोड़ रुपये रहा। इससे पहले, एनएसई का 22,569 करोड़ रुपए का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) सोमवार को बोली के अंतिम दिन लगभग छह गुना अभिदान प्राप्त कर चुका था, जिसमें संस्थागत निवेशकों की जबरदस्त मांग देखी गई। यह आईपीओ 2024 में हुंडई मोटर इंडिया के 27,870 करोड़ रुपए के आईपीओ के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम साबित हुआ है।

इसने 2022 में आए एलआईसी के 21,000 करोड़ रुपएके आईपीओ को भी पीछे छोड़ दिया, जो इसकी बढ़ती बाजार शक्ति और निवेशकों के विश्वास को दर्शाता है।

अबेकस म्यूचुअल फंड को मिली सेबी की बड़ी मंजूरी

फोक्कस के साथ एसआईएफ सेगमेंट में करेगा प्रवेश

नई दिल्ली ।

निवेश क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में अबेकस म्यूचुअल फंड को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड (एसआईएफ) शुरू करने की मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने बताया कि सेबी ने 28 अगस्त, 2026 को यह मंजूरी दी है। अबेकस अपने एसआईएफ को फोक्कस ब्रांड नाम से बाजार में उतारेगा, जिससे उसे निवेशकों के लिए विविध और अनूठी निवेश रणनीतियाँ पेश करने का नया अवसर मिलेगा। अबेकस ने बताया कि फोक्कस ब्रांड के तहत वह इक्विटी, डेट और हाइब्रिड जैसी विभिन्न श्रेणियों में निवेश रणनीतियां पेश करेगा। ये रणनीतियां लागू नियमों और आवश्यक मंजूरियों को पूरा करने के अधीन होंगी। कंपनी का उद्देश्य इन एसआईएफ के माध्यम से अपनी मौजूदा शोध-आधारित निवेश रणनीति और अनुशासित जोखिम प्रबंधन दृष्टिकोण को एक नए, लचीले ढांचे के साथ एकीकृत करना है। सेबी ने 1 अप्रैल, 2025 से एसआईएफ ढांचे को लागू किया था। यह ढांचा एसेट मैनेजमेंट कंपनियों को अलग-अलग निवेश रणनीतियां पेश करने की अनुमति देता है, साथ ही म्यूचुअल फंड पर लागू नियामकीय निगरानी और निवेशक सुरक्षा सिद्धांतों को भी बनाए रखता है। अबेकस ने स्पष्ट किया कि इन रणनीतियों के निवेश उद्देश्यों, एसेट एलोकेशन, जोखिम-कारकों और लॉन्च की समयसीमा से जुड़ी विस्तृत जानकारी नियामकीय फाइलिंग पूरी होने के बाद जारी की जाएगी। अबेकस के एक प्रमुख अ धिकारी ने इस कदम को कंपनी के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत बताया। उन्होंने कहा कि एआईएफ, पीएमएस, म्युचुअल फंड और अब एसआईएफ - इन सभी सेगमेंट में हमारा उद्देश्य हमेशा निवेशकों के लिए सार्थक अवसरों की पहचान करना रहा है।÷ सिंघानिया ने जोर दिया कि एसआईएफ ढांचा विभिन्न निवेश रणनीतियों को अपनाने में लचीलापन देता है, जिससे कंपनी अपनी निवेश सोच पर कायम रहते हुए निवेशकों की बदलती जरूरतों को पूरा कर सकेगी और विभिन्न बाजार चक्रों में अवसरों पर ध्यान केंद्रित कर सकेगी।

आयुर्वेद से भगाएं ऑस्टियोआर्थराइटिस

आयुर्वेद में ऑस्टियोआर्थराइटिस को संधिवात के रूप में जाना जाता है, जो जोड़ों का विकार है। इसका मतलब है कि हमारे शरीर के निचले हिस्से की हड्डियों को सपोर्ट देने वाले सुरक्षात्मक कार्टिलेज और कोमल ऊतकों का किसी कारणवश टूटना शुरू होना है।

इस हालत में किसी भी गतिविधि के बाद या आराम की लंबी अवधि के बाद जोड़ों का लचीलापन कम हो जाता है और वो सख्त हो जाते हैं और दर्ददायक बनते हैं। ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए एलोपैथिक उपचार के अलावा, कुछ आयुर्वेदिक इलाज भी उपलब्ध हैं। आयुर्वेद कहता है कि शरीर में तीन जीव-ऊर्जा या दोष होते हैं, जो हमारे शरीर के विभिन्न कार्यों को नियंत्रित करते हैं। वात, कफ और पित्त यह उनके नाम हैं। जब एक व्यक्ति किसी भी प्रकार की बीमारी से ग्रस्त होता है, तब यह इन दोषों में असंतुलन की वजह से होता है। ऑस्टियोआर्थराइटिस वात दोष में एक असंतुलन के कारण होता है और इसलिए ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए आयुर्वेदिक इलाज में इस दोष को संतुलित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जिससे व्यक्ति को दर्द से राहत मिलने में आसानी होती है।

ये हैं जड़ीबूटी

- **गुग्गुल** : ऊतकों को मजबूत बनाता है।
- **त्रिफला** : विषैले तत्वों को शरीर से साफ करना।
- **अश्वगंधा** : शरीर और मन को आराम और तंत्रिका तंत्र को उत्तेजना देना।
- **कॅस्टर (एरंडी)** : इस तेल को दर्द होने वाले क्षेत्र में लगाने के साथ ही इसका सेवन भी लिया जा सकता है, क्योंकि यह एक प्रभावी औषधि है।
- **बाला** : शरीर में रक्त परिसंचरण को बढ़ाने के लिए, दर्द को कम करने के लिए, नसों को ठीक करता है एवं शरीर में ऊतकों का विकास होता है।
- **शालाकी** : अपने सूजन विरोधी गुणों के लिए और शरीर की हड्डियों के करीब के ऊतकों की मरम्मत करने में सक्षम होने के गुण के लिए उपयोगी है।

रोजाना खाएं अदरक मिलेंगे अनगिनत फायदे

अदरक में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेटस, आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। अदरक खाने से कई फायदे होते हैं।

अदरक एक भारतीय मसाला है जो हर घर में रोजाना इस्तेमाल होता है। अदरक में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेटस, आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। अदरक खाने से कई फायदे होते हैं। आज हम उन्हीं फायदों के बारे में बताएंगे। चलिए जानते है एक टुकड़ा अदरक रोजाना खाने से शरीर को किस प्रकार फायदा मिलता है।

जी मिचलाना

जी मिचलना और उल्टी की समस्या को रोकने के लिए अदरक औषधि की तरह का काम करता है। 1 चम्मच अदरक के जूस में 1 चम्मच नींबू का रस मिलाएं। इसको हर दो घंटे बाद पीएं। जल्द ही राहत मिलेगी।

गठिया दर्द में राहत

अदरक में एंटी-इन्फ्लॉमेट्री प्रॉपर्टीज होती है जो जोड़ों के दर्द को खत्म करने में सहायक है। अदरक को खाने से या इसका लेप लगाने से भी दर्द खत्म होता है। इसका लेप बनाने के लिए अदरक को अच्छे से पीस लें। उसमें हल्दी मिला लें। इस पेस्ट को दिन में दो बार लगाएं। कुछ ही दिनों में फर्क दिखाई देने लगेगा।

मासिक धर्म में फायदेमंद

कुछ महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान बहुत दर्द होती है। ऐसे में अदरक की चाय काफी फायदा पहुंचाती है। इसलिए दिन में 2 बार अदरक की चाय पीएं। इससे दर्द कम होगा।

सर्दी- जुकाम और फ्लू

सर्दी-जुकाम और फ्लू जैसी समस्या से बचने के लिए नियमित रूप से अदरक का सेवन करें। यह शरीर को गर्म रखता है जिससे पसीना अधिक आता है और शरीर गर्म बना रहता है।

माइग्रेन का इलाज

जिन लोगों को माइग्रेन की समस्या है उनके लिए अदरक रामबाण है। जब भी माइग्रेन का अटैक आए, तब अदरक की चाय बना कर पीएं। इसको पीने से माइग्रेन में होने वाले दर्द और उल्टी से काफी हद तक राहत मिलेगी।

दिल को रखता है स्वस्थ

अदरक कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने, ब्लड प्रेशर को ठीक रखने, खून को जमने से रोकने का काम करता है। इससे दिल संबंधित बीमारियां भी नहीं होती है। इसलिए अपनी डाइट में अदरक को शामिल करें।

पाचन तंत्र मजबूत

अदरक पेट फूलने, कब्ज, गैस, एसीडिटी जैसी समस्याओं को ठीक रखने में भी सहायक है। जिन लोगों को पेट से संबंधित समस्याएं रहती है वह रोजान सुबह खाली पेट अदरक का सेवन करें।

मोर्निंग सिकनेस

मोर्निंग सिकनेस की समस्या अधिकतर गर्भवती महिलाओं को होती है। रोजाना सुबह अदरक के 1 टुकड़े को चबा कर खाएं। कुछ दिनों तक अदरक खाने से मोर्निंग सिकनेस की समस्या दूर हो जाएगी।

ऊर्जा करें प्रदान

अदरक खाने से शरीर गर्म तो रहता ही है साथ ही उसे एनर्जी भी मिलती है। रोजाना सुबह अदरक वाली चाय पीने से शरीर में चुस्ती- फुर्ती बनी रहेगी।

अनुलोम विलोम से स्वच्छ व निरोग रहती हैं नाड़ियां

अनुलोम का अर्थ होता है सीधा और विलोम का अर्थ है उल्टा। यहां पर सीधा का अर्थ है नासिका या नाक का दाहिना छिद्र और उल्टा का अर्थ है- नाक का बायां छिद्र। अर्थात अनुलोम-विलोम प्राणायाम में नाक के दाएं छिद्र से सांस खींचते हैं, तो बायीं नाक के छिद्र से सांस बाहर निकालते है।

यदि नाक के बाएं छिद्र से सांस खींचते हैं, तो नाक के दाहिने छिद्र से सांस को बाहर निकालते हैं। अनुलोम-विलोम प्राणायाम को कुछ योगीगण 'नाड़ी शोधक प्राणायाम' भी कहते हैं। उनके अनुसार इसके नियमित अभ्यास से शरीर की समस्त नाड़ियों का शोधन होता है यानी वे स्वच्छ व निरोग बनी रहती हैं। इस प्राणायाम के अभ्यासी को वृद्धावस्था में भी गठिया, जोड़ों का दर्द व सूजन आदि शिकायतें नहीं होतीं।

प्राणायाम की विधि

- अपनी सुविधानुसार पद्मासन, सिद्धासन, स्वस्तिकासन अथवा सुखासन में बैठ जाएं। दाहिने हाथ के अंगूठे से नासिका के दाएं छिद्र को बंद कर लें और नासिका के बाएं छिद्र से 4 तक की गिनती में सांस को भरें और फिर बायीं नासिका को अंगूठे के बगल वाली दो अंगुलियों से बंद कर दें। तत्पश्चात दाहिनी नासिका से अंगूठे को हटा दें और दायीं नासिका से सांस को बाहर निकालें।
- अब दायीं नासिका से ही सांस को 4 की गिनती तक भरे और दायीं नाक को बंद करके बायीं नासिका खोलकर सांस को 8 की गिनती में बाहर निकालें।
- इस प्राणायाम को 5 से 15 मिनट तक कर सकते हैं।

सावधानियां

- कमजोर और एनीमिया से पीड़ित रोगी इस प्राणायाम के दौरान सांस भरने और सांस निकालने (रेचक) की गिनती को क्रमश: चार-चार ही रखें। अर्थात चार गिनती में सांस का भरना तो चार गिनती में ही सांस को बाहर निकालना है।
- स्वस्थ रोगी धीरे-धीरे यथाशक्ति पूरक-रेचक की संख्या बढ़ा सकते हैं।
- कुछ लोग समयाभाव के कारण सांस भरने और सांस निकालने का अनुपात 1-2 नहीं रखते। वे बहुत तेजी से और जल्दी-जल्दी सांस भरते और निकालते हैं। इससे वातावरण में व्याप्त धूल, धुआं, जीवाणु और वायरस, सांस नली में पहुंचकर अनेक प्रकार के संक्रमण को पैदा कर सकते हैं।
- अनुलोम-विलोम प्राणायाम करते समय यदि नासिका के सामने आटे जैसी महीन वस्तु रख दी जाए, तो पूरक व रेचक करते समय वह न अंदर जाए और न अपने स्थान से उड़े। अर्थात सांस की गति इतनी सहज होना चाहिए कि इस प्राणायाम को करते समय स्वयं को भी आवाज न सुनाई पड़े।

लाभ

- फेफड़े शक्तिशाली होते हैं।
- सर्दी, जुकाम व दमा की शिकायतों से काफी हद तक बचाव होता है।
- हृदय बलवान होता है। इससे हार्ट अटैक नहीं होता।

एम्ब्लायोपिया स्थाई रूप से धुंधली हो सकती है दृष्टि

जिन बच्चों की आंखों की अश्रु नलिकाएं बचपन से ही अवरुद्ध होती हैं। उनकी दृष्टि धुंधली हो सकती है। यदि जन्म के बाद शुरुआती छह से 10 साल के अंदर इसका इलाज न कराया जाए तो दृष्टि स्थाई रूप से धुंधली हो सकती है। इस बीमारी को एम्ब्लायोपिया या लेजी आई कहते हैं।

तीन साल से कम उम्र के ऐसे बच्चे जिनमें अश्रु नलिकाएं (नैसोलेक्रिमल डक्ट ऑब्सट्रक्शन-एनएलडीओ) अवरुद्ध होती हैं। उनमें एम्ब्लायोपिया बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है। इनमें से छह प्रतिशत मरीज ऐसे होते हैं, जिनमें जन्म से ही यह परेशानी होती है।

रखें सावधानी

पेंसिलवेनिया के लैनकास्टर के फैमेली आई ग्रुप के अध्ययनकर्ता नोएल एस. मैटा व डेविड आई. सिलबर्ट का कहना है कि अध्ययन में शामिल 375 बच्चों में से 22 प्रतिशत बच्चों में एम्ब्लायोपिया के खतरे के कारक थे। सामान्य आबादी में इस बीमारी की आठ गुना की दर से वृद्धि हो रही है।

जन्मजात बीमारी

मैटा का कहना है, हमने एनएलडीओ की जन्मजात परेशानी वाले सभी बच्चों की जांच की बात कही। हमने सावधानीपूर्वक उनमें एम्ब्लायोपिया के खतरे के कारकों की मौजूदगी का अध्ययन किया।

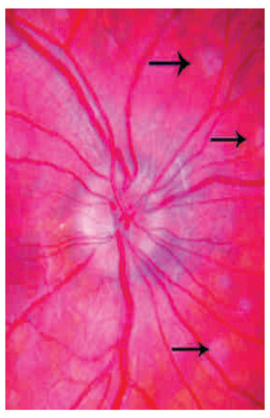

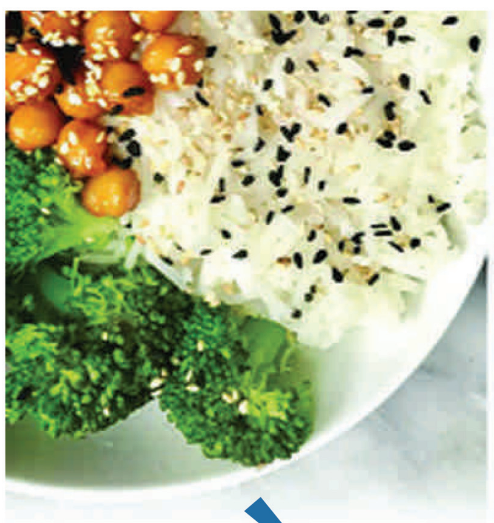

रात के समय कार्बोहाइड्रेड चीजें खाने से बचें

स्वास्थ्य सही है तो शरीर सही है। शरीर सही है तो मन सही है। इसलिए अपने स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। हम आपको बताते हैं, हेल्थ के क्या लेना चाहिए और क्या नहीं।

शाम के पांच बजे के बाद कार्बोहाइड्रेट लेना चाहिए या नहीं? यदि वजन पर नियंत्रण रखना चाहते हैं तो पांच नहीं सात बजे के बाद ऐसी चीजें खाने से बचें, जिनमें कार्बोहाइड्रेड होता है। रात के समय हमेशा ऐसी चीजें ही खाएं, जो आसानी से पच जाएं।

- केला और सेब लौह तत्वों से भरपूर हैं। इसलिए वह कटने के बाद भूरे हो जाते हैं। यह गलतफहमी है। भूरा होने की वजह आयरन नहीं एंजाइम हैं। रंग गहराने के पीछे फलों में मौजूद फिनॉलिक कंपाउंड का ऑक्सीडेशन हैं, ये कंपाउंड हवा में तैरती ऑक्सीजन के संपर्क में आने से रंग बदलते हैं।

लो फैट का दूध लें

- दूध और उससे बने उत्पाद बचपन बीत जाने के बाद उपयोगी नहीं। दूध और दूध से बने उत्पादों में केवल प्रोटीन ही नहीं आवश्यक एमिनो एसिड, फैटी एसिड तथा कैल्शियम के साथ विटामिन ए, डी तथा मैग्नीशियम, फास्फोरस व पोटेशियम भी होता है। दूध अवश्य लें भले ही वह लो फैट हो।
- खाने में डाले गए नमक से ज्यादा नुकसानदेह है, ऊपर से नमक डालना? नमक तैयार खाने में पहले से डाला गया हो या ऊपर से मिलाया गया, उसमें मौजूद सोडियम एक समान होता है।
- आयरन का बेहतर स्रोत होने के कारण पालक ही रक्त की कमी से बचाता है। बहुत सी पत्तेदार सब्जियों में भरपूर आयरन होता है जैसे, ब्रॉक्ली में 40 मि.ग्रा., चौलाई- 20 मि.ग्रा., सरसों में 16-3 मि.ग्रा., गाजर की पत्तियों में 18 मि.ग्रा. आयरन होता है, जबकि पालक में 1.1 मि.ग्रा. होता है।
- सूजी अनाज नहीं है? सूजी मैदा का दानेदार रूप है। इसमें पोषक तत्वों की मात्रा पॉलिश चावल और मैदे के समान होती है।

एक अंडा ही रोज खाएं

- शुगर फ्री उत्पाद हेल्दी होते हैं। आमतौर पर लोग अकसर शुगर फ्री उत्पादों को लो कैलोरी मान डायबिटीज और वजन नियंत्रण के लिए उपयोगी समझते हैं, परंतु ये शुगर फ्री उत्पाद अनेक अनदेखे शुगर स्रोतों से युक्त होते हैं। इनका अधिक सेवन स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालता है।
- अंडों में कोलेस्ट्रॉल अधिक होता है, इसलिए इसे नहीं खाना चाहिए। एक अंडे में 215 मि.ग्रा. कोलेस्ट्रॉल होता है, अकेले एक अंडे की जर्दी में 300 मि.ग्रा. कोलेस्ट्रॉल होता है, लेकिन अंडे में अन्य पौष्टिक तत्वों की बहुलता है। हाल ही में हुई रिसर्च से पता चला कि जो लोग एक अंडा प्रतिदिन खाते हैं, उन्हें अंडा न खाने वालों की तुलना में हृदय रोग का खतरा कम होता है।
- उपवास रखने से शरीर के टॉक्सिन बाहर निकलते हैं। उपवास संतुलित भोजन और अधिक कैलोरीज पर नियंत्रण रखता है, लेकिन इस दौरान रिच डाइट, फल, जूस, अधिक मेवे आदि लेने से इसका उलटा भी हो सकता है।

चीनी ज्यादा न खाएं

- चीनी खाने से डायबिटीज होती है। यह सोच कर चीनी न खाने पर डायबिटीज नहीं होगी, गलत है। स्टार्च, फैट, प्रोटीन और चीनी जैसे अधिक कैलोरी वाले खाद्य शरीर में इंसुलिन की मात्रा बढ़ाकर डायबिटीज को जन्म देते हैं। जब शरीर कार्बोहाइड्रेट को पचाने में अक्षम हो, तभी डायबिटीज होती है।
- शहद जैसे प्राकृतिक पदार्थ शुगर का विकल्प हैं। बहुत से लोग सोचते हैं कि ये शुगर फ्री तथा कम कैलोरी वाले प्राकृतिक स्रोत हैं तथा इन्हें रिफाइन भी नहीं किया जाता, इसलिए ये नुकसानदेह नहीं। लेकिन 1 चम्मच शहद में 65 कैलोरी तथा एक चम्मच शुगर में 46 कैलोरी होती है। ग्लाइस्मिक इंडेक्स भी शहद में 87 तथा शुगर में 59 होता है।
- बिना नमक का खाना तेजी से वजन कम करता है। याद रखें कि पहले तो सोडियम के न रहने पर पानी कम होता है न कि फैट। नर्वस सिस्टम सही ढंग से काम करे, इसके लिए भी सोडियम जरूरी होता है। इसका लेवल डिप्रेशन, स्वभाव परिवर्तन और कमजोरी का कारण होता है।
- शुगर मूड को प्रभावित करती है। इंसानी दिमाग ऊर्जा के लिए पूरे तौर पर ब्लड शुगर (ग्लूकोज) पर निर्भर रहता है। इसकी कमी से हाइपोग्लीमिया का दौरा तथा कमजोरी, डिप्रेशन, दिमागी गड़बड़ियां हो सकती हैं।

केला-दूध फायदेमंद

- रात में मेटाबॉलिज्म सिस्टम धीमा होता है। इसलिए भारी नाश्ता करना चाहिए। सुबह का नाश्ता दिन भर की ऊर्जा के लिए बेहद जरूरी है, लेकिन इसके लिए भारी की जरूरत नहीं। आप केले या दूध से भी काम चला सकती हैं।
- मछली खाने के बाद दूध नहीं पीना चाहिए। ऐसा हमेशा नहीं होता। लेकिन कुछ स्थितियों में इसे मान लेना बेहतर होता है।
- बिना शुगर के फलों के जूस प्राकृतिक व शुगर फ्री होते हैं। ये लो कैलोरी जरूर होते हैं, लेकिन इसमें फ्रूकटोस होने के कारण शुगर फ्री नहीं होते।

मुक्केबाज परवीन पदक पक्का करने से एक जीत दूर, क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

नागोया। भारतीय मुक्केबाजों के लिए एशियन गेम्स का पांचवां दिन मिलाजुला रहा। परवीन ने महिला 65 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में पहुंचकर पदक पक्का करने के मजबूत कदम बढ़ाए, वहीं साक्षी और सुमित को अपने-अपने बाउट में हार का सामना करना पड़ा। परवीन को तजाकिस्तान की मलिका नोजिमोवा से वॉकओवर मिला जिससे वह अगले दौर में पहुंच गईं। परवीन पदक पक्का करने से एक कदम दूर हैं। मुक्केबाजी में सेमीफाइनल में पहुंचने पर पदक पक्का हो जाता है।

भारतीय मुक्केबाज साक्षी चौधरी महिलाओं के 51 किलो वर्ग में कजाखस्तान की अलुआ बाल्कीबेकोवा से प्री क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गईं। हरियाणा की 26 वर्ष की साक्षी ने ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था लेकिन यहां वह लय कायम नहीं रख सकीं। पहले दौर के बाद कजाखस्तान की मुक्केबाज 3-2 से आगे थी। दूसरे दौर में साक्षी ने आक्रामकता दिखाई लेकिन बाल्कीबेकोवा ने 3-2 से फिर बढ़त बनाई। आखिरी दौर में साक्षी वापसी करने में नाकाम रही।

चोट के कारण बाहर हुए सुमित

इससे पहले सुमित पुरुषों के 70 किलो प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में इराक के अल सारे अली के खिलाफ चोट के कारण बाहर हो गए। हरियाणा के 23 वर्ष के सुमित पहले दो दौर में आगे थे, लेकिन तीसरे दौर में एक मुक्के से बचने के प्रयास में उन्हें घुटने में चोट लगी और वह गिर गए। इसके बाद वह आगे खेल नहीं सके और रैफरी ने मुकाबला रोककर विरोधी को विजेता घोषित कर दिया। सुमित ने पहले मुकाबले में थाईलैंड के बुंजोंग सिनसिरी को 5-0 से हराया था।

रोनाल्डो पुर्तगाल के लिए कब तक खेलेंगे ! भविष्य पर दिया बड़ा बयान

लिस्बन। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पुर्तगाल के साथ अपने अंतरराष्ट्रीय भविष्य को लेकर स्थिति साफ कर दी है। 41 वर्षीय स्टार फुटबॉलर ने कहा कि जब तक राष्ट्रीय टीम को उनकी जरूरत है, वह खेलते रहेंगे। हालांकि, जिस दिन उन्हें लगेगा कि वह टीम के लिए योगदान नहीं दे पा रहे हैं या टीम उन्हें नहीं चाहती, वह सबसे पहले खुद टीम छोड़ देंगे।

रोनाल्डो ने जुलाई में फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ-16 में पुर्तगाल के स्पेन से बाहर होने के बाद अपने अंतरराष्ट्रीय भविष्य की पुष्टि नहीं की थी। हालांकि, नए मुख्य कोच जॉर्ज जीसस की पहली पुर्तगाल टीम में उन्हें शामिल किए जाने से साफ हो गया कि वह अभी राष्ट्रीय टीम के लिए उपलब्ध हैं।

'जब नहीं चाहेंगे, सबसे पहले मैं चला जाऊंगा'

वेल्स के खिलाफ मुकाबले से पहले रोनाल्डो ने अपने भविष्य को लेकर कहा, 'जब भी वे कहेंगे कि वे मुझे राष्ट्रीय टीम में नहीं चाहते, मैं सबसे पहले जाने वाला व्यक्ति बनूंगा। जब मुझे लगेगा कि मैं टीम में कुछ नहीं जोड़ रहा हूं या माहौल खराब कर रहा हूं, तो मैं सबसे पहले चला जाऊंगा। मैं अपना सूटकेस उठाऊंगा और चला जाऊंगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'पुर्तगाल के लोग मुझ पर भरोसा करते हैं। इसी वजह से मैं अभी यहां हूं। सिर्फ आंकड़ों को देखिए, मुझे यकीन है कि आप कुछ गणना कर सकते हैं। मैं अभी भी अच्छा कर रहा हूं। जिस दिन उन्हें मुझ पर भरोसा नहीं रहेगा, कोई समस्या नहीं है, मैं चला जाऊंगा। मैं हमेशा इस महासंघ का नंबर एक प्रशंसक रहूंगा।'

विश्व कप के बाद संन्यास पर किया था विचार

रोनाल्डो ने माना कि विश्व कप से बाहर होने के बाद उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से हटने के बारे में विचार किया था। हालांकि, पुर्तगाल के राष्ट्रपति पेड्रो प्रोएंका और कोच जॉर्ज जीसस के साथ बातचीत के बाद उन्होंने खेलना जारी रखने का फैसला किया। उन्होंने कहा, 'हां, मैंने ऐसा किया था। बेशक, मैं हमेशा अपने फैसलों, अपने भविष्य और वर्तमान के बारे में सोचता रहता हूं। मैं सोचने वाला इंसान हूं, आपको सोचना पड़ता है। इसी वजह से आप मुझे अब यहां देख रहे हैं। इसका मतलब है कि मैं जारी रखूंगा।' रोनाल्डो ने यह भी कहा कि वह सिर्फ गोल करने के लिए नहीं, बल्कि युवा खिलाड़ियों की मदद करके भी टीम में योगदान देना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे अब भी विश्वास है कि मैं राष्ट्रीय टीम को वह हासिल करने में मदद कर सकता हूं जो वह चाहती है। मुझे लगता है कि मैं राष्ट्रीय टीम को अपना समर्थन दे सकता हूं, सिर्फ गोल के जरिए नहीं, बल्कि मैदान के बाहर भी।'

भारतीय हॉकी टीम की द. कोरिया पर सबसे बड़ी जीत

आइची नागोया। पुरुष हॉकी में पूल-ए के मैच में भारतीय हॉकी टीम ने दक्षिण कोरिया को 8-2 से हरा दिया। भारत ने कोरिया पर हाफटाइम तक 5-0 की बढ़त बना ली थी। भारत के लिए शिलानंद लाकरा ने चौथे मिनट, सुखजीत सिंह ने नौवें मिनट में गोल दागे। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 11वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दाग भारत को 3-0 से आगे कर दिया। इसके एक मिनट बाद अभिषेक ने गोल दागा। फिर दिलप्रीत सिंह ने 26वें मिनट में गोल दाग भारत को 5-0 से आगे कर दिया।

तीसरे क्वार्टर में भारत ने दो और गोल दागे, जबकि कोरिया की ओर से भी पहला गोल हुआ। भारत की ओर से दिलप्रीत ने 32वें मिनट में अपना दूसरा गोल और अभिषेक ने 38वें मिनट में अपना दूसरा गोल दागा। दक्षिण कोरिया की ओर से एकमात्र गोल किम जैहो ने 42वें मिनट में किया। तीसरे क्वार्टर तक भारत 7-1 से आगे थे।फिर चौथे क्वार्टर में दक्षिण कोरिया की ओर से किम योंगबोक ने 52वें मिनट में गोल दाग स्कोर 7-2 कर दिया। वहीं, रजिंदर सिंह ने 60वें मिनट में गोल दागा और स्कोर 8-2 कर दिया। आखिर तक यही स्कोरलाइन रहा और भारत ने जीत हासिल की। अब पूल स्टेज में ही भारत का सामना जापान से होगा। भारत की नजरें एशियन गेम्स में गोल्ड जीतकर 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के डायरेक्ट क्वालिफिकेशन हासिल करने पर हैं।

कराटे में 100 खिलाड़ियों ने दिखाया दम, 10 ने जीते पदक

हाथरस। हाथरस के मेला श्रीदाऊजी महाराज के उपलक्ष्य में वर्ल्ड बुडो शोटोर्यू कराटे महासंघ के बैनर तले सातवीं श्री दाऊजी ओपन कराटे कप प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीते।

उद्घाटन सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता कुंवर रत्नेश रत्न ने फीता काटकर किया। उन्होंने कहा कि खेल जीवन में अनुशासन लाते हैं। जो खिलाड़ी जीते हैं, उन्हें बधाई और जो हारे हैं, वे निराश न होकर और अधिक मेहनत करें। मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष अनुराग अग्निहोत्री एडवोकेट और उप जिला क्रीड़ा अधिकारी काशी नरेश यादव उपस्थित रहे। संचालन पूर्व डीजीसी क्रिमिनल एडवोकेट वतन सिंह ने किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री डॉ. रामबाबू हरित रहे।

प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रामवीर सिंह भैयाजी, जिला पंचायत सदस्य प्रभा सिंह, अश्वनी सिंह, एडवोकेट रतन सिंह और महासंघ के अध्यक्ष व मुख्य प्रशिक्षक शिहान एमएस सामुराई ने संयुक्त रूप से विजयी प्रतिभागियों को पदक पहनाकर पुरस्कृत किया। अतिथियों को भी स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में हाथरस के विनायक इंटरनेशनल स्कूल, बीएलएस इंटरनेशनल स्कूल, कन्या गुरुकुल महाविद्यालय, सेठ हरचरनदास कन्या इंटर कॉलेज, अलीगढ़ के आरसीएमडी इंटरनेशनल स्कूल के अलावा आगरा, मथुरा, टूंडला और अलीगढ़ के विभिन्न विद्यालयों के 100 बालक-बालिकाओं ने प्रतिभाग किया। इस दौरान रेफरी पैनल के चीफ नितिन सोलंकी, विजेंद्र माहौर, रूबी कुमारी, जज हिमेश डेविड, विशाल ढकराल, सुबह सिंह और दीपक राज व सलमान आदि मौजूद रहे।

स्क्वाश के क्वार्टर फाइनल में आमने-सामने होंगी अनाहत और तन्वी, चार भारतीयों को भी मिली जीत

नागोया अनाहत सिंह, तन्वी खन्ना, अभय सिंह और वीर चोटरानी ने एशियन गेम्स की स्क्वाश स्पर्धा के एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जबकि जोशना चिनप्पा और वेलावन सेंथिलकुमार की जोड़ी मिश्रित युगल के अंतिम आठ में पहुंची। जूनियर विश्व चैंपियन और पदक की दावेदार अनाहत ने महिला एकल में सिंगापुर की वाई इयिन औ येओंग को महज 19 मिनट में 3-0 (11-4, 11-5, 11-7) से हराकर अभियान की शुरुआत की।

सेमीफाइनल में पहुंचने पर तय नहीं होगा पदक

इसके बाद तन्वी ने भी सिंगापुर की वाई यान औ येओंग को 39 मिनट में 3-1 (5-11, 11-4, 11-5, 13-11) से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इन नतीजों के साथ महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में अनाहत और तन्वी के बीच मुकाबला तय हो गया है। पिछले एशियन गेम्स के विपरीत इस बार स्क्वाश की एकल स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले खिलाड़ियों का पदक पक्का नहीं होगा। कांस्य पदक के लिए सेमीफाइनल में हारने वाले दोनों खिलाड़ियों के बीच तीसरे-चौथे स्थान का मुकाबला खेला जाएगा।

अभय सिंह का दमदार प्रदर्शन

पुरुष एकल में अभय सिंह ने दमदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका के रविंदु लक्सिरी को 25 मिनट में 3-0 (11-5, 11-6, 11-0) से शिकस्त दी। क्वार्टर फाइनल में अभय का सामना मेजबान जापान के रयोउनोसुके से होगा। चोटरानी को मलयेशिया के संजय जीवा के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। उन्होंने एक घंटे नौ मिनट चले रोमांचक मुकाबले में 3-2 (11-9, 8-11, 11-6, 15-17, 11-6) से जीत दर्ज कर अंतिम आठ में जगह बनाई। क्वार्टर फाइनल में उनकी भिड़ंत पाकिस्तान के इरफान मुहम्मद से होगी।

इससे पहले दिन में अनुभवी जोशना चिनप्पा और वेलावन सेंथिलकुमार ने हमवतन सूरज चंद और शमीना रियाज को सीधे गेम में हराकर मिश्रित युगल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीत चुकी भारतीय जोड़ी ने ऑल-इंडियन मुकाबले में 11-7, 11-10 से जीत दर्ज की। भारतीय जोड़ी अब शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में फिलीपींस के डेविड पेलिनो और जेमीका अरिबाडो की जोड़ी से भिड़ेगी।

आज ही के दिन भारत बना था विश्व विजेता

2007 टी20 विश्व कप में पाकिस्तान को दी थी मात, जानें उस मैच का रोमांच

नई दिल्ली। 24 सितंबर 2007 का दिन, दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग का वांडरर्स स्टेडियम एक ऐतिहासिक मैच का गवाह बना। टी20 विश्व कप इतिहास का पहला फाइनल और आमने-सामने थे क्रिकेट की दुनिया के दो घोर विरोधी भारत और पाकिस्तान। इस मैच के विजेता को सिर्फ विश्व चैंपियन नहीं बनना था, बल्कि टी20 क्रिकेट के पहले विश्व चैंपियन के रूप में अपना नाम इतिहास में दर्ज कराना था। यह इतिहास रचा महेंद्र सिंह धोनी की अगुआई वाली भारतीय टीम ने। भारतीय टीम ने पाकिस्तान को हराकर पहले टी20 विश्व कप की चैंपियन होने का गौरव हासिल किया था। भारत का पाकिस्तान को हराना कोई नई बात नहीं है। भारत से हारना पाकिस्तान की आदत में शुमार हो चुका है। लेकिन, 19 साल पहले मिली यह जीत भारतीय क्रिकेट इतिहास के चंद सबसे यादगार लम्हों में से एक है। युवा कप्तान धोनी के साथ युवा खिलाड़ियों से भरी टीम ने खिताबी जीत के बाद जब तिरंगा लहराया तो करोड़ों भारतीय क्रिकेट फैंस का सीना गर्व से चौड़ा हो गया।यह वह समय था, जब टी20 क्रिकेट धीरे-धीरे अपने पांव जमा रहा था। भारतीय टीम को इस प्रारूप की कमजोर टीम माना जा रहा था और चैंपियन बनने की संभावना न के बराबर जताई जा रही थी, लेकिन धोनी की कप्तानी वाली टीम ने युवा जोश के साथ होश दिखाया और खिताबी जीत हासिल की। इस जीत ने टी20 क्रिकेट और उसके रोमांच को शीर्ष स्तर पर पहुंचा दिया था।

गंभीर की यादगार पारी

मैच की बात करें तो भारतीय टीम के कप्तान धोनी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया था। टीम इंडिया के लिए पारी की शुरुआत गौतम गंभीर और युसूफ पठान ने की थी। पठान आठ गेंदों पर 15 रन बनाकर आउट हो गए। गंभीर टिके रहे और 54 गेंदों पर 2 छक्के और 8 चौकों की मदद से 75 रनों की यादगार पारी खेलकर टीम का स्कोर पांच विकेट पर 157 तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। छठे नंबर पर आकर रोहित शर्मा ने भी 16 गेंदों पर 30 रनों की बेहद अहम पारी खेली थी।158 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी पाकिस्तानी टीम 19.3 ओवर में 152 रन पर सिमट गई। भारतीय टीम ने पांच रन से जीत हासिल कर पहला टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम कर इतिहास रच दिया। टीम इंडिया के लिए आर. पी. सिंह और इरफान पठान ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन-तीन विकेट लिए थे। जोगिंदर शर्मा ने दो और एस. श्रीसंत ने 1 विकेट लिया था। मैच अंत तक रोमांचक बना रहा था और इसका फैसला आखिरी ओवर में जाकर हुआ। भारतीय टीम को जीत के लिए एक विकेट चाहिए था और पाकिस्तान को जीत के लिए 13 रन चाहिए थे। पाकिस्तान का स्कोर नौ विकेट पर 145 रन था। भारतीय टीम की जीत की राह का रोड़ा मिस्बाह उल हक थे, जो पाकिस्तान को जीत के करीब लाए थे।

रोहित मेरी सोच जानते हैं, मैं उनकी सोच जानता हूं

रोहित के साथ रिश्ते पर गंभीर ने तोड़ी चुप्पीः अनबन की खबरों पर पहली बार दिया बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख कोच गौतम गंभीर ने रोहित शर्मा के साथ अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि रोहित के साथ उनका रिश्ता सिर्फ कप्तान और कोच का नहीं रहा है। दोनों लंबे समय से एक-दूसरे को जानते हैं और साथ खेलने के कारण एक-दूसरे की सोच को भी अच्छी तरह समझते हैं। गंभीर और रोहित एक बार फिर भारतीय टीम के ड्रेसिंग रूम में साथ नजर आएंगे। भारत अपने घरेलू सत्र की शुरुआत रविवार को तिरुवनंतपुरम में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले से करेगा।

गंभीर ने कहा कि रोहित के साथ उनका जुड़ाव उस समय से है, जब वह खुद टीम के वरिष्ठ खिलाड़ी थे। उन्होंने कहा, 'रोहित और मेरा रिश्ता सिर्फ कप्तान और कोच का नहीं था। जब रोहित टीम में आए थे, तब मैं एक वरिष्ठ खिलाड़ी था। इसलिए रोहित और मेरा रिश्ता उसी समय से है। रोहित मुझे तब से जानते हैं। इसलिए जब आप साथ खेल चुके होते हैं तो चीजें बहुत आसान हो जाती हैं। वह मेरी सोच जानते हैं और मैं उनकी सोच जानता हूं।'

गंभीर ने कहा कि कप्तान और कोच की सोच अलग हो सकती है, लेकिन अंतिम फैसला टीम के हित में होना सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, 'कल मेरी सोच कुछ और हो सकती है, कप्तान की सोच कुछ और हो सकती है, लेकिन आखिर में अगर जो फैसला लिया जाए वह टीम के हित में है, तो इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता।'

चार कप्तानों के साथ काम करने का अनुभव

जुलाई 2024 में भारतीय टीम के मुख्य कोच का पद संभालने के बाद गंभीर ने चार कप्तानों के साथ काम किया है। इनमें रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर और शुभमन गिल शामिल हैं। गंभीर ने चारों के रवैये की सराहना करते हुए कहा कि सभी ने टीम को खुद से ऊपर रखा।

उन्होंने कहा, 'मैंने चार कप्तानों के साथ काम किया है- रोहित, सूर्या, अब शुभमन और श्रेयस। जिन भी कप्तानों के साथ मैंने काम किया, सभी का पहला इरादा हमेशा टीम को प्राथमिकता देना रहा। मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मुझे ऐसे चार लोगों के साथ काम करने का मौका मिला, जिन्होंने हमेशा खुद से पहले टीम को रखा।'

श्रेयस और शुभमन की भी तारीफ

गंभीर ने कहा कि विचारधारा, सोच और खेल को देखने का नजरिया अलग हो सकता है, लेकिन इरादा सही होना जरूरी है। उन्होंने श्रेयस अय्यर के साथ अपने पुराने संबंध का भी जिक्र किया। गंभीर ने बताया कि वह श्रेयस के साथ केकेआर में काम कर चुके हैं और 2018 में दिल्ली की कप्तानी उन्हें सौंपते समय भी उनकी नेतृत्व क्षमता देखी थी। उन्होंने कहा, 'मैंने श्रेयस के साथ केकेआर में काम किया है। उससे पहले, जब 2018 में मैंने दिल्ली के लिए श्रेयस को कप्तानी सौंपी थी, तो मुझे लगा था कि उनमें लीडरशिप के गुण हैं। अब, मुझे उनके साथ फिर से काम करने का मौका मिला है। शुभमन अभी युवा हैं।'शुभमन गिल को लेकर गंभीर ने कहा कि इंग्लैंड दौरे पर पांच टेस्ट मैचों में कप्तानी संभालना उनके लिए बड़ी चुनौती थी। उन्होंने कहा, 'अगर आपको इंग्लैंड के दौरे पर पांच टेस्ट मैचों में कप्तानी दी जाती है और किसी को गहरे पानी में धकेल दिया जाता है तो या तो आप बहुत अच्छी तरह तैरकर बाहर निकलेंगे या डूब जाएंगे।

शोभिता धुलिपाला स्टारर 'वेट्टुवम' की दुनिया आई सामने

साउथ सिनमा मच अवेटेड फिल्म 'वेट्टुवम' का टीजर या यूं कहें कि 'वेट्टुवम' की दुनिया को समझाने के लिए मेकर्स ने एक वीडियो जारी किया है। इस फिल्म की कहानी पंकज त्रिपाठी सुना रहे हैं और शुरुआत भी उनकी ही झलक के साथ की गई है। वीडियो की शुरुआत में कुछ ऐसी झलकियां हैं जो आपके पुराने दौर में लेकर जाती है। पंकज त्रिपाठी की आवाज में इस फिल्म का ताना-बाना बुना गया है। इस फिल्म में दर्शक अलग-अलग गुटों के बीच जमीन पर अपना दबदबा कायम करने की लड़ाई देख सकते हैं। इन लड़ाइयों को पुराने समय के भारत की पारंपरिक युद्ध तकनीकों के आधार पर तैयार किया गया है और इसी वजह से पूरी कास्ट ने अलग-अलग तरह की मार्शल आर्ट्स में महारत हासिल करने के लिए कड़ी ट्रेनिंग ली है!

सबसे ज्यादा इंतजार की जा रही झलक से पर्दा उठा दिया है

पा. रंजीत अपनी फिल्म 'वेट्टुवम' के ऐलान के साथ पैन-इंडिया फिल्मों की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं, ऐसे में खबर सामने आने के साथ ही लोगों में इसे लेकर जबरदस्त उत्साह देखने मिल रहा है। मेकर्स ने घोषणा के समय किए वादे के मुताबिक आज फिल्म की सबसे ज्यादा इंतजार की जा रही झलक से पर्दा उठा दिया है। बता दें कि यह कुछ ऐसा है जिसे कभी किसी ने नहीं देखा है। फिल्म की कहानी अलग-अलग समय में लेकर जाती है, जिसमें दर्शक कई कलाकारों को अपनी भूमिका निभाते देखेंगे। इसके साथ ही यह बात भी साफ हो गयी है कि फिल्म डायरेक्टर हार बार की तरह इस बार भी कुछ अलग करते हुए पैन इंडिया लेवल पर हलचल मचाने वाले हैं।

वह हमारे आने वाले कल यानी भविष्य को आकार दे सकते हैं

मेकर्स ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें 'वेट्टुवम' की दुनिया को देखा जा सकता है। कई भाषों में शेयर किए गए वीडियो में जहां हिंदी में पंकज त्रिपाठी की आवाज़ है, वहीं तमिल वर्जन में पा. रंजीत, तेलुगु में राणा दग्गुबाती, कन्नड़ में किच्चा सुदीप और मलयालम में सौबिन शाहिर की आवाज सुनाने मिल रही है। बता दें कि वे सभी वीडियो में फिल्म के अलग-अलग पहलुओं के बारे में बता करते हुए उनपर रोशनी दाल रहे हैं। फिल्म बीते हुए कल के उन नतीजों पर रोशनी डालती है, जिनका असर हमारे आज पर पड़ रहा है और वह हमारे आने वाले कल यानी भविष्य को आकार दे सकते हैं। यह चीजे आख़िरकार प्राकृतिक आपदाओं का कारण बन सकती हैं। बताया गया है कि यह बार-बार आने वाली आपदाएं इंसानों के भविष्य पर बड़ा असर डालकर उसे प्रभावित कर सकती हैं।
एक्टर्स की भी दमदार झलक देखने मिल रही है मेकर्स द्वारा शेयर किये गए दिलचस्प फर्स्ट लुक में कई गुटों के बीच वर्चस्व की लड़ाई लड़ते हुए दिखाया गया है, इसी लड़ाई को फिल्म में 'वेत्तुवम' का नाम दिया गया है। इस फिल्म के जरिए मल्लखंब को अलग नज़रिये से दिखाया गया है।

तमिल, तेलुगु, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज़ के लिए तैयार

इस फिल्म को पा. रंजीत न सिर्फ डायरेक्ट कर रहे हैं बल्कि उन्होंने इसे लिखा भी है। यह फिल्म तमिल, तेलुगु, हिंदी, मलयालम, और कन्नड़ में एक पैन-इंडिया रिलीज़ के लिए तैयार है। फिल्म को एस. साई देवानंद, एस. साई वेंकटेश्वरन, और पा. रंजीत द्वारा प्रोड्यूस किया जा रहा है। फ़िल्म को 'लर्न एंड टीच प्रोडक्शन' और 'नीलम प्रोडक्शंस' के बैनर तले बनाया जा रहा है, जो दिसंबर 2026 में रिलीज़ के लिए तैयार है।

पा. रंजीत अपनी फिल्म 'वेट्टुवम' के साथ वापसी कर रहे हैं

इसके साथ ही फिल्म के म्यूजिक को उसकी कहानी के हिसाब से जी. वी. प्रकाश कुमार बना रहे हैं, जो साज़िश की एक और परत जोड़ता है। कहना होगा की म्यूज़िक पा. रंजीत द्वारा बनाई हुई दुनिया के इर्द-गिर्द एक अनोखी आभा बनाता है। बात करें पा. रंजीत की तो उन्हें सुपरहिट फिल्म्स जैसे 'कबाली', 'काला', 'सरपट्टा परमबराई', और 'थंगलान' को डायरेक्ट करने के लिए जाना है। जैसे की पा. रंजीत अपनी फिल्म 'वेट्टुवम' के साथ वापसी कर रहे हैं, ऐसे में इसे बड़े पैमाने पर बनाये जाने की उम्मीद है।

हॉलीवुड में रीमेक होने वाली पहली तमिल फिल्म बनी विजय सेतुपति की 'महाराजा'

विजय सेतुपति की 'महाराजा' रचने जा रही इतिहास, हॉलीवुड में रीमेक होने वाली पहली तमिल फिल्म बनीफिल्म के निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर इस खबर की आधिकारिक पुष्टि करते हुए इसे तमिल सिनेमा का 'ऐतिहासिक मील का पत्थर' बताया है। जून 2024 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई विजय सेतुपति और अनुराग कश्यप स्टारर 'महाराजा' ने घरेलू बॉक्स ऑफिस के साथ-साथ ग्लोबल मार्केट में भी जबरदस्त प्रदर्शन किया था। फिल्म की सफलता का असली टर्निंग पॉइंट चीन में इसकी रिलीज साबित हुआ। चीन में इस सस्पेंस थ्रिलर ने रिकॉर्ड तोड़ते हुए 91 करोड़ रुपए से अधिक का बिजनेस किया।
फिल्म निर्माता सुधन सुंदरम के अनुसार, चीन में फिल्म की इस अप्रत्याशित सफलता के बाद ही एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय एजेंसी ने हॉलीवुड रीमेक राइट्स के लिए निर्माताओं से संपर्क किया।
पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर यह अफवाहें जोर पकड़ रही थीं कि 'इंटरस्टेलर' और 'डलास बायर्स क्लब' फेम ऑस्कर विजेता अभिनेता मैथ्यू मैक्कोनाघे इस रीमेक में मुख्य भूमिका निभा सकते हैं। जब निर्माता सुधन सुंदरम से इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, यह सच है कि हॉलीवुड रीमेक के लिए किसी 'ए-लिस्ट' स्टार को साइन किया जा रहा है और प्रोजेक्ट पर काम अगले साल शुरू होगा। हो सकता है मैथ्यू उन एक्टर्स में शामिल हों जिनसे एजेंसी बातचीत कर रही है, लेकिन आधिकारिक पुष्टि कास्टिंग एजेंसी की तरफ से ही की जाएगी।
निथिलन स्वामीनाथन द्वारा निर्देशित और 'द रूट', 'थिंक स्टूडियोज' व 'पैशन स्टूडियोज' द्वारा निर्मित यह एक 'नियो-नोइर' क्राइम थ्रिलर फिल्म है। कहानी एक साधारण नाई (विजय सेतुपति) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पुलिस स्टेशन में अपनी चोरी हुई डस्टबिन जिसका नाम उसने 'लक्ष्मी' रखा है, की शिकायत दर्ज कराने पहुंचता है।

फिल्म 'तुम मेरे हो' में गुरमीत चौधरी संग रोमांस करेंगी ईशा मालवीय

'बिग बॉस 17' फेम ईशा मालवीय जल्द फिल्म 'तुम मेरे हो' के साथ बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं। गुरुवार को मेकर्स ने उनकी इस हिंदी फिल्म के कई पोस्टर जारी किए। खास बात ये है कि इस मूवी में वह टीवी के पॉपुलर अभिनेता गुरमीत चौधरी के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए दिखाई देंगी। गुरमीत ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर फिल्म के पोस्टर शेयर किए हैं, जिसमें देखने को मिला कि दोनों रोमांस में खोए हुए नजर आ रहे हैं। पहले पोस्टर में दोनों लिपलॉक करते नजर आए और आगे के पोस्टर में भी दोनों का रोमांटिक अंदाज देखने को मिला।

कब रिलीज होगी फिल्म

इन पोस्टर को शेयर करते हुए अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, 'तुम मेरे हो' की दुनिया में डुबकी लगाओ। फिल्म 23 अक्टूबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। क्योंकि कई बार, प्यार में पड़ना आसान होता है, लेकिन इसके बाद जो होता है, वो कहानी है।'
बता दें कि गुरमीत चौधरी ही ईशा को बॉलीवुड में लॉन्च कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन आशीष पांडा ने किया है और यह रेवा क्रिएटिव हाउस और देबगुरु फिल्म्स के बैनर तले बनाई गई है। वहीं, फिल्म को आरती एस और देबिना बनर्जी ने प्रोड्यूस किया है।

तरण आदर्श के मुताबिक, मूवी में लव स्टोरी के साथ-साथ एडवेंचर और एक्शन भी देखने को मिलेगा। ऐसे में अब ये देखना काफी दिलचस्प होगा कि ईशा मालवीय और गुरमीत चौधरी की केमिस्ट्री लोगों को पसंद आती है या नहीं। ईशा मालवीय और गुरमीत चौधरी 'लाफ्टर शेफ्स 3' में साथ काम कर चुके हैं। ईशा इससे पहले पंजाबी फिल्म 'इश्कां दे लेखे' में नजर आ चुकीं हैं। अभिनेत्री ने अपने करियर की शुरुआत टीवी शो 'उडारियां' से की थी।

मनीष शर्मा की अगली फिल्म में लीड रोल निभा सकती हैं सारा अर्जुन

फिल्म 'धुरंधर' से चर्चा में आई एक्ट्रेस सारा अर्जुन को लेकर एक नई खबर सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'सारा अब निर्देशक मनीष शर्मा की अगली फिल्म में लीड रोल निभा सकती हैं। इस फिल्म में उनके साथ अंबरीश वर्मा नजर आ सकते हैं। अंबरीश वर्मा को वेब सीरीज 'सपने वर्सेज एवरीवन' में उनके काम के लिए जाना जाता है। सारा ने अपनी पुरानी टैलेंट मैनेजमेंट कंपनी से अलग होकर यशराज फिल्म्स की टैलेंट मैनेजमेंट से हाथ मिलाया है। वाईआरएफ टैलेंट के साथ पहले से कई युवा कलाकार जुड़े हुए हैं। इनमें अहान पांडे, अनीत पड्डा और शरवरी जैसे नाम शामिल हैं। सारा के इस कंपनी से जुड़ने की खबर ऐसे समय में सामने आई है, जब 'धुरंधर' के बाद उनके करियर में नई परियोजनाओं को लेकर चर्चा तेज है।

सीरीज 'शकः ट्रस्ट नो वन' में नजर आएंगी परिणीति चोपड़ा

परिणीति चोपड़ा सीरीज 'शकः ट्रस्ट नो वन' में नजर आएंगी। इसमें परिणीति के साथ ताहिर राज भसीन भी नजर आएंगे। इस सीरीज को लेकर परिणीति ने बातचीत की।

आपके द्वारा एक मां का किरदार निभाना कितना चुनौतीपूर्ण रहा?

इस तरह की कहानी में इमोशन बहुत जरूरी है, लेकिन आप सिर्फ इमोशन के भरोसे नहीं चल सकते। किरदार के भीतर लगातार बेचैनी है। वह कुछ जानना चाहती है, कुछ ढूंढना चाहती है। मुझे लगता है कि इस किरदार की सबसे बड़ी खूबी यही है कि वह सिर्फ एक पीड़ित व्यक्ति नहीं है।

क्या महिला किरदारों की मजबूत और अलग-अलग परतें इस कहानी को और खास बनाती हैं?

जरूर। मुझे लगता है कि इस स्क्रिप्ट की सबसे खूबसूरत चीज इसकी महिला किरदारों की लेयरिंग है। वे सिर्फ कहानी को आगे बढ़ाने के लिए मौजूद नहीं हैं। एक अच्छे थ्रिलर की खूबी यही होती है कि आप हर किरदार के बारे में और जानना चाहते हैं।

क्या आपको लगता है कि पिता की भूमिका को भी मां जितनी अहमियत मिलनी चाहिए?

मेरे लिए इसका जवाब बिल्कुल स्पष्ट है-पेरेंटिंग 50-50 होनी चाहिए, अगर परिस्थितियां इसकी इजाजत देती हैं। बच्चे को दोनों माता-पिता का समय और प्यार मिलना चाहिए। लेकिन मैं यह भी मानती हूं कि हर परिवार की परिस्थिति अलग होती है। किसी परिवार में पिता ज्यादा काम कर रहे हो सकते हैं और मां बच्चे के साथ ज्यादा समय बिता रही हो सकती है। किसी दूसरे परिवार में इसका उल्टा हो सकता है।

एनकाउंटर स्पेशलिस्ट पुलिस अधिकारी के रूप में नजर आएंगे अमित साध

मुंबई प्रदीप रंगवानी और यूवी फिल्म्स ने अपनी आगामी थ्रिलर फिल्म 'प्रताप' का दमदार फर्स्ट लुक जारी करने के साथ-साथ फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया है। अमित साध अभिनीत यह फिल्म 20 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर में अमित साध एक प्रभावशाली पुलिस अधिकारी के रूप में नजर आ रहे हैं। हाथ में बंदूक थामे उनका सख्त और तीखा अंदाज तुरंत ध्यान आकर्षित कर रहा है। इसी के साथ पोस्टर में दिखाई गई टूटी हुई दुनिया संघर्ष, खतरे और रहस्य से भरी कहानी की ओर इशारा करती है, जहां चीजें वैसी नहीं हैं जैसी पहली नजर में दिखाई देती हैं। पोस्टर पर लिखा दमदार टैगलाइन 'इस बार निशाना बाहर नहीं, भीतर है।' फिल्म के रहस्य और रोमांच को और बढ़ा रहा है। सचिन सराफ द्वारा लिखित और निर्देशित 'प्रताप' एक सम्मानित एनकाउंटर स्पेशलिस्ट की कहानी है, जिसकी जिंदगी उस समय पूरी तरह बदल जाती है जब उसे उसी कानून का सामना करना पड़ता है, जिसकी रक्षा और पालन वह वर्षों से करता आया है।
यह दिलचस्प कहानी कर्तव्य, वफादारी और कानून तथा उसे लागू करने वालों के बीच के संघर्ष को एक रोमांचक थ्रिलर के रूप में प्रस्तुत करती है। अमित साध के साथ फिल्म में ईशा देओल, तिग्मांशु धूलिया, मिलिंद गुणाजी और सीमा बिस्वास जैसे शानदार कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फर्स्ट लुक पोस्टर में फिल्म के प्रमुख किरदारों को टूटे हुए कांच की आकर्षक विजुअल शैली के जरिए दिखाया गया है, जो फिल्म की जटिल और रहस्यमयी दुनिया की झलक तो देता है, लेकिन कहानी के कई राज अभी भी छिपाकर रखता है। अपने दिलचस्प कथानक, दमदार कलाकारों की टोली और प्रभावशाली फर्स्ट लुक के साथ 'प्रताप' एक ऐसी रोमांचक थ्रिलर बनने का संकेत देती है, जहां जो व्यक्ति कभी अपने लक्ष्य का पीछा करता था, अब शायद खुद ही निशाना बन गया है।

'वोट चोरी' के आरोपों पर राहुल गांधी का चुनाव आयोग पर हमला, बोले- ज्ञानेश कुमार को देना चाहिए इस्तीफा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को चुनाव आयोग, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और मतदाता सूची को लेकर चल रहे विवाद पर करीब 55 मिनट तक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर गंभीर आरोप लगाते हुए उनके इस्तीफे की मांग की। राहुल गांधी ने दावा किया कि चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची में गड़बड़ी के कारण विपक्ष को नुकसान पहुंचा है। हालांकि, चुनाव आयोग से जुड़े इन आरोपों पर अलग-अलग पक्षों के अपने तर्क और दावे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि विपक्षी दलों के बीच मतदाता सूची और कथित 'वोट चोरी' के मुद्दे पर व्यापक सहमति है। उन्होंने दावा किया कि पिछले कुछ चुनावों के दौरान उन्हें मतदाता प्रक्रिया में गड़बड़ी का संदेह हुआ और बाद में इस पर काम किया गया। राहुल ने कहा कि देश में चुनाव, कानून, संस्थाओं और संविधान के बीच की कड़ी को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पहले व्यवस्था में सुधार और उसके बाद जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया होनी चाहिए। प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने एसआईआर को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम मसौदा सूची से हटाए गए हैं और नए मतदाताओं के पंजीकरण को लेकर भी दिक्कतें सामने आ रही हैं। उन्होंने जेन-जी मतदाताओं को लेकर दावा किया कि भाजपा को लगता है कि युवा उसे वोट नहीं देना चाहते। यह राहुल गांधी का राजनीतिक दावा है, जिसकी स्वतंत्र पुष्टि इस बयान से नहीं होती। राहुल गांधी के आरोप ऐसे समय सामने आए हैं, जब द इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के अनुसार चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में कम से कम 14 बार लिखित आपत्तियां दर्ज कीं। रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों ने कुछ फैसलों और आदेशों को उनकी जानकारी के बिना जारी किए जाने पर सवाल उठाए तथा मतदाता डेटाबेस के केंद्रीकरण, नए मतदाताओं के आवेदन में बदलाव और एसआईआर से जुड़ी प्रक्रियाओं पर आपत्ति जताई। रिपोर्ट के अनुसार, फॉर्म-6 में नए मतदाताओं से पिछली एसआईआर सूची में स्वयं या माता-पिता अथवा दादा-दादी के नाम से जुड़ा अतिरिक्त सवाल पूछा गया। दोनों चुनाव आयुक्तों ने इस बदलाव की प्रक्रिया पर सवाल उठाए थे। वहीं मतदाता डेटाबेस तक राज्यों के अधिकारियों की पहुंच को लेकर भी आपत्तियां दर्ज की गईं। गोवा के मामले में भी रिपोर्ट में बताया गया कि सुनवाई के बाद 97 मतदाताओं को योग्य पाए जाने के बावजूद सॉफ्टवेयर में उन्हें दोबारा सूची में जोड़ने का विकल्प उपलब्ध नहीं था। इस संबंध में राज्य के अधिकारियों ने दिल्ली स्थित आयोग को कई ईमेल भेजे थे। राहुल गांधी ने 2023 के मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त कानून पर भी सवाल उठाए। उन्होंने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति वाली चयन समिति की संरचना और आधिकारिक कार्यों से संबंधित कानूनी सुरक्षा के प्रावधानों का मुद्दा उठाया। वहीं संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है, जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त शामिल होते हैं। हालिया रिपोर्टिंग के अनुसार आयोग ने दो चुनाव आयुक्तों की

आपत्तियों के बाद कहा है कि अलग-अलग मत निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा हैं। राहुल गांधी ने कहा कि विपक्षी दल मिलकर इस मुद्दे पर आगे कार्रवाई करेंगे और मतदाता सूची तथा चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता से जुड़े सवालों को उठाते रहेंगे। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से इस्तीफा देने की मांग भी दोहराई।

पांच राज्यों के चुनाव में भाजपा ने खर्च किए 529 करोड़, अकेले बंगाल में गया 286 करोड़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय कार्यालय ने कुल 529.38 करोड़ रुपए खर्च किए। चुनाव आयोग को सौंपी गई पार्टी की खर्च रिपोर्ट के अनुसार, इस राशि का आधे से ज्यादा हिस्सा अकेले पश्चिम बंगाल में खर्च हुआ। बंगाल में भाजपा का चुनावी खर्च करीब 286 करोड़ रुपए रहा, जो पांच राज्यों में पार्टी के कुल खर्च का लगभग 54 प्रतिशत है। चुनाव आयोग को दी गई रिपोर्ट के मुताबिक असम, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और पश्चिम बंगाल में पार्टी ने यह खर्च किया। पश्चिम बंगाल में भाजपा ने सामान्य चुनाव प्रचार पर 217.16 करोड़ रुपए खर्च किए, जबकि उम्मीदवारों से जुड़े खर्च के लिए 69.83 करोड़ रुपए लगाए गए। इसमें उम्मीदवारों को सीधे दी गई 58.80 करोड़ रुपए की राशि भी शामिल है। अन्य राज्यों की बात करें तो असम में भाजपा का खर्च 96.26 करोड़ रुपए, केरल में 82.67 करोड़ रुपए, तमिलनाडु में 51.56 करोड़ रुपए और पुडुचेरी में 11.89 करोड़ रुपए रहा। पश्चिम बंगाल में भाजपा का खर्च कांग्रेस के पांच राज्यों में किए गए कुल खर्च से भी अधिक बताया गया है। उपलब्ध खर्च रिपोर्ट के अनुसार कांग्रेस ने बंगाल में 42.08 करोड़ रुपए खर्च किए। इसमें 12.96 करोड़ रुपए प्रचार और 29.12 करोड़ रुपए उम्मीदवारों से जुड़े खर्च पर लगाए गए। वहीं सीपीआई(एम) ने बंगाल में 8.23 करोड़ रुपए खर्च किए।

टोंक में बनी फिल्म 'बैरण' को राजस्थानी सिनेमा अवॉर्ड्स में मिला सम्मान, जी. नटराज-रिया सैनी सम्मानित

महानगर मेट्रो ब्यूरो/

जयपुर। राजस्थानी सिनेमा अवॉर्ड्स के मंच पर टोंक का नाम एक बार फिर गर्व से गूंजा। निर्देशक जी. नटराज की फिल्म 'बैरण' ने समारोह में छह प्रतिष्ठित पुरस्कार बटोरकर यह साबित कर दिया कि प्रतिभा किसी परिचय की मोहताज नहीं होती। नटराज को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक और सर्वश्रेष्ठ कोरियोग्राफर, दोनों खिताब से नवाजा गया – एक ऐसी उपलब्धि जो कम ही फिल्मकारों के हिस्से आती है। अभिनेत्री रिया सैनी को उनके दमदार अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री चुना गया, तो विकास सक्सेना ने सर्वश्रेष्ठ डीओपी का सम्मान अपने नाम किया। फिल्म को सर्वश्रेष्ठ बैकग्राउंड स्कोर का पुरस्कार भी मिला, जबकि क्रिएटिव डायरेक्टर डी.डी. मंगल और निर्माता अजय नटराज को विशेष सम्मान दिया गया। बॉलीवुड अभिनेता शाहबाज़ खान के हाथों जब टीम को ट्रॉफियां मिलीं, तो हॉल तालियों से गूंज उठा। यह क्षण सिर्फ एक फिल्म की जीत नहीं, बल्कि टोंक की मिट्टी में पनपी कहानी कहने की कला का उत्सव था। टीम ने आयोजक पी.एम. डूडी और निर्णायक मंडल का आभार जताते हुए कहा – यह सम्मान आगे और बेहतर सिनेमा गढ़ने की प्रेरणा है।

181 अभयम के समझाने पर एक महिला को उसकी बची हुई 2,200 रुपये की मेहनताना दी गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद ईस्ट में, एक प्राइवेट एजेंसी के ज़रिए एक रेजीडेंसी में क्लीनर का काम करने वाली महिला ने पैसे की दिक्कतों की वजह से 7 दिन काम किया था। अचानक बीमार पड़ने और हॉस्पिटल में इलाज कराने के बाद, डॉक्टर की सलाह पर महिला ने कुछ समय के लिए काम पर जाना बंद कर दिया। जब वह बची हुई 7 दिन की मेहनताना लेने के लिए सुपरवाइज़र के पास गई, तो उसने पैसे देने से मना कर दिया। सिक्योरिटी गार्ड की सलाह पर महिला ने 181 अभयम से संपर्क किया। 181 टीम ने महिला की काउंसलिंग की और उसे ज़रूरी कानूनी सलाह दी। बाद में, सुपरवाइज़र से बात करने के बाद, महिला ने उसे किए गए काम की मेहनताना देने के लिए मना लिया, और आखिर में सुपरवाइज़र ने 2,200 रुपये दिए। अपनी मेहनत का पैसा पाकर महिला की आँखों में खुशी के आँसू आ गए। सुपरवाइज़र ने उसे ठीक होने के बाद फिर से काम पर रखने का भरोसा भी दिया।

2 अक्टूबर को देशभर में 'नो यूपीआई डे'! 500 से ज्यादा व्यापारी संगठन करेंगे विरोध

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। 2 अक्टूबर को देशभर में व्यापारियों और दुकानदारों की ओर से 'नो यूपीआई डे' मनाने का ऐलान किया गया है। व्यापारी संगठन 2,000 रुपए से अधिक के यूपीआई लेनदेन पर प्रस्तावित 0.4 प्रतिशत शुल्क के विरोध में इस दिन यूपीआई से भुगतान नहीं लेने की बात कह रहे हैं। विरोध के तहत दुकानों पर लगे यूपीआई क्यूआर कोड, स्कैनर, साउंड बॉक्स और अन्य डिजिटल भुगतान उपकरणों को काले कपड़े से ढककर प्रदर्शन किया जाएगा। व्यापारी संगठनों की मांग है कि 15 अक्टूबर से लागू होने जा रहे प्रस्तावित शुल्क को वापस लिया जाए। महाराष्ट्र चैंबर ऑफ कॉमर्स, इंडस्ट्री एंड एग्रीकल्चर के अध्यक्ष रवींद्र मंगवे के अनुसार, यह आंदोलन केवल महाराष्ट्र तक सीमित नहीं रहेगा। उनके मुताबिक देशभर के 500 से अधिक प्रमुख व्यापारी संगठन इस विरोध में शामिल होंगे। आंदोलन के जरिए व्यापारी संगठन डिजिटल भुगतान से जुड़े प्रस्तावित शुल्क को लेकर अपनी आपत्ति दर्ज कराने की तैयारी में हैं। विरोध में शामिल होने वाले प्रमुख संगठनों में ऑल इंडिया कंज्यूमर प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूटर्स फेडरेशन, फेडरेशन ऑफ रिटेल ट्रेडर्स वेलफेयर एसोसिएशन, ऑल इंडिया मोबाइल रिटेलर्स एसोसिएशन, ऑल इंडिया ज्वैलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन और अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ शामिल हैं। व्यापारी संगठनों का कहना है कि खुदरा व्यापारी और वितरक पहले से कम लाभांश पर कारोबार करते हैं। ऐसे में डिजिटल लेनदेन पर अतिरिक्त शुल्क लगने से उनकी लागत बढ़ सकती है। संगठनों का तर्क है कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था का उद्देश्य लेनदेन को आसान और सुविधाजनक बनाना होना चाहिए, न कि व्यापारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालना। व्यापारी संगठनों के अनुसार यूपीआई के बढ़ते इस्तेमाल से नकद लेनदेन में कमी आई है और कारोबारियों ने डिजिटल व्यवस्था को अपनाने में सहयोग किया है। उनका कहना है कि व्यापारियों को डिजिटल व्यवस्था में भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। संगठनों ने यह भी कहा है कि यदि सरकार ने प्रस्तावित शुल्क पर पुनर्विचार नहीं किया तो आंदोलन को आगे और तेज किया जा सकता है। 2 अक्टूबर को यदि किसी दुकान पर यूपीआई भुगतान स्वीकार नहीं किया जाता है, तो ग्राहक नकद भुगतान का विकल्प अपना सकते हैं। इसके अलावा डेबिट या क्रेडिट कार्ड के जरिए स्वाइप या टैप करके भुगतान किया जा सकता है। बड़ी खरीदारी या सीधे बैंक खाते में राशि भेजने के लिए नेट बैंकिंग या एनईएफटी का इस्तेमाल भी विकल्प हो सकता है।

'लव एंड वॉर' में रणबीर का नया अवतार, खून से सनी शर्ट और मोटी मूंछों में दिखे अभिनेता

21 जनवरी 2027 को सिनेमाघरों में दस्तक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। संजय लीला भंसाली की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'लव एंड वॉर' को लेकर दर्शकों का इंतजार एक बार फिर बढ़ गया है। बुधवार को फिल्म से रणबीर कपूर का पहला लुक जारी किया गया, जिसमें अभिनेता बिल्कुल अलग और बेहद गंभीर अंदाज में नजर आ रहे हैं। पोस्टर में रणबीर मोटी मूंछों, गॉगल्स और खून के दाग वाली शर्ट पहने दिखाई दे रहे हैं। उनका रफ और इंटेंस लुक फिल्म की कहानी में मौजूद संघर्ष, तनाव और एक्शन की ओर संकेत करता नजर आता है। जारी किए गए पोस्टर में रणबीर का चेहरा गंभीर दिखाई देता है और उनका पूरा व्यक्तित्व पहले के कई फिल्मी किरदारों से अलग नजर आ रहा है। शर्ट पर लगे खून के दाग उनके किरदार के आसपास होने वाले संघर्ष को लेकर उत्सुकता बढ़ाते हैं। वहीं गॉगल्स और मोटी मूंछें उनके लुक को एक अलग पहचान देती हैं। फिल्म के निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर पोस्टर साझा करते हुए लिखा, 'वो रुतबा, वो रौब, वो जुनून!' इसके साथ ही फिल्म की नई रिलीज तारीख 21 जनवरी 2027 घोषित की गई है। 'लव एंड वॉर' में रणबीर कपूर के साथ आलिया भट्ट और विक्की कौशल भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन संजय लीला भंसाली कर रहे हैं। यह फिल्म दुनियाभर के सिनेमाघरों में 21 जनवरी 2027 को रिलीज होगी। निर्माताओं ने इसे हिंदी के अलावा तमिल और तेलुगु भाषाओं में भी दर्शकों तक पहुंचाने की योजना बनाई है। फिल्म की रिलीज तारीख पहले भी कई बार बदली जा चुकी है। जनवरी 2024 में फिल्म की घोषणा के समय इसे क्रिसमस 2025 पर रिलीज करने की योजना बनाई गई थी। हालांकि बड़े स्तर पर होने वाली शूटिंग और निर्माण प्रक्रिया में अधिक समय लगने के कारण इसकी रिलीज आगे बढ़ाई गई। इसके बाद मार्च 2026 में रिलीज की चर्चा हुई। बाद में 14 अगस्त 2026 की तारीख भी सामने आई, लेकिन तय समय तक फिल्म

का काम पूरा नहीं हो सका। फिल्म के बड़े दृश्य प्रभावों और हवाई एक्शन दृश्यों के निर्माण में अपेक्षा से अधिक समय लगने के चलते रिलीज को फिर टालना पड़ा। अब निर्माताओं ने 21 जनवरी 2027 की तारीख तय की है। रणबीर का पहला लुक सामने आने के बाद फिल्म के एक्शन और उनके किरदार को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है। रणबीर कपूर और संजय लीला भंसाली का रिश्ता भी इस फिल्म को खास बनाता है। रणबीर ने वर्ष 2007 में भंसाली की फिल्म 'सांवरिया' से अभिनय की शुरुआत की थी। वहीं आलिया भट्ट ने 2022 में भंसाली की 'गंगूबाई काठियावाड़ी' में काम किया था। इस फिल्म में उनके अभिनय के लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का सम्मान मिला था। दूसरी ओर, विक्की कौशल पहली बार संजय लीला भंसाली के निर्देशन में काम कर रहे हैं। ऐसे में 'लव एंड वॉर' में तीनों कलाकारों की पहली संयुक्त प्रस्तुति को लेकर भी दर्शकों में खास उत्सुकता बनी हुई है।

सोने-चांदी के दाम में लगातार चौथे दिन गिरावट, 10 ग्राम सोना 1,231 और चांदी 4,518 सस्ती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। सोने और चांदी की कीमतों में 24 सितंबर को लगातार चौथे दिन गिरावट दर्ज की गई। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 1,231 रुपए घटकर करीब 1.51 लाख रुपए रह गया। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत में 4,518 रुपए की गिरावट आई और यह करीब 2.28 लाख रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई। पिछले चार दिनों में दोनों कीमती धातुओं के दाम में लगातार कमजोरी देखने को मिली है। इस दौरान चांदी करीब 7 हजार रुपए और सोना करीब 2,500 रुपए सस्ता हो चुका है। लगातार गिरावट के कारण निवेशकों और सराफा बाजार से जुड़े कारोबारियों की नजर अब आने वाले दिनों में कीमतों की दिशा पर बनी हुई है।

केनरा रोबेको एसेट मैनेजमेंट कंपनी के CSR फंड से शिनोर तालुका के टिंबरवा और पुनियाड गांवों के हाई स्कूलों में साइकिल बांटी गईं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुनियाड। आज, 24 सितंबर, 2026 को, कर्जन-शिनोर के स्र्अक्षय पटेल की अध्यक्षता में शिनोर तालुका के टिंबरवा और पुनियाड के स्कूलों में साइकिल बांटने का प्रोग्राम आयोजित किया गया। केनरा रोबेको एसेट मैनेजमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड। इस प्रोग्राम में, छात्रों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने और स्कूल आने-जाने में सुविधा देने के नेक मकसद से, स्कूल के ष्टस्क्रफंड से कुल 111 छात्रों को इस भागीरथ काम से फायदा हुआ, जिसमें श्री शारदा मंदिर सेकेंडरी स्कूल, टिंबरवा में 43 और डॉ. शरद पटेल विद्यामंदिर पुनियाड में 68 छात्र शामिल थे। उन्हें हेलमेट के साथ साइकिलें वितरित की गईं। इस अवसर पर करजण विधानसभा के विधायक अक्षयभाई पटेल और केनरा रोबेको एसेट मैनेजमेंट कंपनी प्रा. लिमिटेड के मैनेजर चिरायु पटेल, साथ ही जिला भाजपा प्रभारी ऋत्विज पटेल, जिला अध्यक्ष डॉ. बी.जे. ब्रह्मभट्ट, संगठन के महासचिव योगेश अध्यारू, महासचिव बृजेश पटेल, श्री चिंता हरण हनुमानजी मंदिर चांदोद के विवेक स्वामी, चाणक्य माने जाने वाले और सहकारी क्षेत्र से विकास पटेल (बीठली), तालुका प्रभारी मुकेश दाजी, जिला पंचायत सदस्य पति जिगाभाई पटेल (उत्तरज), तालुका अध्यक्ष संकेत पटेल, तालुका पंचायत अध्यक्ष हिनाबेन रोहित, उपाध्यक्ष प्रीतेश पटेल, तालुका पंचायत, तालुका संगठन और विविध मोर्चों के पदाधिकारी उपस्थित थे। विद्यालय परिवार, शिक्षा मंडल के सदस्य और बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित थे। केनरा रोबेको एसेट मैनेजमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड हर साल अपने ष्टस्क्र फंड से कर्जन-शिनोर-पोर विधानसभा क्षेत्र में स्कूली बच्चों को साइकिल देती है और उन्हें घर से स्कूल जाने के लिए प्रोत्साहित करती है। इससे पहले 18 सितंबर को पोर बलियादेव हाई स्कूल को 343 साइकिलें दी गईं, स्कूल परिवार ने सभी मेहमानों का धन्यवाद किया।

भारतीय क्रिकेट को मिला नया टाइटल स्पॉन्सर, मुथूट फिनकॉर्प के साथ 2028 तक करार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के अगले दो घरेलू सत्रों के लिए मुथूट फिनकॉर्प को नया टाइटल स्पॉन्सर बनाया गया है। कंपनी को भारत में होने वाले अंतरराष्ट्रीय और घरेलू मैचों के टाइटल स्पॉन्सरशिप अधिकार 31 मार्च 2028 तक मिले हैं। इस अवधि के दौरान भारत में करीब 35 घरेलू अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले जाने हैं। नई स्पॉन्सरशिप को 'ब्लू मुथूट' नाम से पेश किया जाएगा। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, इस सौदे के लिए बातचीत 4.85 करोड़ रुपए प्रति मैच के आधार मूल्य पर हुई है। हालांकि, अंतिम आधार मूल्य और करार से जुड़ी अन्य आधिकारिक जानकारी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की ओर से आधिकारिक बयान जारी होने के बाद ही पूरी तरह स्पष्ट होगी। मुथूट फिनकॉर्प की स्पॉन्सरशिप का असर 27 सितंबर से शुरू होने वाली भारत और वेस्टइंडीज के बीच वनडे सीरीज

से दिखाई देगा। सीरीज का पहला मुकाबला 27 सितंबर को तिरुवनंतपुरम में खेला जाना है। खास बात यह है कि तिरुवनंतपुरम मुथूट परिवार के गृह राज्य केरल में स्थित है। ऐसे में कंपनी के लिए घरेलू मैदान से जुड़े इस मुकाबले से नई स्पॉन्सरशिप की शुरुआत होगी। अगले दो घरेलू सत्रों के दौरान भारत में कुल 10 टेस्ट, 12 वनडे और 13 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले जाने की जानकारी सामने आई है। यह करार तत्काल प्रभाव से लागू होगा और इन मुकाबलों के दौरान मुथूट फिनकॉर्प टाइटल स्पॉन्सर के तौर पर जुड़ी रहेगी। नए टाइटल स्पॉन्सर की घोषणा में देरी भी हुई। इसकी एक वजह अधिकारों के लिए पर्याप्त गंभीर बोलीदाताओं का सामने नहीं आना बताई गई। इसके अलावा ऊंचा आधार मूल्य भी प्रक्रिया में एक कारण रहा। बीसीसीआई के आमंत्रण निविदा दस्तावेज के अनुसार प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के जरिए नए टाइटल स्पॉन्सर का चयन 13 अगस्त को होना था, लेकिन उस समय कोई बोलीदाता सामने नहीं आया। इसके बाद बीसीसीआई ने संभावित कंपनियों के साथ सीधे बातचीत शुरू की। जानकारी के अनुसार बीसीसीआई ने गूगल जेमिनी, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, स्पिनी और एसबीआई लाइफ जैसी कंपनियों से भी संपर्क किया था। अंततः मुथूट फिनकॉर्प के साथ करार की प्रक्रिया आगे बढ़ी। इससे पहले आईडीएफसी फर्स्ट बैंक सितंबर 2023 से अगस्त 2026 तक बीसीसीआई का टाइटल स्पॉन्सर रहा।

गणपति विसर्जन के दौरान हादसा, प्रसाद लेने तालाब के दूसरी ओर जाते समय युवक की डूबने से मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहवा। डांग जिले के मुख्यालय अहवा में गणपति विसर्जन के दौरान बुधवार को एक दुखद हादसा हो गया। सनसेट पॉइंट के पास तालाब में डूबने से सतीशभाई देवराजभाई चौधरी की मौत हो गई। बताया गया कि सतीशभाई अपनी पत्नी के साथ तालाब के पास मौजूद थे। इसी दौरान प्रसाद लेने के लिए तालाब के दूसरी ओर जाते समय अचानक उनका पैर फिसल गया और वे पानी में गिर गए। अचानक हुए हादसे के बाद मौके पर मौजूद उनकी पत्नी ने शोर मचाकर आसपास के लोगों से मदद की गुहार लगाई। आवाज सुनकर आसपास के लोग तत्काल तालाब की ओर पहुंचे और युवक की तलाश शुरू की। लोगों ने पानी में काफी खोजबीन के बाद सतीशभाई को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो

चुकी थी गणपति विसर्जन के धार्मिक आयोजन के बीच हुए इस हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर मौजूद लोगों में शोक की लहर दौड़ गई। हादसे के बाद अहवा में मातम का माहौल बन गया। धार्मिक आयोजन के दौरान हुई इस घटना ने वहां मौजूद लोगों को स्तब्ध कर दिया। घटना की सूचना संबंधित अधिकारियों को दी गई, जिसके बाद आवश्यक कार्रवाई शुरू की गई। पुलिस की ओर से मामले की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार सामने आई है। हादसे की परिस्थितियों और युवक के तालाब में गिरने से जुड़ी अन्य जानकारी पुलिस की जांच और आधिकारिक कार्रवाई पूरी होने के बाद स्पष्ट हो सकेगी। गणपति विसर्जन के अवसर पर बड़ी संख्या में लोग धार्मिक गतिविधियों में शामिल थे। इसी दौरान प्रसाद लेने के लिए तालाब के दूसरी ओर जाते समय सतीशभाई के साथ यह हादसा हुआ। अचानक पैर फिसलने के बाद वे पानी में गिर गए और लोगों के प्रयास के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। परिजनों और परिचितों के बीच घटना के बाद शोक का माहौल है। पुलिस मामले से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है और आधिकारिक कार्रवाई के बाद घटना की पूरी स्थिति सामने आने की उम्मीद है।

स्कूल के नाम से घबरा रही है 5 साल की बच्ची तो इसे नजरअंदाज न करें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। स्कूल की शुरुआत बच्चों के जीवन में बड़ा बदलाव लेकर आती है। घर के सुरक्षित माहौल से निकलकर पहली बार स्कूल पहुंचने वाले कई बच्चे नई जगह, नए लोगों और बदली हुई दिनचर्या के कारण घबराहट महसूस करते हैं। ऐसे में माता-पिता से चिपकना, स्कूल के गेट पर रोना या जाने से मना करना शुरुआती दिनों में सामान्य व्यवहार हो सकता है। हालांकि, यदि बच्चा लगातार रोता रहे, कक्षा में किसी गतिविधि में शामिल न हो और अगले दिन स्कूल जाने की बात सुनकर भी घबराने लगे, तो उसकी परेशानी को समझना जरूरी है। चाइल्ड एंड पेरेंटिंग साइकोलॉजिस्ट रिद्धि दोषी पटेल के अनुसार, 5 साल की उम्र में बच्चा माता-पिता को अपनी सबसे सुरक्षित जगह मानता है। उनसे अलग होने पर उसे अपनी सुरक्षा छिनने जैसा महसूस हो सकता है। नए माहौल का डर, स्वभाव से अधिक शर्मीला या संकोची होना अथवा स्कूल से जुड़ा कोई अप्रिय अनुभव इस घबराहट को और बढ़ा सकता है। इसलिए बच्चे के रोने को केवल जिद समझने के बजाय उसके पीछे की वजह समझने की कोशिश करनी चाहिए। विशेषज्ञों के मुताबिक ऐसी स्थिति में माता-पिता का व्यवहार बेहद महत्वपूर्ण होता है। बच्चे के रोने पर घबराकर कभी स्कूल भेजना और कभी घर पर रोक देना उसकी परेशानी बढ़ा सकता है। इसी तरह स्कूल में बार-बार वापस जाकर बच्चे से मिलना या उसके सामने खुद परेशान होना भी उसे यह महसूस करा सकता है कि स्कूल वास्तव में डरने की जगह है। बच्चे अक्सर माता-पिता की भावनाओं को आसानी से समझ लेते हैं, इसलिए विदाई के समय अभिभावकों का शांत और भरोसेमंद रहना जरूरी है। बच्चे की भावनाओं को स्वीकार करना पहला कदम है।

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.